

क्रान्वश्चित्रः क्रूब्सः मिन्ना

स्तिन्द्रेशः ह्वे हैं स्थाउ। ह्यान्त्रेयः मिः स्ट्रेर्ट्यः व

## à5'9€51 ■ASSASSASS

्रिक्ता । विर्ने की की स्थला श्वासणा पर है श ख्रुमा पर है . है मर्स्सिव द्वेष केष वे वर्त्त सं द्वास द्वा । सम्बन्धे बर्ह्स ने स ह । सद्य पद्ना हि र्श्वेट हे पहन । हि रया य क्ष प्रकथा ग्री सहर पानि वर्र क्षेर पर क्षेर पर देश व्याद सर् यहें स सि.च बेरे. विवस . यह ना साम र माना साम यह . च बेरे । वेंद् ग्री क्रुअ-स्वर ढेंब द्वुट बद्द दन नी क्षे के हे दुर ग्रुर मदे भेषा है द र के भेष वदर । देने मुक्त में बहनर । त.रथं.शुष्ट्र.भु.द्रवीस.चेर.द्वेत्रीस.चेरिय.रचस.भ्राप्तश्चरा.से विनस | (R. A. STGIN) वृक्ष या रे खेंद्रे नर मिट. ब्रिनि रु. श्रु क्ये १०७० व्यू र चर चर चर चर चर देव कि च रेन श्रेर में निसाद हिना वर्ना मार्चेस सद्या महत्त्र स्रा हिना न्ता नेदायन्त्रीयान्त्राक्ष्यायद्वायक्ष्यायन्त्रीया विश्वतर देत त्वर्व क्या श्री शहर हुन देन देन देन निर्मा निर्मा निर्मा स **ਸ਼ਸ਼੶ਲ਼ੑੑਖ਼੶ਸ਼ਫ਼ੑ੶ਸ਼੶ਖ਼**ਖ਼੶ਸ਼ਖ਼ਸ਼੶ଵୢୄਸ਼੶ਖ਼ਜ਼ੵਜ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ਫ਼ੑੑ੶

ख्रिय.भह्रं प्रथ्य । ७००० चिक्रं प्राप्त । १००० चिक्रं प्राप्त । १००० चिक्रं प्राप्त । १००० चिक्रं प्राप्त प्

ग्रेश अप्रियः हुनाम कृट त्यर प्टेटम बिक या प्रताम म् । बेना क्षेत्र कुनाम क्यों भूषा प्रमा । र र र र यम सम्म



क्ता । इ.चाम.चार्षभ मन्थि स् तृ ते **भम.प**रील मुग्न । न् अन्तर्द्र नमर निर्मासहरात। । मेरेश निर्मे निर्मास सुगाप्तरंथ है। ।यगाय केन ध्रानो लेय से हो। । यह करो म् मिन्द्री मार्च ग्राम्यक क्रिका अकार्ज्य मक रामी माग्य केसका ग्री-भ ज्ञामकुट सिन् सिनामहूर थ। सिन स् ए प्यार मिना ₹ 3.4.2 . 3.4.2 4 . 4 א. 5 א.ם . בל . מלא . מאון בעל. <u> निर्देश राज्य का भेरा भारत के लेख के मान प्रत्रेश के मान प्रत्रेश के मान प्रत्रेश के मान प्रत्रेश के मान प्र</u> यत् अक्षात्वा १ विष्णानित वर्षे हेश शुरुव रृपुर य दिन म्बार्ट लियश हेश से कार्टर हीया मी मिश भक्त मिर्स्याय । इं दि: केदे कर्ट्र मिर्क गुट कट रू निर्मुट हैं। दे:सः रदः दिः मिल्का भी पदे दिर **धी सः स**र्वे दे**सः ददः धरः यः** वश्रश्चर की परे पार प्रमुद्ध प्रश्ना है हिंद देश गुराप्ट्रीय स्वार्थार्थे । क्यादेना व्याप्ट्रीय पार्विर मक्र्-मानमाश्चाप्तर केन केम नु म ने मानिक निकाल नु दे मुडेर प्रमा झे लेख म पर दे र प्रमा दे में र प्रमा देश देश गासु भे गो पार्टा । नावनाबाहू व गु सारानावेसामु नार

नु क्रमानुक्रमानुपानमा महे न सरमानुसामासा मान्दान सारम मुस लै न नाके स नाम्य ने के या नक्षेत्र में लेख वें रे ने। निमिष्टिस श्रुव इत्सामस श्रुव सामहत्स है दे मिष्टिस गु युन व्यामर् के व्यस में पर विते पार्टा । नार्वेर देर् रमायदे मर् नादस चारे नाईस श्रुव रूट्स दस माम चारी सकेर नार्म शिस्ता हुए निविक्तान से मिट के मिट के मिट के मिल मिलेटम ने हैं स प्राप्त स्वा स्वा रसर प्राप्त राजा। सकेर स से बे रजा। सनारमर में है। वसमा लसाम सान्त्रीं नी मार्द्धना समामिट निट हैं चलेटस समा लिट गार्न हैं हैं हमा होत यस स न्याय दस में न् भी यह व में यह न्र्य ये के ता केंस म-द्वाय-व-५५ की मर्दर वस इस है भेर दम लेख होते। दे हेरे क्षेत्र ने नांस्त्र प्रमा हेर्दे ल्या क्सा मानुसाने भेतात दर्भन्य वृद्ध में वर्ड व दर्भ या सु दर्भ गुर दर्भ गुर दर्भ या है. म नुरु में धुन य हैना विंन द र व व व व व व व व व चुन इसन्स्र्न् नद्वासास्। हि.नद्वन तास्सा हैते. ्र चुर्च्य प्रद्राच । अब्देरमाहेदस सर्चे प । प्रद्राय पदे प्रदेश । क्रे.च.चेद.रे.अह्स.च.चक्रच.चद्स.चस। बटामूर् क्सस व दे। वेद की पर व वे पद मुक्त के प्रमान पर्वा ୢଵୖ୶ୖୢଌଽୢଊ୶୷୳୵ୣୖଽୖ୶୵ୡ୕୵ୡୣ**୵ୖ୵ୣ୕୶୴୶୷୷୷୷୷** वहर क्षं हुन्द्र निमास्य । दे सामिय नद्र सर मुर र व। वेद वमस वद होतु तु भे व मस पदि हैं होंदूर से दंश। वर्ने या मुद्रे चुन्नें लेवा ह्यर पर कर वेंद्र गुरे मुक र्त्र प्रचार प्रसेश ह्येंद्र पर्दर प्रदेशे। प्राचार के ह्मियायर मानाहा दिये माने महि मुह मिर हे पर्देश हर. लुद्र। टु.लट.ल्य्2.च.स्.टु.झैक.घर.घेचेश शे**श**. म् गूट हु लुब । डे.ज.चंद्रच जना ने चंच हु शिम नये. विनाकार्यरे । किन्यानाह्य नानी किया मूर् मानसाम रेट्र शंस मिह्न स्ता देव शंस मिह में न। देव. र्वश्च में देव सर चे हुन है। इस मी है। उद्दान वा । - रेट्रे श्रम में है के हिं चलेर अर भ्रम श्रम निम। र है चलेर. न देवे. श्रम में मीम भूद छिट हैं मु न दे मुद्द पर रेनास

स्. क्ट. वंश । चीअवांश ही नवट हों व ने हूर शिंश है . नीहे. त्र्यन्तर्भा मि है.ज.ब् ३.वश.स्र्रेभ.वे.वेज.वश.वे. श्रिट हे वा वस्त्रवानी से विट लेर् वा वस्त्र म् नुर-दश। यथ। व्रं गु.सियास्य सिट प्रदान रेदे मुल र्रे पुर येनास य सर्वेद दश देदेश श्री रेर् जी मुल ये.मूर्य वेश वट सु ही ये. हुने वह पूर्व । छार हूर वेतर घटानु मुंद प्रसा मुश्र दे शेदा चेर देश मेदा दे जाना क्रुंसम रुव्याचिना त्यस्य में नाद्यः तम । जदः में नाहः कः भेव क्या से विंद नी नम् क भे क क्षेत्र क्षास भेद स द्वाद क्या क्रेश स्वर्षेष रेटिल मी इंसान रसारमाने तरेना वसार्मेन मी. लेक। सरक्रें बिट सर् हैंट नीस रस वि पट्टें न हुट में चार खिला व दश चर्र- क्रूमान्द्रचा दे चला खिला क्रूर च के। ने पानसमान्य परमान मान्य । मुन्दा खुवा दुवा लनानी सुद प्येंदे दे। या सुया सुया सना रेटा। दे त्या चलमान्याचनाकर। चेर् खुलार्च्यात्रहें मुला मुक्षे अर्र दे। ब्रें र्घेनारमा यहे। वेंद्र में ब्रेंद्र चें

दे में बर्ग हरे के बर्ग ह्मेन में के जेर विद्या मुर्सेर् प्रमा हेदे लय द्रमा न में या ही सामहुर या रे किर्टे नेश्वात्र स.लेंग.रे शुंच इंग.पर्येट.। ख्र्यट हू. ब. मु. मीमा. व. मीमा. स्र्ट. क्र. ब. म. मी. तमा मा महीदारा भेदारम। ५ म सुतार मही मर से म्र्यम भीना र मेश रहा पर्येष भारत हुन. रे द्वे वे वे वे मिं प्रवे दे सकेंद्र मावस मासे र मि झ न्या खुरे बिमान हेर्गा डेम बस्मा मित हेनार में के व हा मैं पतुनास दस । दे गुद दु सकेंद्र या दे हो द है द पद का ME. 4. \$ - 44 | X. 43 \$ LAL 2. 48 2. 1. 24 24 1 **६८. मिट. मु दिव सेरे प्रथम भे**रेचा राजा वर मिट. मु. वर्ते त्यस्य से द द्रश्चा पदे द्रश्चा निष्टा निष्ठेन ख्रुसः स्पेर् पर देश लेश । ब्रॉ दर्जर में भ त्यर में देश रू पर्दरश पश श्रेराम वुद्द हैं अंश दश क्षे छे न दर। नाश्रेर ही है नुण श. वे. संस्ता अहर वस वे वे. स् हे. के जावन हें वे. इन निर्मा नेर वह महर्द मं नहीं नहीं ने निर्मा ने

अरे.श्रेज. मुटे.यंब. हुरे.ये. कुर्स टेर.यंश. श्रु.ये.यं.ज. न्दुक् केवा व्यद् । विद्राया केंस्रासाद्दार व्यक्ति है दि बेर दशकी भी स वन नु हु से सेंद्र उस स सदय स रे सेंद्र में रे नुस प्रदेश | दे त्य चेंदर है के देश है। सुस सिंदर ह्रात लूस.चेर्र.ज्.च.चेता.चे.चडेशस। टुट्र.टेस.च.चेता. में बे स् वट वन दमर देश वु क्या व व बुनाम । अस व जुर्मीर खराचड भ्रमाचड मशिमामानवाचा व त्त्रे दे ने बहु। मित्र् मिर्मे मिर्मे प्राचित्रम् क्वा संभवाद्यर देशाय मुद्रेना यद या यर देश । दे या रेम में भ्रिन हेना मही। दम खेर व महर्द हेव मनु ह चमिर्चित्रा दहेश.सर् हेनासालास्मानुर हुनः नुरे-छुक्ष रक्ष अष्ट्रेरे हेरे हो हमा छव लहा मोड्रेनिक । वह. यर खें अ विर है। शिर है य श्रम हमायर मही मैया मृत्यात्रमारी मुन्ताना । अर हु चु में क्षा है माना महीदी-ब्रेटसाग्रीस-पर्सेना वस-पर्दे हाता श्रीस स् मह । ह्येवः <u> म्.गीर मील सट श्रुचील ग्रु.चेनी तर ये चलेनी र्यस श्रेस ह्र्य.</u>

नुर-द-वक्षणानमा छ्यट ह्य हुर ल नुर्य प्रवि हेटम गु वेब पम महा है भेब दार है। है में हिंद हेर बम मर्टा विक्षात् नी भिष्यातर विषा व्यापिक मार्श्वर र न लियम दीनाय गु निय मेंन गुर है। हैं निय पर नुर-क्षर-इ-जना.य.ब्र्निश-वश्न-ब्र- त्यू स्ट-र्-जूना चेर। मुल.व.४.५. हे.ब्रूट.कं. पव्य मेवा.क्.ह्मां वा है. येथा. बिट. मी के प्राप्त । प्रशिष्ट शास्त्र के प्राप्त ने प् स्ट.वस. श्रट.मिस. चर्नास स्त्री हे.वस. चेता ने जू नहीं नहें सात कू चेट तूंश ने क्ता के नहीं नेश । में हु मिल तू क श्रेश कुर तु श्रेर नर ५ त. वंचर हुवे. ल.वे.चे बैच बर अपर अर यह चेज व ह हैर बर बेल लव मी म मू रें भारत कुरा भहर तर चंबुर रें म कुरा में मेर ब.मीनोबाराका में नेर मी मेर में मेर में मेर में मेर में यह दूब रे श्रिश्च रट खू ३ य है यम रे यहार तथा चैन ट्रेट प्यवस गुरू प्रसंट र सिंट यात्र सिंट या रेड्र य कर् वस नाव र न इस पर्या चित्र प्राप्त सन्त पत्र

र्मानिहन र त्या वस्ति । वहि र्मानिहन र नगुमा दे मोर्ट्र यः के पर गोर की साम्रोट य है। की या ये ये ये ये ये ये य हिट निंद दशन है नस नायद। नहेंद है हैं। विट.स. रेश. ध्याता । ब्रुचा जा ह्येर जाता वेतर । सी. सुनान्यर सामक दट हि हैट वट व हेर यह तर साहिर निट মন্ত্র-রেলা-বর্মান্ত্র-রে-বর্ম-বর্ম-রুম-বর্ম-রুম-রু-র-র ट्रेंट वववस ग्री वर्षट रें ववव देवस रेस महमा स से र्दे पले प्रमार य दे मोदेंद य के वे मके वा श्रीन पदे गुर्गम्बर्द्र महेर् य के प्रम की के बेर। नुस दुन्स गुसामकेर वसायर एक मुन्त सहसाया मासर व मेन्द्र होना है। द्र-मोर्ट्-य मेर्-पर्ट-१ नासन् व खुनास अव दयेया वर । मी.सैवा.मी.श्रेट.वंश.मीर्ट्र.चेर नीव वायवा प्रवा परे भु नु सुमार हे चेंद हैन या के महे हेर। मुला नु न इ.च्र.म्.म्.म्द्रम् तमायः ह. स्रदः त्रीदः मश्चिदः यः त। म्. सुनानार अमिद सद विश्व सके द वस । द्वी य पडिने केंस्र मुडेम क्षुर दु मुसंद्य दुस्। दुस्र दुम दु दे ह्योद न गुद

मु. १५ र राम। पर् स्मिम खेंस मूजारमा मेजारी पूर्य मुद्रे नहनायन देखेर दुर्व ३० वर्ट रण र वर्ष दुर्म न ब्राम्य निष्या अम्बायान सुमार्गे स्वर्म ने प्राप्ता देवसागेषु भेषु भे तब्दा मा सेन। देवे दुस सामा हेवे श्चित्रम् व नुस्य सम्याद्यम् दे दे दे दे दे ह विना सम्या स मोद्यमान्त्रा राष्ट्रे हैं न माश्चिम व व व मार्से मान व मार् छन सेमस न्यत निवन पदिर में १ र दिंद महि। दे हैं म्य नुसायस । देवे कहना दूर दृर देवे वहवे सके वस वयना निष्ठ न हिसा द्वर प्रस दे में हेदे केर दे न सूत्र नमा हेस व १ नहर वस है दे उ हर् दु माना वना नर। दे भ रे भ में पश्चेर भ सर प्रवे दुव दु में द न प्रवृत। में हे न-दर्भन् नुस्य-स्पन्द्रान्स। मुहेरा ग्राट्ने त्यासुना विश्वास्त्रा द्रेश ह जायद्वे सु ह स्थ्र से से सि । मे हुस शुरा व रट श्रेर वंश नहूट नर वंशर वंश है। में हु व

रे हिंद प्रवर देविदे सुन्भे क्ष पर्दर दे दे हे हैं कि प्रमे औ इटाटसन्बिस्स। देत्याच्यसायसाटावदेरावद्वादः क्रें बहै व्यक्ति क्षेत्र हो। वेंद्र खुया दुः झुकेंबा वजार वेंदिर चित्रा वर्षेत्र वर्षे सुर रहारा मुक्षा गु वर्षेत् वर्षे द्वे । द्व मीडेना नहर र चे दे खेना नु खुभाय। अनु मी खनसा नुस लाक्षेत्र दे.चेश्रुलाक्षेत्र की। यदेना पर्दर वहाद सर वायर यक्षेत्रमात्र द्वेष के द्वा विष्णी यह व विष्णात व केर वाश्रव । वर्वाची संस्वश तश्री नीभ थ ही व ता चढनाश्राह्मर चेर् 'र् 'सके तास'र्द मोस नुस हे 'स्वस क्रीस - 44EM 8. N. B. C. GM. AN | A. E. 4. 5 E. C. B. L. L. B. L. लक्ष्म् नारा वे सानुदावा चिंदानु द्वारा के पद्दा वे अदे सक्रर वस मिन्नाय नायर व। राटस मिन में नासिट रच में व अंदि व व अक्षेत्र व प्राप्त । कु हे व में विंद ग्रें व के व वस्ताम वर्षा वन प्राप्ता मार्चे वास मार्चे वस वस के मार्चे क्रेर नुषा नुम सद्द्वदार्च क्रेर हिर हैं है स देश श्रुवारादेटाच मके। ना निरामदेवानेमा व्यामीमा गरा मिंदा

म.सेब.वेश.त्रिर के ह्यूर्त रहा हीर व शहरा केश.के. जह वसन्य नमुरे व साम। नार्दे दसर मु खुल दु दस परे क्रमणी मिटक प्रीक राष्ट्र रेने यह यने स माने के रहि सर सिरामध्राम दे हिंदा भेदानर नेंदर माकन दशागुर में चेद्रः बुर खूर खूर्या जा मेश्रर क्षियु चुमाराष्ट्र, कूसा पमा स् ह्रेट मोर्टा वि. देवार विषय अर. के बट. दे मोर्ट देश. स् ३ व. श्रेर त्रेर त्रीय रे. भक्ष. वर्ष. जमान । सर्हर. वर्त्तेव विक्ति से स्रेन्स श्रम् अर्थेट व ने स्रेस मीर रविस म लूर् र्।। डे.मॅट हिर छाना छन् हे स र् ने नेट हेन वक्षर दूरमा बेशाचा दूरावश्चेषमावमाक्षाक्षामा श्वेषाचा प। स् अत्यार्श्वम तिर मर्थम वमा द्वे म रूट प्यंदर द्या च्रे.र.भवर अटम.मेश.मी क्रम.व्यामा च्रे. रे.सटल.सेस.से.चेश.सेशट,रवस.चर्सेनोस.से. चुर् से.वर्मनीस. शुब र्ख्नि य र्स्ट्रेन से त्युद्दस्य। वहदार्य अव स्थर यदे प्रमाद्य प्रमा देवे सार्व मे सार्गे प्रकेश तथा

वर्षात् श्रु नालेगम। नुयानु श्रु वर मार्थे परा। सेर् बना में वार्नार नक हिस न किर नक्ष क्ष कें मिलेना येच रेशर रंपोर यञ्चर ये. यद् . वेबाश रेश चीव ने. परेची. य. श्रद ब्राप्त में विद् के प्रत्य कर हो दे जिनक विद्यान मर्हेरमा अरणी कुम व रे भुवर सेव मार्टा देवे बित रेश शि होनाश मेर ग्री के श नेहन मीट रे रेट हमारे. हिंदा देवे हेस सादर क्षुत नुमार्सेस न्दा न्दाय केर हुने । देवे हेश या यह हा न न न न हा न वे.क्र्स.चेर.चर पर्चीर.र्जा वृश्य.विट.चर्रेय.यंस.ध्रीतांश. यम माशुम प्रमुद रो। वेद था केंस गु पन्नाय पर्दि सद्य-क्रिंश-क्रुस-पर दिंद। देवे द्वोत्यवे यत्र मारेष इन्द्र- मिल स् द्र- व.रे.चे. श्रूट- नश्-र- ही. रे. बुका नदे ८र्मा नम्राया भेरा र्रे माश्चारमा वसा त्रापा नाकेस अर उटस। दे वस के नाम ना के शहा नहीं ता दे वस सर दी तमान वज्रदशः भीना यः म्रों च त्यः वरुनासः वसः वसर् से व्हार्चे मुद्रे

इ. अ.च्. इ.व. वेड है वा अ. अ.अ.च. व.व. है नमा यतु. स्ट्रिक बिना पर्वेशका हिनामा गर् प्रत्योक या लहमा न्यवाकी से बटाट यास्यान्ये वे न के महिमा मीकारी ता पहिंचाक का मेक। मार्डना मी री हे ता हुँद मिट.कट.भ.भट्टा नाकुना.गु.झे.मिट.भट्ट.हु.सू.सु.कुरी मीठिमा नीश ह्या अहूर दे में रश माना ने तर्जे श नेश शर. नुसन्दर्भ नुसन्दर्भ प्रयास्य यात्र सुना नुस । देवे द्वे सिटमार्थमा सुट सुरायमा चावराचा वर्गातर मिमारिया सेना येना वस इंदे सेव.रे.वर्शिय वश त्रेरे रे.अक्षा त्रेरे.रे.लव मित य् लद् वर्ज्ञा सिक्ता रे. कुर्य वर्षे वर्ष त्रेर् तम व्रेर्थ पर्टी मिन व से. ४ र म. सूर् नम । बट म. बट मिंस न. मुकार ह। मैं न व में कू पर्वेद्य त कूल वेश तथ जर प्रते भ वैशक्षेत्र में प्राप्ते पाहर भेरा के वर्षे में रावहेंना नायान्त्रत्। शुःक्र्य-तेन् नाने स्टान्नम् नमुन न्सुक्रक्र न्वं वसान्य स्था र से देवे में अ. चे में के बे अर में लिय रे शिया हर बंध पंत्रीरशानद.

नी तर तथित देश हुर वर्त्ते । रे वस मे शिम बचेस विरादमा सामर विवादित दसामा दिना दसा है दिससा है। स्रम । क्षेत्राद् नग्रे नाके र निम्मित में मुन्यान नश्चर । देव अभार्याना निवास देव रे दु दिए केंबर में पूर्व देश महिवा सूर दू वेद सके हिर। स्तर न्या श्रूट क्या र नेया । वर्ष या वर्ष वर्ष वर्ष नेदे हिंद सहसम सदे हैं का स्था मार्के माना है है नर्यक्ष विकारक के न्यू जारानीक देशर नेलूनीक सेनी ज वट क अभा । विषय प्रशासिक मार पट विराम नाकुंबाला सुवासन चेंद्रावना चेंद्रा महमा 👙 होते हुमा बाह्यः वस.स्वे, इ.सट.ज. वचर.सेट.सट. हेट. ल चंसेज. वस.स्य ला जेस तर महिस र स. स्ट्रें क्रीन मेन नेस देस मिक् कुथ रू श्रिशःचंत्रर मेजाम हिन्द्रायर जया हुण हुन श्रेषः ने मा माया प्रया न स्ट्रांस मारा प्रया = विकास मिर्म रटाचडेश भागर तीर भवेरा चर में के उसिंग है। साध्रिभा श्र. श्रम, प्रकृता, क्षेत्र, मुंस, प्रदर, प्र. मुं. नर स्था

वकार्यट-देशहै। मुन्नर-दर्भाने न महास्थापार्-पश्चिया मर कर्वमा नेर्द्रका मध्यका इति मार्केस ज.म्नियंश-रम्नेश-रशालम जारमिय। देव. रशासिका. द्याक्ष्याचा मुद्राम् विद्याला क्रिया विद्याला क्रिया विद्याला विद यद्र मिथल ने क्ट. यहमा यद् त्र्म रे.य. वास व स नामान हैट. भी में क्. श्रुट हीट मी हैंस ने ह मा मा मा मा क्षेत्राभय संस गुर दर्श क्सा यदेव अर् प्र पाट वा दे क्षेत्र बन्नामित्रामाद्यस्य वे न्यानात्त्रम् वे न्याने । द्व वे व न्याना . अम पहर नुपास्त्र दह है है पे पेरेश की प्राप्त है मर्थर के प्रमा है हियान प्रमाद न मिना पर वर्त्यूका दे के वर्त्युका वि निर व र में के के के के व देवा व वन-वर्ष्टिमान द्वाद कर पाया व वर हे हिन तत्रीव जुर स व र र र वी जर है। य र विव जेर जिये जस यामाळेचा प्रमाने नार्टाना देशमानु सेंद्रायर हुए खेला नमय। एवं दीमराग्रीना स्वाम रमास्वामंत्रीत श्रमाम्बर्भारक्षायक्ष्र्रायम् विष्यायक्ष्यायक्षाय

इन्स नमुष्ठ । केना नुष्ठ स्य ह रेन नु न उन्हर । मदै सम देन रुष्ट्र है। अर रेर् हिर्मा है उस है। **ल्. धुम.पिट.भक्ता.लट.शट.ज्र्**च चाश्रण बीट.ह्ये प्रच.ज.व मारेमा हो सामा दे मा दर का ही ने मान कर के दे मान में दे हुए। समामार्यमानी हार्म्नामानु नक नुव दरे वदन म नश्चन पर बिट पट के के से ते अट गुट के प्र प्र रहा है स **ल्रे. तर. लूरे. कुश. वेश.** झुंश. तीट. शर्वेश वेश. पश्चेंशश. तप्. **हैं। हेदे अन् नु यन्**या सु ह्वदे के अपने के या परे ह्वन नु मित्रार्टायमाध्यमानु मक्रीयमायमा हेने ल्याप्रमा द्रद्रास्त्राधाः तीमामी मि.मुर्च री.पर्शे ला.पशिरका प्राथम किट.लर.ज.सूट.चर ज्व रें। शट.चु.चु.३५.श्वी.प्रश् वस्ता श्रर्मेर्थाया न मिया में दर मामूर्या मेर्नु, क्रांमक्ष्मान से हैं ता हैन | दे द्भारे विवाद। क्रिय श श्रुप्त वादरा ्या प्रताली **भै-ने-निक्निन्निम्स-दस्र।** व्हर-हेंद्र-इसस-द्रदःस्य-

यर् कू स मी द्र जार है। क्र मीट देह से द दे त प्रमा मुरे अयः संस गुः संदुः संगुट दे हे दर्भ सह। भें में म मी.भुश्राभम्। पद्यं मू.जेट. प्रमाना पद्यं मू.यं रू. हर्ज .लय. मुख्यों). कूल.पीचील. तबहः त्. चीवची. **से** असल. ह्य प्रवेश वर्षा प्रतिमानिक मी हिंद या प्रमार ये निहमा वैट.य.यर्थ। अट.सु.श्रेभ.थ ग्रुभ टे.स्ट.मुश्रासट यदेव. यह नुस न्दे ले । हुस नु प्रम ने मुद्रे हु रहें प्रमान मुद्द व अयः सेसामेतु कें गुदा हो तिस्य सदी में र अदासी हैं विसायसायद्र त्य दे लियारेसा मिर्डा झे क्या ववट तू दे मोरेब.कूचा ब्रिट्स क.शहररेश मोशिटला मदेना में ज. मकुसः तथ.ल्रे. भक्षत्रथा । भक्ष्या तेत्र ह प्रमासिटम हे भीम. सर् नियाना दे त्या नुसान दर्ग में हैं। दे वस दें है निर्दे य प्रानुब यस कुम च न् केर क्रिय। ने वस स स सि हिर व याग्यन्तर्मा द्राचे श्रुद्रियाद्यायरम् विक्रियाद्य

. माहामर द्यापर मी य सका यह हिंद हिट दु तहे व मर मिन्स केंस मा भेर केंस है। पर पर पर केंस समस में बर में हर प्र में हर पा पड़े शाया शामिश श्री प्रथम विषय ह्या के.राज्यक.वर बारेट,रचाक.चरेट.ह्या चाकात. क्रिट बरो क्रिंग की मुद्दर की दिए हेर पर दे रहेव। मास्रयः श्रदःस निवास नासु नुदारहदानाहोर हे दे हिंदा हर भु मिर्ना संभव नाम दैना में मिना निमान हिन न हैन। **इ. हिंद् ग्रेश** कु खुवा ही हर साद्या सर खुवा ही हर सा रेटा मे.मु.म.भम्रेटा मी.ल. वव. २.८८ मामश्रास श्री.सूर. ग्री महीर ने कु ने मेशिरश । दे मोशेश रेट शट में रेट मेशिश . ज्या वें रेवे ने स्टब्स् व अर नहीं र नवे नु र नु । हों व हेन् र.रेट.। बेट.श.बेट.ब्र्ट्श.वेश.झुंदी.प्रिंट.चेश्वेश. द्विन्द्विने नेत्रतिवासी स्त्रिया न प्रति स्त्री **क्रिश्नर ५।** हिमल च रहित सम के राज्य करानु मान्य सुना यास स्था समा। क्षेत्र नु सामार्थिय पर वे.पिट रे.पि.शिवमाल । द्वेश.प्रिश्य रेट.श्वराजा वेर्यास.

नादव राम लेश मर्केद राम दु नादन दे हिन स्न दु निर्मि मका द्रवानाय हिंद अ.विद्यानर द्राम्नद्र मा वर्ष्य नि मिश्चरका हुर्रे हुरू प्र.प.र्नाप. च.क्यक.वे.हा सट.चे. हुर्- दे नाश्य र्रेट में ज्रेनाश शि. परेट अष्ट तमा हिन्दे ट्यू.मी.सीच ४ इट्स त. क्र्स तश्चित तस.वी**४८.भूर।** रू अर.पर्टा.पश.पीषावे.पंतरस.<u> १ स.प्या</u>त.सेना सटार् मके वशारि वे रवश में कर की निर व रने हों र रेंम य म र्वर व महिसार्यर दे। द महिस मुम्ब दस मि व दे दुर क्षे दें अके नदा हेर्ने गुरा हो अद्भारती। पदेन शट. चु खट. खेट. वंश श्रुट सिट राष्ट्र . मू मीश. हुश. परेत. त. दे न्वा य परुष द्ये न्वा व परुष हेट सूट्र भूर हट. टे. नटेट । चाराज र्डेट अट लिज ही . के खूर टे. वर्श्चर्ता लटा वी नार है विश्व विट है अड्ड श्रावस । विट स लट मी सट पठन है। म कुई है दि पट के ने मेर इर महेंन व नुस्र। प्रदानुम नुदे हेर् मट द्वे पर दु सर्हेर व नुस्र मुन्दर रम। नुरन्द्वन गुः विदाय विकास र्द नुद

वस । वस्र सम्बद्धारम् ने द् लेश पर्व हैं। गुरा सम्स तार्गीर जा कुस नहीं व । वजा मिला है व्हेरस नजा है स ट्र.क्ष्यं बिसाने । स्रामसानि विस्थान निव निर्मे निर्मे तीय. रे.हिव. रटक वक नाइने. जनीनट नाईक नड्डानिक। शुर्-रक्षा चरुमाच्या र ५ जार्लिन द्वाय दमा संसम राश्चेर विमा वस। द.ज.लूर,सेल कुन,नाशिदम। नोश्रूर,टेरिल ज. स्निस पद रूर्रिपर। अ देपर। ह सुन्सरा क्षा जूस दर जन दर मू ३ मध्य कर सेवा । द उट सेवा कु ची चीश्वरता कर अरे. तेश तकालका जा भक्षा चंद्री शुक्रमान्द्र। रयामुक्टायुवाक्रेमसाम्बेन्यन्। द्वाव य सर क्रमायत्वमा हिर में य तर जार जे मान क्रम तर था नरी हैं। व रे. अयु. के. दूज देशी शुक्रश रहिंदे तह. र्वस्तु व स्त्रानमा विद्यु श्रेट सट से नेस द्वट त् बुस वि.वर प्रविद र विशेष्मा वेश सम् त्र प्र श्रेण वैज. शहर । चास्रण श्रद्धाने मिट यर पर्नेश नार्श्य पर हैंश. वा क्षेत्र दर्वेद वर्ष दुन हुँ र दक्ष वर्ष हुँ वर्ष दे दे देने वदे

मनेसामानेन सहर यर है नान्द्रा तुस पस । दार्चर है वित्या स्रोया स्पेन वित् के वी वह न वित्र सा से साहि। क्किया व्यव देनु देनु वेन के यह हुए स्वय स्वय दिए हैं दे र् यर वर्गे कर वर्गे छेर छेर छेर वर्ग र में वर व व देट मिन्द्रमार्डेस ग्रीट देर सिंद देश देस या ययस यस। इस वर् गुः ही नव दर्व दे देनी बद बनेश नाहे द उस वा धुम प्रश्नार नुकर्दाय नै नवे नगुरु । है मिश्र वे देवे हुए। नु द्वार प्रमा दसर प्रसंस प्रसं से वर्गुर क्षुद शि स्वय प इस. २. यद् , पदिवा ताना निष्टा पदिवा ग्रीट पदिदश शि. परिता बुंब-पश्चिद्यः। अ.६२ सर नयान्यवार् पोनेपाव। मंभज बेट. हो चजालीज टे.से. भु चे चम कूम. वसिय... गुन्द्रमञ्जूषा वामवाकृतम् वर्षा ब्रियाहर प्रतिकाश महन देन तुन च द्रा क्या महत्र पर च १ यन् प्रसार् के सा वार्त वा मा सह वा पर प्रमान वा वा वसाह वा बु.स.स्वयानमा हुद विमानमा नामवा हुट हुस. मामवा नेद्रिक्ट वर्ग ने र वा कर य द्वर अ द्वास समामहर ।

र्ट.लट.वर्.मकुस.बुस.चंदिया इस सम.वेचनस. मक्रायदे हेसाया द्वेबारा महमानु कुयार्चे हा हेसा ग वज्ञानु रेन्याः अस्मायान्त्र रसी राज्या माब्रुचा चर्चितास. तद्र सक्र्य. बुंच र्. स्था च सीम. यस हुद्र. विम दश हिंद् वि हिंद के के के तानादन पानु व ही सामासद दे वर्चे वस सिया नु सिर य भेवस या र्ह्ने । दस विद १ नज्ञः सिरं ग्री नाश्यः ने नविनाशः म् नाश्चाः श्रदः द्विन खुम-नुस्ता वर्दन र्यस वि १ न बद्दन प्र वायात स्मास या हरा वा न्याय पदे हें व व गुव न्याय नि.चर्. भूषा मेरेश. चेश.तश. बेट.३.तबट.ची. भक्षरे थंस । बिट.स.बिट.र्.टर्.ल.क्र्स.ल. भु.रेचीच नश्र मेनीश.रेचीट्स. म त्यान मही हिंद हिंगा नार दे रे व मानवसा गुनर क्षेत्रमा विविद्धास्य सामितः मार्देश अन् के हैदेः इमेर्ट्स यत्र नुपर्य सके य स्ट कर । है पत्र ने हैं र्ज्वाची स्वना है कर्ट अं भरता चहुम मानव गुराय।

भूच.रे.च.रचाव.त्व.राचना चेज.चेर से.क्यांस.कु. क्व हीन् व निर्दे पार्वेद पर विदायम् तिरास्त्र हिता है म.ब्र.सेर.चे.चर्.विर.श्रेंश.वश हेर्.सेंद्र.दूश. मू अट. सुर. श. क. न. बट. नाडुन रनीट जू. नाश्चम. मकर. धर दया नु यह मान हेरी सु कें दरका ही द वरेवा वें। विस्तास्त्रम् में देणुर्वस्त स्टिन्ह्रीट्याद्वा होर्ब हि चडरामी 'नेपा.ज.पंगुंभातत अर्मेर मू रंभस ज । बर. माल्यामा हु र केर ये नार्य सर् यार् यहे वह वे ले स वेस द्भ-रे.नेश्रूज-रे.नश्रूच भ.७८.नुश-र हुंश-तश्र हैं.न.ज. यक्नास. यर. मीर। वेय. ह्येंचास ग्री. या श्रे माश्रम मीस. बटा में दे में हे त्या हे हे नायुक्त है। बटा स बट मी हेरे मार्ट्ट स्व-य-वेद-वनदशार्थेद-वान्तिकाने। हुव'केव वे विपस नेर पंपदेश वस सकेस धरा लटा सा लटा दे वे पदेश इ.इ.स.क्षेत्रा.हे। ४८.ची.वित्रा.टे.वेत.३ज.वेस.वंस. ननुस्य। अर् भेर्नरे लिट ह्रेंब के चे ननुस्य प है बुद्धा हर। दायावर केव से चुदादी विकासीय प्राद्धा

भै.यदेव.इर.यस । बट.मी.मु.व्रट.ज.यहस.यस.मुज. चित्रसाग्री मि.ज.ल. पुराग्री स्विदाल्ट्र : ब्रेट मा चरेव : ब्रेट : व्रसः छ प्ति कर छिर। दे सेंद से पत्र पीश सेंश देश। हे तयदशागुन्द्रम्भाराये दुन्यस्थ । वदानु चारायीसः म्येत विद्रुष्ट्रिक्वास के सेया वर्ड़ हमार्चे विवर मिर्स प्राप्त मुर्मितवर में सर्वर। हर सुन्निर उपदे रेपास स् बुच-रे श्रिम देश । र हुन बिचम सूची श्रिक निम जूट लेश अके नम । हैं व र्या अने स हि पत्र व रे हे दे लियस इंगम्दे है। वु हर दे दे भी भी दु प्रमें है। ब्रेंब दायशके पासु भेद्र । महीमादानुदेन चेर । विदास लः दाने। ब्रॉक्टायस के न दे सेन व हेरे लगस सून्। मार्डमा में द्राप्तर मार्थ हिमा कित्र राजार है मार्थ है स म्रीट पर्या मर्ग्स द रे यग रेर म प्रा पर्या पहते श्रदाना शुने दे के प्रमा विद्या विद्या विद्या वसःस्वास्य हैनान्य सके वस । दसरस हेस यस सः

बट. मुख नाश्चर. दक्ष । इ.रनाट मु है. दश सुरू नाहना हर। दुस्के हेल नरे बनस हेर् सर्हा ५८५ प प्रमुद्धावसा मेर्च म्यानेश रहार नामक र भ रहारास । म् में मी व है मी द है में टिट अर्थेश में ब में से प्र ने में देश । मेट ल.वे.सूर् ग्रे.क्षेत्र सूर्तिम.ल.क.च. भर्मू रेनीच. शैकाय. म्बिन्द्रमा ह्येत् केद स्ट्रिना लट स लट दट नु चडना र १। हिंद केद वें द रे कि स नवर महिना हर। वर्रेर बर ने नी में माम हा देर दे है। देर हैं मल्पाम् बेर हिर पूर्वे पर्दा सक्ट केर है स से वि प्रदेश व्यामे प्रमानमा वि स्व है र वि स व्यापान्ता व्यापन्तान्तान्य । व मूर्ते हैं हैं र नाट लगा द गर्न । य न मर्ग मूक गु भेना ने उट स सर्वेट यस । सर्वेस म्बर् में हैं देवा नुसंदेश विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय र्राप्तिमान विसान स्त्राप्तिमान स्त्राप्तिमान स्त्राप्ति । स्त्रिमान ट्रेवि.लूस. वर्षाचा. त. तर्देट. तत्रे. सर. तश्लेश. तथा क्य.

भ्रात्त्रेयायदे म् प्रमुद्दायदे वयस दे यभीन वर वरा सर्वायाया ने में स्थापन मान्या में स्थापन मान्या मा य क्षेत्र प्रतेशे। हेर संबद्धा क्षेत्र प्रवस स्वत्र मान त.रेटा इ.सुर्क्ष्यमा.चन्नु.रेश.श्.बेट.३.व स. नेश मार्थियाच । स्रेश र्सेट यह व मीर स्रा हैं स्र सर्दर यह र जुनीश । क्षेत्रंश्वरात्मवाणुषाणुटा झुक्ष व बटा वृश्वहर तर द्वार वट म वट मुझ पर्वे चेर झ नेग हो है र्हेन द पर दिया दुनाय । सुभ मु खुना दुना पर भे हिंद नीय गुद स वेनास । सद्धु मर् क्षु मर् कर पस दें दें निश्य गुरा होना मुदे हैं होर सर य है दें दिस पासक्री बट स्र क्रम से न न मस्म ग्रीट स उट नर मुक्र हे रे ५५। इ देन में सुन है रहा है करन र श्रुर व म श्रु विस है कर श्रुर विद्यापन में वर कर । ह्यि अप श्रेस क्र सहर दा हर सहर त वेनाय प'वड विश्वास्त्र प्रमान क्षेत्र मान्य विश्वास्त्र मान्य विश्वास मान्य मान्य विश्वास मान E. प्रमाने प्रमान विष्यु में मुक्त में मार्थिक में मार्थिक । अन

में हैं हैं र सद में देवास दश मिल में नगार हैं में र नहना देश । ट्ये लच भुश क्रीश झे प्रूश ४ हरे चा खेर नी श क्षेत्राचारे वडा मुद्धाया श्रुर सर श्रुर हरा हरे. रट.लट.प्रुस.चेर.ज.१ट.टस.चिश्चटस.तस । प्रुस चै. नर.पक्त.थ्य। र.क्ट्स.चेर.च.ज.भवत.थ्य.प्ट्स. पर्वे भे व्यामुक्ष उद्गसु व्योद विकान्नी पायम मिने व से नामक श्रेट भट लिक वस ट्रम च हुई सेव हर त्रा भक्र देश तीशन हैट हुत् . शिव हिर मक्ष्म है। ट्रे.क. बिट के नवट वृद्ध न देव देव न के निया के निया के निया के निया की निया दर प्रमास्त्रम् सम्सारा शुः भेद । सुर हेंद्य भेव यर में नस मास्य श्रूट नास मास्य । र्धे के अ केंट्र दम्बद्धम । नृष्मयम्प्रथादा अन्दर्मियार्थ दे सुन्ति श्रुट. नेर. ट. रही. २. च.च.बाइ.ब. जना जामाध्या त. पीकृती. मर्कस लेस नर्सेय प दूर । देवे लय दस हिंद छाय र मार्गे पर देर मे द्रमुना दु में दिए यस । प्राप्त है पर ट्ये.चर्मात श्रुंस वर खेता व अधिम वर श्रिव ट्रेट्स वेन

चर-चर्याच-ङ्गिता। चासम-ङ्गाद्या-तालीय-टे.मष्ट्रश-४४ । नम है स से १ नर्द न स्थालय सहस्र । नर्द में दे नगाद BA. 4. 4. 4. 10. 4. 5. 184 ZEN. EZ. 82. 10. 4. 2. 10. स्यय बर्च्य दे विश्व क्षेत्र ने नार्वेश यश । विश्व वार वर्षे श्रूट र दट होर नज्ना नर् के होट नी हैना स दट। तर्वट की र विन मानिन मानिस सार धुवा नु स्थापन में प्रसुद्ध सकेशन मा हुरिक्टर्नुद्धरानु स्वाप्तिना स्वयमा सरामा मही यह तह स्वाप्ति द्वार र-दित्। स्थार् ये देर प्रविभाष्य स्थार्स हित्त दे हि सा वे सास्राय यक्ष। तिता यः वर्षु त्रम् प्रकृषः तर व्यक्षायः स्वरूषः स्वरूषः वक्षा बट हैं र देना व र हैं चल है। से दव हैनास देट। स् से द मी वना व मे द में व मी द । दे न दे न से मार्ट भक्ष. दश । मट. चे. दट । श्रेट. वर्गे झे. खट. माज्ञ मास दट. मक्ष्रमस् भे झ नश्चिम निर्मानस् अ ४ दे दे स्र स न् र्म दूर क्वा.श्रुट् वांश्रवी चीश.कूट वर्वेश वे । ित.कु.श्रुश वंशट ची. बु ल का नि में के निर्मेत के निर्मेश के में में निर यादे याचे दू वहें वा देव । छा र के हे वह दे हैं भावस होंद

य येन्स से 'हेन् य मे नु य मे न के न के से हेन् य मे यर्दा मेर्। क्षर्भोर् सर्वेन मुख्य सर्वे । मुर्वे र्वेर खेमस उदायायदाया मानेर दसाम है। दे हैं या वर्षेश्व वर्ष्य वर्षा वर्षा वर्षे इत्तु श्रु र इत्य हे त्युवा व वर वास्ता। दस म हे वहना में निश्चरस। नसाका र है हैं व वेंद लेख नास्त्र नस । नास्त्र हिं नार नी सना हेब स्थाप वस सना अस राज्य। ध्यार ठवे. लियान्त्रा मुंच चेंता में चें की क्षित्र नमामुद्र था जार्ड देट इंद कर लग स सहया लेश नगाय सुवा नाया हाँद सहस्र मुस्त्र होट. मी 'चर्ड्र दा. ल. महिना लन मट. मी मुन शुक्ति विस्ता माश्रुम मीस ने सर्वे देव पुरू है। स देटमारा व दस पहुँ ५ छ न। हिन् गुर सबद अस्वि गुं कुम त्ति य। नामन मैट नी नट कुन नेस मार्थ मिन में मीन मिस्रा है। दस पर केंस दर पर पु पर क्रेंब सम पहन पन् क्षेत्रात्ममानाश्चादस पर । क्षात्र प्रसाद सेदः

म्स लिब विट वहा जब हुन जब चरेंच। त्या इरे जा है चरेंच वश विश्व तथा मैं अ. तु. मिंद भी देव वा वा मुंद वर्षावा व र्टाश्वराद। सेर्रानु साम्यादी स्वासावि स्वासादारा। विवसा माञ्चरा निर्माणका। अर् नुःस्टरः रेसाञ्चर्यं सान्तेन त्राप्तिस्र र क्वांस । सु. प्र. स्ने र वास स्न य के दस य दि ह्यूर व पर मिश्रक पर्देर कुथा वे दे हिश्यश श्रुर र प्रदेश हेन ल्रा द्रेन्णर र्रेट्रे समाहेन स्थापमा रमायदे हेन चर पर्नेचा बाश्चरका रे.चेक.त् चर प्रैट.चेंद्रपका श्री.च.कु. लादरान्याचे त्राचनीयाने वाचनिरान्ने वाचक न्या प्रमास वर्षे वर्ति द्रा । देव वर्तेय वर्ष माहेस ग्रेस य-१९ यस । यडे शेव'वया चे गुब स द्याप है। वे च त्रद्रात्रद्रशास्त्रित । क्षेत्रग्रद्भारत् रु.ज.सूर्याःस्त्रीय। श्रु. वर रटाल केस वटा वा वह वे त्र क्र क्र विस वस त्र वह त्मार् मे सर नेपाम सके देश र्वेद प्रवदशास्त्र मान स्व र्मायदे क्रमा प्रमुद्दामा वर्षमा । जार् रुप्ता हो दे ्र**र्प्र**म्मे में स्थापन । स्थापन प्राप्त में स्थापन

जानविकः विश्वन है। है नार हिन्द वेक है विश्वन हैट नेट न श्रीटार्च झासिटाचा नार्या। विटान्ना स्वा श्रद्धान्ति। क्षेत्रास्त्रम् वहत्र ह्यान् वेत्रस् दृष्टिन वस्र। स्पार् र ररानीर वाचिनायाता स्रेर्यन निमासीना महेम वस निरंद रियार १८५ र न व्याप्त मा यर्वाः श्रेषाया कृतः हो। येर् प्रश्नसा छर् प्रवाः ये विष्रार्वायः यदे । द्रशासु सुर हे विवस देंदा दा हा क्रिंस मे व्यापादा रदा ह्या वा €८। १८.६२.शर-मि.चर-रे.चाचुनास-चुना नर्नाः न्। बेट. श्रुरावश्य .वर .वरम. ग्रीश. श्रेर. ज. नद्रश. म. हेर. है। क्र भ नमी भ रिष्टा पर मीट लाट क्र ने देन पर्ना मध्यानुः श्रुवः वर्देवः वर्दाः देव मानुमा छा ४५ देवः वयः दशा श्रव अप सेश ग्रे सु र स य। क्ष मुन्न य उद्देशस्त्रम् देना नुस्म दुर्यम्। वेद्रायमसःसु मोर्बर् होत्मार्मा मार्केश त्य की दम्म नश्च हुस दत्रेश मीयात् व से क्रिक्ट में तार दी तार मीर तार शिर में के क्रिक्ट नमी नर प्रथम नश । क्षेत्री देश त्र्वी रे पर का मंद्रमा हा

मिर में अभार देने श्रिट्य श्रे हास बेश सामा अधि उर न्द्रिन् स्टेश | रे ह्युद्र इत्सास समु र् ह त्र द्वार द्वार क्रा.जातमीर अ.चीट र मीटर क्रूमी रेट वसीर रू हि.मीट्र मध्याम .जायवशायशाय्र्यं रे.शि.हुंचीशाय भ्रा.पश्च.चीशिटा वसामार्थर से मिर नाट नाया है या नमूसका वसामालवा नव व त्याश्चर स्थाप्ता । स्थार् में स्थर प्राप्त स्था लर.चर्टि। श्रुट.चर्च्ट झे.पीट.चाड्र ५. ग्रुश.र्घर.प्टर.च.श्र. त्रत्य यदे <u>र्</u>ह्मत्य श्रुः यश । व्रेश्चास्य स्तापदे । र्जूम न बट्य है। हर ब्रीट हैं मी व्याय है। नहीं में जाट वर्चे हैंट.र.रेट बेशन हैंट ब्रेश ल ६२ यंत्र तीय. न्यस्याने स्यान्ते स्यान्ते स्यान्या बैट कुर के जिन नर नश्री र वहा। कुरा के कुर ने में लीजा नु के अर नर्से न है। मुन व व व स न्हिस के व व नि नि व व P5.254 2 哥上面上 विवश्नासी नविद्यासार कर निश्ना ज्येनाशान्त्रीया वर्षेश वर्षेश वर्षेश

भु.चेर भु.वेर.चर.मॅ्स.भूज.चर.हु.उचरस.क्टे.चेश.स्।। रिकार्टर-मि.इ.प. विकासामाना है. लेगा स्राप्ताना मानुना न हे भार्षे १ म पुर रूप सेसम द्या है सुभाया महिमार्दे र वेरा दे हे नेस हैंस पस् । दर्ने ह लगानी हैंस पस वुट है। देवै द्वास द्रा भ द्वास परे वड़ वड़ वें हर देस व्या म्केश हुरा हे में हुद क्षेत्र महार परा हे महिरा यार् कार्जे हर प्रश्लेदाय। दवे दुट दु र्वेट हेना यर सट वैदा। द्वेशान्यानन्तानद्गान्या द्वाभावान्या वैदायका वयमानदायम् न्यूबन्दाम् सुबन्धातम् दर मु हिट मिट निस् । सेट द ता वर्से र ह स में वर्से द दश है निर देश प्रमा सं ३ च नावद भराय कना सार्थ भ्रत्यद्भम्ब.ग्रु.मे हु.ज.सेच.वेश । चे.ज.स्.भे.२८.<sup>क्</sup>व. शुष्रश्चर्वाद् स्थितः व नाकृषः वृदः वर नानाषः वर्षः । श्रेटः 12 22 HE. 22 HE. 6 81 32 1 2. 4E. 2E. 22. 12. 24. ब्रैंय नवेय नुष्य । मिटा मार्ट हैन देश द्रागा न द्रा

दमामान्य वस्य उदादर मीयानगान । अंब द्रार रेंग र्मेक मिर्टि के द के द्वार हुँद द नकुवा में हे के रे नास्त्र क्रैंट ज से हिंदे जशाहर हैं हैं हैं हैं हैं वा हु सा हैं हैं हैं । मेंह हु लिया समिव व रे प्राप्ता । जिस हिया से सस द्वर में १ व्रेट बेर मदे वनगणा हिंद वड। हिंद उट ह्व सेसस न्यव न स्त्र मुन्दि सुवाय प्रकार हेर । हिंद् के वर्दे यवे छ द्वाद के विश्व नाव दुवा नायव दूर क रे हेर्दे ल्या अर्वेदाय ह्वे द्यार यदे हेट दु म्ला रदा के प्र वषु त्यान शिट झैलाव लशा ३ देवान कु ताम मकुशान। निवर ह लट से निक्म हैं निट निक्र नि से से मिट मिर चिर नि केर द होर्द यर है नाबद सके य दरा र नु हे नाबद हे नासमार्श्वा केट. पर्टेश: चुना ल . स् १३. श्रेंश वश चरेट च रटा। खुन्न-वक्ट्रु-क्रे-भ्र-थ-र्नट-चक्ट्रिन-वर्गेच-र्म । चम्रण-ह्राट-मुश्रः सुर्यः सिट स्वरं न सुर्यं स्वरं न देश हो । न स्वरं हारिनाः श्रदायः द्वारायः विद्यारायः । प्राधिनाः व्याप्तः वित्रः

अदिनामे हे दुरुषुना महैना निद्रासक हुर यर रू न्दरा वर्षेत्री परद्वार्य दे नियम्दा द्वीसार सार हुवायर कर्न पुरुष वर्ष व त व के के कि व के कि व महेन व्यानिविद्धिर होर पर्स मार र महेना र सुर। विक्रमालन देसमा प्रयास निमान है। यह निमान नमा वि अत्रात्मान्यस्याञ्चरः वृद्गास्यानु सहस्राहे। वहदा त् ते श्रुक् श्रूक सुक सुन वस न्यून। वस द प्रमः मिट्रवर्थाम् लट्डिं द्रमस्रद्रः हुर्या चे.व. दे.कर्। ला र् २ दे हिंदामायर् पर पर । नामवाहाराख्यानु मळेश य प्राप्त व यो व रे हिंद ग्रीश छ र र हु शुर हेंद्र । वैना डेश प्राप्त सुता । नास या कृष ने विषय सुवा सुवा सुवा र व हैं है य दश व पहला मुह्मा मुह्म के मार दिने हिंद 리를 정확·음·대·스트] मिट क्षेत्रा राष्ट्र से अधिव रेट। म्सुमार्देर वसाप्रुपा देर सट खुरा वसाहैट परसावसा क्षा त्या क्षेत्र द्वार के विद्वार के विद्यार के विद्या नर्श्व. संत्र विज्ञान्त्र मार दे हैं तर मि. बड़े हू . पट्ट.

रशियाताल्ये तालाश्चीता है वियु तिशिष्का वस । हित्सा छै. वा मझुरावसा वे खुना नु नार्ने समान्द्र मान्द्र मान्द्र समान यश क्यादहम रमाद्रामुर । शहानी गुष्य या मेंद्राद्रश बिटार्डिंसर् बट्सापित क्रेट्स पश्चिरी सूट् वेषु त्यं प्रकूश यदा मुद्दरमु मेरे हैं के स्ट्राम् केमा देशे मोर्दे हुन वर्षानद्र, वरमान्द्रं वर्षा वर्षेत्र वर्षेत्र स्थित वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र मुर्य कुर. त्. ज. देशर. येच र्रं ज. चशिरश. देश । अटश. ज. ह्नी त.चचे व.तश. वट है. अध्या वस. चटश. ज. चर्चे. यब्रु म.चैट म्रुव वर्ग क्याम वस व व्यापारट म्रीन रट मेर य. ययस। देवसामायानाया हेनाया होट हुट दुर्वेद दस वेद क्रमानुदासाक्षेत्राचर्ता याद्वाराचे के सुदाया महिमा स्दर। दे दस देन नु चढ्डमा या दे दूस दर्भिय महित्स य देव। य दे खेद मु महर पर्वर । दे पहार भ दम देन नु पहुना मिश्रिटसः वस । र्ग्रीयः विष्ट्रः विः चलेटसः वसः लेनाः मिश्रिसः र्मोट्स य महर्पयम । नाटम ग्री मर्मेन पहला ले खान ग्रेट वेह्म रूर सैर | श्री उंट रेम ज. हुन्म वट है.

्यान ३४. रे. मधा श्रद्धा । श्रुच र पूर्व मी विहर हू लिया रे. ब्रेश्वर अब्दार वर विषा अस्य जार केर हेर तथा वयबालीय त्यीयारवे. २. मू मि. झे.च .वरं.चरःशु. वर्चेश नीशिटका देखा | क्रेंद्राशिटा श्चा राम र प्रेंद्राच देखा के व्यूटानी स्मा खार कुर्ने हिटाया वहाय वह वे मेंटा सायहर व. चूरे. शे. र्रेचांश ग्रीश. ठेनोटश. पश्चिटश. वंश. खूट. घर. कूट, त. कू. जूं. वंच. चंश्रीटश. व.ज. थे.श. भक्रश. तंश । क्य. त्र वेट. चंशिटश. वंत्र चंशची. चंट. छे. च.श.ज. र्यथश. वश्यः मीयः तथः क्ष्यान्यकः वृतः। दे त्यः निर्देदः पदे हे कर मानास । दे देश भी वर्षा दे पर्वे देवी रव नाश्चरस व दरा अपर द्वा ने सर्के यदे वाता वह द द्वा में वर्ना वरे वर्म व्यामिश्वास्त्र । वरे विव र्न समु च नहेना परेचा. पर् ज. परेजाचेर. कुचा.च. चीराशावशा चेची.ज. वर्डेम स्दर्शमय दवदे सुन्तिन मह्द। वयार्चे हे यान्द्र दे दे पुरे ता चर्चे चनुना समा चर्मा मकेश देश। येचा जा ने जू ह मोडियंश मोडुचा मध्रेश हो। दे बंश ह्या. वर्जेर्'या वेंब्रबस हट सहर तहर व दें वे सकेंद्र हे ब ह

शहर देखा। सु.चट. दे.चूर्र थ्या पथ्र र.चू. रेट खेला शहता. पद्राक्ष असार सिरावेश । पद्रवार्गाया सेवी पढ़ेश तथा। यद् र जू र म. ने . चैटा यद् . से ने . मु. से न . ने शिटा र मा स. सूटा मा विन भहर तर् निम्म ग्रेश नम। यद्र त्र्म विन विम वसा श्रुव-द्वर्तिशःश्रुव-श्रेद-चर-सहद-श्रिव-चर-प्रेयक्ष हें स पार्मा कर में सारे दे पर में हें दे पा महिना द्विता रुश्च बेश सेना रेशर पंतीब नक्ता प्रिंग सार्दर से हैं . से सक्ष्य च नहमा है नया ह न वर है मिर समें हेंडे. न्य मार्चे हिए य निवेषा है नाश समाशाय। देर हुना नुतमातर विश । ला. व् रे. हैं. हैं. मा. रेश. पव्ये सूजा. नेश्चारा। हूर्य शदशासिशासहना हुर्य र नवेनाशासह. कें। इ.म.श्रीवादमा वेचा पुरमा केंद्राया मामकेशायरा रेनास चाय। वॅद्राणुयादस दस देना नु स हुद वदे न्द्रमाचा कर् सर द्रामकेश यथ । यद द्रामें केश सहद नुःक्रेर क्रेर क्रेप्य प्रत्या दाक्षावर् वाव इंग्राम् वुसाय केवदे यह ववुदानाहरा लेख छ य श्रुव इदसादसा

चनुनासाम। यूर् ही सहसाही कुल सहरा है है है न वश्रक वर् सर. हुट चीहर चीहर च दरा है स.स. पर्रचित्र प वे खनाक साम नदेश हैं वेंन रहे वें केंस महर य का महर् , शुर मुरा त हैर गए , हिर मुंख , मी मर्थे , हुसाब. श्चित्र वे वि व वाका भारता का सह का । नह का ताना हैना व इस-दि न्या वैस है वैस हैना य दि। हैंस क्ष्मा सम. मु क्ष्मारा हुना त.प.च.मान्ते मान्ते . परे, क्षमारी. सम्याम सेर् एक दहिन वेटक मार्भेन विश्व हुन हुन मेश्रि.पश् । सट.पु.र.५ उसेर.सबट.मुझ.शटव.सेश्रुज. श्चर्त्राचर् वह ला हिल सह साच दरा। स्वर्षे हे वह दे हैं। स शकुरा । कैंद्र कुर तु दिता । कैंद्र कुर चाड्रमश्राभाग न गुन मकेश है। श्रेन द्वेंद्र चर्च श्रे सटन नास्त न है वश्रम वर् वर वर वंश हुर्तार हुव। वश्र हुर व श्रूच रह्यूच. गीर में, शर म मिर देश, यहेश, यहा, बेट बे पेहुश मंत्रियों श माड्रिमा ग्राम से द बर हेर सर पर्मा बर सर हर है व छ व । न्द्रमान्त्रन्त्रभाषा उद्दर्श मान्य निव निव निव निव

वस र्सेन रहेव पर्ने मक्र पर हेर न रहा। हे देशस नाइस महिट लिट वर्ष्यानास्त्रा व सर्वेट । सूर् पर प्रमुख परा महिमा गुर से पर्ना सर में समक उर् रह प्रयूर। रेंग म् वस्त्रक्ष कर्म दानिया। ह्रिस रदा द्वार हिद। यन्निस ब्रेट बर्चेय। अत्रुक्तर्मि में श्रुक्तरम् अमादव वादे । शुक्रा गुट वर्द्धा वर श्रुं ब र्वेन दिने बट पर रगे भ विम्र में स करा ना ने सक स्था करा से ति द से प्रें र श्रुद योगायाया श्रुप्तुद पुरु है। श्रुप्ते व पार्पद वसा ह्मर नासक नका निर्मे के मि से प्रस्त रेम मे भूट श्रिस्त है। जबर बट दे कि वय या निमान्। है सर विवासिन्य वराष्ट्र । सु ने दरायी हैसा से दर महिंदान पर्व सं पढ़ मार्ड सार् सामा पार श्रुमा दे दे सि क्रें रेनाक्ष वज्रदेश देन व कर मा दि के में के दिसाय व ही नम्द्र नगुष्य दस । मुलार्च हेदार्च नलेदे सुप्यन दस। नार्ट्-हिन में झेम.लेल भट्च-शिम.चर्च । झे.प्री.म.२८म.

य दूर्श श्रे. थ्र. जा स्वा देश । क्षेत्र से दे ना हे र ना है। चर्च श्रम्भ झ.स्रश्न भड्टा विश्व भड्डा । ज्यान च्या विश्व अह्य प्राप्त विश्व अह्य । ज्या विश्व अह्य । च्या विश्व अत्य । च्या विश्व अत्य । च्या विश्व अत्य । च्या विश्व अह्य । च्या विश्व अत्य अत्य । च्या विश्व न्यामादर्नियायाते ही है या इया सहर । देश माधुया नःमञ्चर्माञ्चित्राञ्चेनासः गुसः दसः सः सळेसः गरः गुसः । रेः पर-य-पर-मोकेस-प्रमिश्च । श्रुव-र्युद्र-प्रश्च स-द्रश्च-द्रस-अग्रान्म देन नुरहेन सेनक है। न्यार देन वर्षेन यसी प्रता श्रिक कर से क्रिक है परेर सहर पर्टर। मिद्धना जना किट रेनुट्र या नविष ने हैं र भीना मिस्टर देश. बर समाण्या देशक्त रे श्वापने या ना ना है है दे रहें सा सा मैट बेश्र अर् हिट ब मिया त् हि ह्रिट हे वद ब है। अह वेना व मुश्र से द के दे हे द वना में नवा से पुबा थ। मुश्र स् है किट चुर नह नोश्रर हिंदी किया नह नह दस हैं ब हुनी नक्षेर सिटाब्राट वे क्षर हैं के वे जाक से कर हैं हैर सरस ल वहनास । नम न व नह ल वस हों व द्वेंद ही होंगा हु क्षित्र द्वेद मी में न मार्थ है मार्ट दस है मिनामार्ज्ञन अराष्ट्रायहेन्यायहेन्त्रुवायसार्हाहा नम्न-वश्राक्षात्रम्य । नम् च नाहस् ल नदे हे व

नश्रम्भा श्रीन द्वेद ए या दे हमा सर्वे देशसा व वेर । श्रुव रेत्रें में लिया वस मिन्दा या महा सक्साव । दे रहते. इस देन दु में नावन द द हिंद सूना में नहार स प्रशा E वना सं दे र नाम प्रव हमानमी नद ननाम महिमा द सद कर मंद्र म से न भेषा दे न न महिर कर्म स मानाइमार्डमार्डमार्डमार्ज्याच्याचार्ना र्डेश होन हेना वर्षे दे निहास्थाय नहा। न से हा वह कार्य द्वा नम्बर्भकेष। ने प्यत्र में ने स दशनामद दश है वक्ष ज़ब्सिका है सा कि है स्या ग्री मिट हुसाव कि सुनी है। व उन्यार्थेत्। देवस्य ब्रह्म देन्तु म्हित्य व सु हे हैं इ.संस.र.चाराचीर पंजा क्याहीर के नासुर। क्या दे लेक् चर सुक्ष तुक्ष र्र्भ र्र्भ द्वार देव हमाक्ष समक्ष करे। दे एश र्जू वृचा मोश्विदशत्रका मा नोट्र द्वा वश्व चर्या प्रेश. ग्री में भारा वीक्र प्रका में का या बाहु वी मि रें र म्री पडर देश. वर्षेर् श्चर गुंस नुस वर्ग से वह्व नुस दस दस समामन

जालबार राखा हे अर्चे हे अर्चेर श्रेंट । श्रेंच रेत्र ही. पहरा निरा हेरा छा हैहा हैं का **नेवश पश**। अब. हुना म लिंद व विश्व व नाश्वर किट हे , श्रेंच रत्य ही श्वर रे. विता सिक्षेत्रक वित्वक शिवराय मिवना निर्वा देश न्य विकालिया होता ची ज्यासामाने प्रमा दे सर्वा अर मुर्मा र श हैं, श्र्य ही श्रेय कि मूर्य । स् तश महूट. बेर-वस्त स**बेस-पर-पमीस।** श्रीन-द्येव मी विमावस चर्यक्षेत्रं मुद्रिं गुी.साव्यव≡र.स्ट्रं ने व्यार स्ट्रं ने से मान दर द्या नु हा नू दर देव ख्वा व दर दुवा खंडा कर-के.स्ट.संस्थान.सं.क.स्.चेंट.। चेंब्य.स.संघ्या.क्ट.ज. लिएससामार्येन गुरावर्के नराया है परास है सार्वेर 원단성 대, 및 본 용 로 로 레리 리 포, 너는 1 전투적 · 경·경·로 नी अर प्रेर रे डेना वर र र र र र महरा रचैनास श्र. चढना क प्रबेट्स प्रम. कूना म. छे। स्स. देव. क्र-मिश्चरका दे क्र-प्राध्यक्षर मार् सेर क्र-ट्र-बिश्चमा

नर्नेदश्च म महर वस म हेट न र दुट । न न न न न न **इ.स.चस.चंत ८स**र.सङ्घ स्ट्राचना रख र्डे क्या ताबर्टा रेदे से बर्दर वनार्यर हा वद छन वर्षा है वर्षा ला भार कर नर के हैं दिन्द्र या सहर देश वहुस्स है। बद्दान्त्राहर हुस्यवेद्दानुस्य कुद्दा देखाव्य । मुर्देतार्द्र। पूर्तितात्वा तूर वेश वंश। इंधा श्रेमें में अधि रेट क्रिंट के जा हो दे में जेंट है क्रिंट के अधि है अप मर्वासिक्टाहर मूर्बा नुसावसावर्षे द्वीसावर करी श्रीव. रंत्र्य मी. लेका रं मं दे प्रिट्म प्रश्ना क्रिटम स्था मु.क्र्म. इर दशर्जनाश भाष्य जारी रेनांच कुर सिवा देश। श्चरम् खुलार् वहुर् पर हुना सुभावका वहदा पर भा विर स र में स दश क्षेर्य र पूर्व वा पक्षेर य प्रस वहा ना सेर हैं नाट खुल बस्र। क्षेत्र द्वेद मी लगा दस नासेर वर्देद यास थेव है। वर्ष वर्षिय हु बड़े हैव नहुन व वहूब स वरदायी केंब्र पुरावर्षायर छ। वेद् खुवाम बार वे इसाम । वयदशायदे यातावर्षेद्रायवे सेदासावेदसाद

महोर पर्देर वपर्ना अरा समार्थनान्स्रस्य दश । े ह मान्य म् यारेना द्वाना ने सारा र्वे में विश्वदायमें क्षेत्र हिंगाना रस समान विनान विश्व है। अनाम केर पहल में वायम। देर हैं ने मेर पहर करास्त्रा श्रिच रेपूरे अर चर्च ग्रीमर हे हुँ हु है. से. जासकरमा है वर्ष पर्देर इ.समेर वंश । मैं मार्च कुब. त् त्यं स्वार वियास पर है है र कुरा में हैं र प्रां श्रीर.च चेट क्ष्मणी, स्मिमार्ग्याचनिय, चले.चव्, श्रीतामाश्री. ब्रिंदाया में दामहर्ग में वर्षे में मेर देश मेर देश मेर देश श्री निक कर हो ही का निक होर निक्र में हर । होंद निक्र हिश शि.के.च.उस्माव । ट्र्म.स् व अष्व अम् वश्रुटम. वशः मूलाचर भे तनीर। दर्ने नाश्वर श्रेनश्च श्रेशकः ब्रेच्य वर् द्राहर व नश्च के । य व्रम व क्वा मी न्देर दे से स है। इन्दे न्देर दे स हेर पासर में बिनास्त स्ट्रिन्नी वडासेनावन देश सेसस उत् सर वि देव नेद नशुर वशा दिने क सर वि लेन हैं याञ्चरास्त्री नद्रवृद्धाः रेस्रायासह्द्रान्त्रदान्त्रुकः यदे.रेवट.शहर.वंश.चोशट.क्रिचोश.ग्रे शिट.चोश्ट.। सेंच. व तवस्थे चन्द्रस्य । वद्याद्र वर्ष्यं य सद्भाव स्त ब्रुव-पद्मादम्मरा ।क्रें-रयस-५६-५८-क्रें-रयस-वार-क्रेस ग्रीटा विनासिक्षिक्षानुदीनावस्य सळेना दसारा है। दिया प्रमुद्द्रम् क्रिया के मार्थे स्था । बिस मार्थे स्था । बिस मार्थे स्था ब्रुव होनानी पत्र वित्य सम्बोध पर होर स्टर 921 नीचुनाम । श्रेण मम हिन्द्र हिन्द्र अर हिन्द्र हिन्द्र अर हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र अर हिन्द्र हिन्द्र अर हिन्द्र हिन्द् तम. मुंद्राम. दुर्चा. दर्दा मिनाश समिद है. स नशर व वेश. यक्षे वर्षा मर्भेर भै वर्षे वर्तुर में उन्हें र दस वर्टा श्रेव र्वेद सम्ध्रय र् हिंदारार्या सर वे दिनातात्रे तर हिर्माय के समार प्राचीश्वरम् दिर प्रक्ष मे प्रद्राया हुँ र मन्दर् अम श्रूरके वर्षे वर्षे देश वर्ष का मार्थ के वर्ष के सैट वस श्रेंच रेत्रे जाने हेर नहीं है। श्रेंच रेत्रे छे से न मी.पश्रमातम । यहसामा अनास चलेश र मीर हे स

नेश। अर्द्धर प्रवेश पार्ट श्रुर सामिश हे मे देश है コエ.d. Mr. 見d. da. ME. Gla. 山. u. Lz. 見d. ロイト श्चित्र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के हिन्द्व पर्वे ही राम्य नहास है पर्ना द्रमित्स पद पर्ने प्यत महिमा सुसा दे सास्य साद मितार्ट्य में क्रुंड्रा व्यार्थेर के क्र्यालय हटा नावस यास्य। वर्षे त्या यादे येदाया नाउनास से नासुद्य। कुश्चा श्रीर मार्ड ता. व. प्रमुट्श दश द्र हो। देर प्रमिता च. के बार्स महिना गुर देटा विश्व असे अना चना रे देट हैं। व्यत्। विश्वतः वे त्रे व नेत्रावि के दे त्य वदे वहिंद मशिष्यावस तिष्याम् स्रियः चारान्यः मिर्दे वस स्रेजः स्र स्र मर्त्वेच र्-रे-मैन-८-थ-भ्रे-लुबाद-निर्वान्तिक्तिन्त्रः। ट हैं वैन अक्शस शे ही रेंच ने ने ने ने ने ने ने क्ष्यम् मि.वंस.वंत्रेर.वंस. श्रीव.वांस्य.वं.तर. प्र्स. ग्रांस.श. इ. १ मामना नि हि ये ये पत्री । श्रीय में मार्गर भू जालीटार्या त्यार्ट्स पथा श्री जेश कुट वर्गे जेश सर्मुर हैं। अद्भाश से निट ने अहेश देश। ध्नास

न्त्रं व में दे भीतर चिश्वर.च.हरु. श्रेर.चे चेशूल.दश । ने नम सेंश गी. मुम्बर या मेन नु नाउनास धर मुर भर्षः श्रास्त्रं स्त्नीर.रे.सेव । वास्त्राः श्रीट श्रेभः हु. म्प्रमणी द्वार द्वें द्व द्वें द्व द्वें द्व मिं र देशकामा सनारे हराया नेर वर्षे नेर वर्षे हैं है सं देवे लय दश । मुलामसस महिमाल हैंस लिनास माने स नुद न मेर नु होना है। वे उना हैंद न निश्वाय। हिन्नुयान् में देशहोयादायर दर्गी मील व. प्र. पर्वे वस. ज. रेश. पर्य. क्र्य. ये. पशिट्स । इट केंश व्याक पर वकद पर इपटस में से । विरूट ਭ-- ਖ਼-- ਜ਼ਿ-ਰ-ਰ-ਕ-- ਰ-- ਕਿਸ਼-ਰ-- ਕਿਸ਼-ਜ਼-- ਜ਼ਿ-- ਜ਼-३ पंचर रेटा र्वता पर्य र क्रिंट चो व्रमाश रेटा श्रुट प्रमू क्षे.ियट.बीचुबीस.टेट.1 अटे.च.भ्र.भू.भ हें हैं स रेट्र.चि.चहुर. रट. चेनेश रहेनश शि. चर्सेश हेने र मि मूट रटा हुत. यक्तिया हिम्म नद्भाम । हिम्म दे हे हे । ह्रेन ष्ट्र.श्र.ज.स्चेश.च.च्व.मी.च. वा श्रेव प्रमायन प्रमा

Aller by Acc. No. 2443
Control Institute of Tibetan Higher Studies;
Sarnath Varancsi.

नेह्रब.चेक.४<u>८ वस.श</u>.चश्च्रश.बस। चेक.घरेच.वर्.रेस. ही। तुर् विदश् जानीरे दुन्विक्टा। कुर् विदश् नामा मी.क.चर.वैर.हो। त्वा.च बर.ज.ही.हो.च्रे.मी.स.वेर। ब्रिशः त्र्रे त्र्यात्मव त्रिक रे. चे. कि. वर्षेर वर्षा वर्षा वर् वश्र-नाश सु न्यूर-यश। श्रु २ कर-वेर भ्रे न्यु १ न १ न माने न मे तर्र न करा वद वद र हे मेर हेरे सुदे वर कर सेवा वर सेर । वरे सेर वा रस वें र रे निय वसामाल्यस्य नियान्ता नामियः हेरान्य मार्थेर् य प्रा र्देश शु नि के जन्म कर। देव मी रिये मुक् कराया वर्षुर। झ्ना स खेरा सहेद देव वना चेंद्र नावव। देश सुत्र कर हैंस. म्रायन्यस्य। हराष्ट्रियः क्रियः नेदायः वास्यः द्वादः दसः नुसः यथा भूव व पर् पटा है। इ. भाम्या रमा क्र्या पर्दे. पट मार्ने द रे अय। प्राकेश पुर पेंद्र र व द क्राया मही यस । ते क्रिके के के प्रके महारा में ता में सा बराभटाली मंबर । में ही ने मी. शे वे ही ब रेटला है ही र

र में केर प्रविनाया स्वरं पुराये के प्रदीद र शय स्वरं में कर निर्देश्यान्य कर्त् वी नीश्रास्त्र मुंश हुर ने सिना सर् स्मिट हैर देश। संया क्षेत्र केंग्राय पर्गेर। परत स मानेनास गुन्न हार रेस गेर य द्वी वर वर्षेस नाहे र नुस मिष्रसार खेनाया सर देर न्तर न दे दश हैंसा रेट जुरे हुटे नश कुर सेपा देश हैं। खेर रेशक कुरा ने नर कर् वस । श्रेंच-द्वेंद हें दें का इन्हा वह द वेंद्रा मार्हे र इस्ता पर व स्ट्रिंग में जैनास मार्शिस । वैसास रस्य **소리 원 : 경제·소화소·고화화·사회·화·소립소·홍화·원화·회**리· 다. मलेटसायर स्था मार्थ ही रेदे में टाकर वस । श्चित देत्र्यमीस स रिनेट सहरे यह । यह हे मिल स्. मीर्य पा.चर्विमाश्च.त.परं है .च चटा। इ.क्ट्रा.च.शश.चे. मानिया तर् हो प्रचर । अर रे रे रे रे के ब्रुट्स य दर् हे पत्रा । एस शुर वर्ष र स दूर दुगर ही मु ह नार्थें स य.पर्. हु.पत्रदा र.ष्या.है.बाश.सर.श.ण.परेय.स.  र्भे भारत रूप देशार में अपने वासी है वास प्राप्त है पार है। मींबे,पट्ट. नामर मांबेंट्. मी. मीश्र मीश्र नगीट न. पट्ट. हे. है मीश. रमापर्मा प्रवेदमा कार्यवार वित्तर प्रवेदा है। ख्रिया प्राप्तर मिस स नेस सहर। स नि दे पहना मिक रहे सिट के भ्रे भें यारा भी भाषा अहा र परेना तर होट. र्। श्रीर स्ना पर्य होर प्रीचनशामिश स अर्थेश श्रीर. वस। द्विरावर्व विकेशसान्त्रेम नेर्दे नेरा दे वसावित सुर् झे. किट हुन्य नार्य, च्याप , च्यूंश नश । सुर् मि पानदानी सकेर वंस । है निक्रम मिन्स वर्स ग्रे स शहर के चूर विवास किया किया विवास । रिमाय के स्था से पर्नेत । विसंश रेश ग्रीट क्ष तमीय पर मूर अ क्या अकु. वयश ह क्र वि.च भूषाचाय । इति चगादा माठ्याय । यगाय विश्वसन्दर्भायाय विष्ट्रमानु नासवा दरः वर्देसामा व्राच श्र्मिश्र श में नि पु कर देश। व्रेर तरास गाँद क्रूनिश. ने नम्दासुयाय। वर्धमान्नीदायार्चि ग्रीमुयार्च से के चेंद्र ग्री मिंगार् रामसाक्षात्र के हिराम निराम । राजासिनी राजा

सेर् य। सुनारिस मैना मेर वस। मिर्ने वेर प्रवस्स पहरमान् रमसम्बोद्द देशनाश्चित्र। सूर्य ते मिनवद्यात्मा वस्त हुर्यु नगान दुस्य वे नन् न नक नाज्या हिमस गुः वार्रे वे द्वारायसामर्थे। युवा हेसावार सहराया यम् निर्वेशका हेर् लिय वसार विमर में लिए में मिर् लिया मर्बेट च निश्व हैना नमा । अट र मेया मी शक्री हेर नाम्यार र्यं या मार्च मा है मा माया धार र मा ता मूर्व द्र्यक्रिं खेंबर्नाट्या लट द्राप्तशं के देवांश्रेर सु पहना नाम । अट क्यम्य रहे प्रदाय मिंक या पर्मे र्नी वर्गे रेट रेनी वर्गे सारी वर्गा लट के के किर से क्ष मार्डम हैना मारा । पर्स्था मार्चर देन नगाप हुता। इते. प्रमाय विद्य के भी मुन द्रमाय प्रमा प्रमाय प्रमाय प्रमा प्रिसामेर्स्स् । प्रासामुन हेर्ना वरात्र पान्य मीस सर्व्य विश्व हिं हे समाक्ष प्राप्त दे देश प युक्त पहिला हेस के हैं हैं प्रमुद्ध। मेल हैक में

के मान प्रमा सर्वे सर्वे महेंद्र दे र समाय अह ने विदेश स अट मूंच सूं बार्ड निष्ठ ने अस ग्रीट में निट्य। विर श्री है जर मिया क्षेत्र कर जरशे श्रुट लट भे बेशस । संब्रट ग्रन्तुव सुनम सु रुद गुर ५३२ रहर प्राचित। सादर्स मट. वैंश. तश के रूं म. दे प्र. तश वैंर. भू. मरिव । के पिट. इं ल्यम रंग ह्या । दे त्यम देश उट माद्र प्रम भक्षश्राममः च्रीतिवादमः ग्रीमानान् तक्षमः मेन है । मार्ज्रः केश यह व में। दे या हिंद है र या में र केश या मादना तथ। स्था देवामामायायद्वमानु स्मार्ट हेवामाया दे केंब भेद प्रवाद के द्वाद । दे रूप वेद मु नेर प्रवा हे दे लिय वस दि नगद हमा य हिंद ग्रेस द र छट दु भुर कुचा कुषा पार्टा। पंतरश्र श्रेच कुषा ग्रेक ग्रीक श्राम यन्नासाने द्वरायसमा ग्री स्वाप्तरानु प्रवास। दे त्यागुन ह्येत्वस्य करा भे हेर । देरवस्य ह्याहर ने स हेना हुस है। M.zan.y.d.q.a.n.yn.g.qc.a.ad4.2.wn.ad4. वर्द्भर होत् नुस्या । यम्बास ह्यू हेना हेद।

मरं व र्येश मुशेर मुी पहेंर दिश्व नाट या माडे ना हें ना है। स मर्झेस रखा में दूस दर सेंवा न न सेना म के में नादन। भाक्षात्रामानेवेन महत्यसाहर्दे चेरा हैरला हुर र ने मारा पत्र हो मारा हुर र प्रश्निम प्रशास देश र मारा से सिमार् देटा। वस्त्रम्याराम् सिमार् मापर्म यरा ग्रीटा मशा खर् दु द्वीस है। य सम्याम से हैं से हैं नाशुद्रम्। दे पर्व पेंस सामि पासे दूरिया। आर् र के हेर रहसा यम् विद्वारक्री यक्ष्मिक्षिक्षि प्रमुवार्वे त्मुय यं माह्य माडेर। देर अर्हेर हे दे के दे यं प्रकेर सुर मान्द्रन। दे दस नर्द द र्यस र्सेन द्वेद हो हार निहेटस तर लि. य सिया नशा सुन देत्वे मी लिया वसा मीता ह्य विर्दे दिर में विर किय हैं अंश्रम श मार्थि र विद हैं में श्री मार लेव। शक्षास्यानुसार व्यार हें हिये नार्व नु हिंसा गु विष्ट्र स् वंश्रेर वर्ष में श्रेम व देवस ववर हे से श्रेम सम नेता र के मिल ते व मिन्दिक मी पर कर से अप प्रदर्श श्रम ने दे पाले दे पाले पाले हैं के मिल प्रस हैं से में में में मिल

ड़िन भेना चर तिर सूच चील त्र्म गीट हैं हुश शि.ला. ?. य वि वे मिट य है हे । विना वे नब येनाब य दर । र्ह्नेन र्त्रे मार्मित ये क्र जिन्दा है है स सकुश विशायस। म्रीस मिश्चरश मान्द। देव सेव न्ये नर वस दुर मु मर्कव 회·오학·리·리·회호학·왕호·황도·리·왕도 본·미도·전조 | 월도. कवा य निहासमा नु विवास है। विश्व महिनाश निहास र्के हेर् याता वहमान मिट के मान्या है। वर्र की वर्ष रे वर् क्यामा वर वर्ष में दे हैंव देव देव देव देव वर्ष वर वर्ष हैं 레모스·로드·다음·횟전·다·당전·기 및·다골·다·수·기 및· मी योर शियां शे. ये. तथा मू पू. शियां श. शे. ये. हेर। श्रुव-र्त्य मे लया वश वह मे नार चर हेर्य प ल्ये.तमा में.रेपर तु ह तिर शे.वेर् विशेष्म। वव्य. में वरे। ह्विन न्यंव वर में वन में वर्ष न न सम्ब रेट. त. शु. इ. च. जनाश तथा अ जूर जि. जनाश श्र. च. चर.

कुश.प्रेट.चीबट.चेब.चल । जू.ब.चूर.जेबटल.पीव चलेंब. नेन चंद्र गुं सन्म सु नुद्र नहास्य। वंद्र ग्रं केन्स यद्भार वर्षा स्थानकर यमि हेना ह्या परि निसा है। वह वें अरु. य. वें मि: सर. य. हैं। यहें एश । यामर्कराव सुर्वा रें मात्रव पुः हटाय दवे छस है। सः म् प्रेंट्र चेर कर नाम्रेर ने निष्र। म्राज्य न महिना र्मात्रप्रमु सुः सुन् त्यान्ये : इस्तान्यः म्यान्यः सुः इस । वगायबर मृना येरायाद्ये नुमादे छाउ राये राये मिन्द्रन य देदे न्यायस सु ५ सा अन यायस अर् मा द्ये नुस है। ल्य दे. य चूर स्मेरी र स्मेर श्रीत्य श्री निया दे तथा दे ती. र्बेट वा वर्ष व्याल्यित संग्रे महर्रिया है क्षे.वर्जे ज देवी देवी में विश्व कार्या है। क्षे.वर्जे चीर श्र्रेट मी बूँ माम मके साहै। श्रुमा पार्भे र पर पद्मेर। श्रुमः द्वानी महर्ने मार्थित है। द्वार हुस य दर् ष्में च व वे प्राप्त में न वस वे के मान म वस दार म तुरा दे हैं ' भेव बुध यह। दे में र म छ भे दे प्रसः वेंद्रास द्योदस वरे वेंद्रा र्धन वस । हे खा से दे प्रिचे भट हेन् विदेशमधिरशायश । यह हेन् नु खा से दे मिनार्व विद्वास्त्र सिनार्वेदशासी निनार्वेश निमार्वेश निमार्वेश निमार्वेश निमार्वेश निमार्वेश नि ल ६२.ज.५.भग्रेशस्य नेत्र शिट विशावश । नस्य ना विश्वापार्टा विवासीर वेश कार्य ही स्थावसासीर वासर मन् नशुभ नर्दे पर । हे में द देशस ग्रैस वेंस देश। इर रे के भेर देश पर्दा मञ्जून य महेस दस र सम्बिर मीर र अद् प्या नाश्वस नहेंदर तमः नह्यः नुःश्चीदः मुरुष नुष्धं सु हुर्य है। मैं ज सूर्यः कवार्रिन् गुप्त ने दमार्भ माश्चरमा ने ने दमा प्रवास वर्देदा यर विश्व यथ । स्य द २ द र । द्वारा सना दशर. वश्याप्तम में वित्त हैं से में मैंवार वरें। वह्म में म्निट व मेर् हे दिया वर्ष कर हो सर्व पार्टा नासर सन्मा वस्त उद् रह समुद् दि स वनाय व वनाय ही देंद्र मेद्र स हैना नहीं नहवा नाश्चरस । त्म. ६ २ थ. दु. के. वे. ऋष्ट्रिक, तथा वेश. तथा । दश. चेश. दे. के. मु छ न छ दर्भ दे द अह से द । दे हे द द द हैं है हुंगास- द्रायस: पहरे. मी.श्रेय:घ.त्र्स.र्:चश्रेय:घीय:रज् द्रिंश मुव-पेर पर्वे सर्वर द्रामा दि स्व या गुर दु वर पा यस सक्रिन य ने स मान्ये निमे होंदा वसूय या से वि है। मान्या मेर् पाया संदान स रे लु नदी से र र हों न र्ये हा वा भष्टेलाला बाह्यर मी के विश्व वर्षाभश्चाता लटा दटालटा ने सेल. वस। न्ने ह्यान्तर हिन्त मारमान्न वर्ते दसमाश्चरमा द्या-इहर नुसःश्चराय । हिंदा है जारस देवद वर्ष . न्याया क्यायदी विद्राने सारे यादीयाया। दे वसाञ्चर मिट र ख़ुब र रट रे. श्र्मिश ख्रें द स नडिन र गुँ स निर्दर मी बेट व पर्म में। दे यादने द्वारा हिर रे ताद्यार पत्राव हमाब व्यद्भायस सन्देशिका पर दे दे ही महिंद है म दे निर्धर मुन्द्र स्मानित स्मानित होता है नार माइद्रायर प्रमू वर दुरुष थ भीदरी द देना भीदर देनास वहर्मक्ष्मन दुःवर्षे व कर्म व कर निर्मानक।

दे हिंदायाष्ट्रकारार हैंदा हेर हैर हैसा सक्रम पर निवा मी दमो द्वार ता लेंद्र दहा। मेंद्र हो मोर्ड द न न न न य: ५८। रे. वचीय बुट श्रुच वचियात प्रचर्च चरेच हेर. मर्दा केर्रे र प्राच्या देश देना चिराय मा हेर हो। पर माकेश खु म बेद च दर्ग र देश हैं म केंद्र द दर चे देर रट.चक्रिश.चास्र्र । दे.वस.स्ट्रंट.चाशुस्र श्रीर.त.चाशुस्र. में भे शेमक उर निसंद ने वेंद्र नम । क्रिमक प्रमार्थित क्षेत्राचेरार्रो। देशर्राद्रामाञ्चरावशःश्चेशशापाद्रा कुं सेंश बेदादशायवदायसारता मेरामुरावसारता साम्य लर्चिनेश्चरास । वसाम्रोधनः लर्चे द्वेलः वसुरः च ल । देना यहित व दे हित्य वर याया यस या विताय भेवा राया ही । वैप्तान्यत्वर्त्वराज्ञेनाकियाचेराया। देखायेव स्र् दशःस्थाः स्वास्त्र चेरावस । दे रचा में प्राप्त स्थाः म्रीट निले रे रन हैं जिस्तान कर निष्य से निष्य प जुलनी चर, चडेश. रेश.४ ह्याचे. श्रीट.रे. मी रेवैचीश चल देना वहें व में दूर दुन व र व देन हैं व देन महोर दुन हुन होत है। इस'या वा मानक विना वर्के वा श्रुद्द का में ही म्बिन्द्र-द्वर-प्यर-पड्ट-ग्रुट-द्वर-भ्रे हु-द्वर-। वेर-द्वर रयामी क्षाम्याय या द्विमास हे देवा सेव दे सेट है। देवी द्वादेशःश्चितःद्वे यश्चिशःयःदः। दे उन्दिनोश्चिरः वः यमुद्, पर्वेगंश. स. मंद्र्म.लब्म.चिंट. कुर्मा.चे. दंग्रंश.चंश। भन्ति या थानि लु नदी निर्देश्यानु दे 'बेर क्या महिर मः नुकः यः नुः रेनिनीकः पहिरादक। मर्के दे रिनुगुवादः देव हेन क्रेंद पदे दे मर प्रविन मी देव मर नहींन यम मिट हैना य देवे द्वे रे रे रे रे रे मीट वि है है ही मीट खर इट-वरुश-दा-भार्चे-वुस-दे-विह्स-द। र्कि-५६-दु रे-नु न भेर् । वह द में दे मुनास दस मी दरे दे भा नुदे मिश्चरम । दे-वस लूस येवु-जू-ल । यद्द सू सू यश्च-मुशुक्ष विद् पर्दा मिक्ष शु रे व्यक्ष स विद मेदा द वा इटकानि इवासे के अध्यानिया का प्रमासियाना य स्वान्त्रमान्त्रमा नियानान्त्रम् अर्थानाना

वद्रक्तां भ्रम वर्दे ही सम्भान भी नगर संबाहिना. बर्ड । मिलार्स् हिन्गी है है है से व नहना कर ने दर खेसका क्रिम् दे स्रेवं द्वेंद वा वर्षे नुस्य द्वा दे द रे साम्बे पर्ने हु में सैंपासस नुविधीश नर्चित्रा तालवी हुव लेवस. ग्री परनाम न प्रमे । विभाग रे दे हे हे । यो है न न मीर् विम्र वह मश्रम वहस स्व वदश दर्श मु नेद मीश वर्ष्यवश्चार्यार्थेत्। ते श्चित्र द्वेदस्यायावश्चिसः वेर। दे ना त ल्रें में रे रेट हैं हैं वस । य रेसर में तुस मरेवस वरे सन् विद्वार वाक्षा वह नेता प्राप्त ने वस है है पुरु पर्य। अनुमारा प्रदेश समा पुररे । बट यर ह्यूर विमाया विह्नेत वहा हुर हुर यहा उटा मेर वर् श्वी. राषा. यु. मी. री. भा. तीमा. १ भा. मी हुना परे ना हे. राषा मा यस हु हु भे रट विट बुदे हु स. से दे त बाद ब. बार्ट्र वता. हमायाञ्चर ना क्वापि देता हरा है अप निव ना निर्मा विट द व वतुर व द्रास व न व न मार्थेश हुन द्रास दे

नि हैं निर्यापर्टिश यह निर्मा निर्मा | दे निर्मा प्रद.रे. हुर. त.रेटा अ.जर्माकुचा चालुशा हि.ज. प्रविनास्मान्द्रात्वद्वस्य द्रश्चेसःह। स्वाह्नेद्रान्नाक्षेरःगाः मक्षा सुमानवन्ते। नववन्ते दे माराचन्त्रसुर व.के.कट्र.सकुरावसायह्यासातारसायास्य वसा परेता. त.ल. मार्डर मी मीस प्रवा लय पर्वर वर्ष वर्ष दश प्रवा मी र् तम वस वस वे वे वे वे वे विषय सामित है। म्याय इं ट्रस्,ग्रे.चोजाजानिः क्या श्रममः देवतः वधः यिष्टुः हीरः त्। योजायान्यसम्य। सेवासाहाक्रशत् स्रियारसा माञ्चम्स । सर्वे हुट ये । नुम्ब न न्यया हि ये प्तिश्व नश्चिम देश तर मेलान दर देव चिर हुं भ दे गीद र्ने.पंजर.म् स्मार्थर्ट् है। यहम्रन्यम श्रीयायादम रोय। नने हो द के द ये 'ये क मुन्दे स से द यर मून्या ! वि वे में नार्थे व दमर वे दर्ग नार्वे विवर वह नार्यम । नीशर. य. पर्टेश. य.ज. पर्मेज. य.वर्गे.ह. वर्गेर. लूरे य. मन। श्रुच द्वार सदम मिन के जेस विवस मे सि है पड़े. रक्षा व्याम्म ने क्ष्य श्रीत् अपन्त व्या अर्थ ने स्थित स्था ने क्ष्य स्

स्थानमुद्दं निक्षित्रहेत् हेत् से दिन्त्रम् निक्षित्।

स्थानमुद्दं निक्षित्रहेत् हेत् से दिन्त्रम् निक्षित्।

स्थानमुद्दं निक्षित्रम् स्थानम् स्थानम्यम्यम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स

वित् क्वर संस्थान्यव निवास में वे निवास गिट लेखा अक है कु दना में दे क्षर। रेंद मेंन मह प्र भविष । ग्रीस्तर के क्यां मान के कि रेट न में । बर नी क्री. इस. त्रम. क्रीस पड़े. श्रीट मिंदु दे पड़े दे के हिस ही है सा चर्ट्राम चीमात् कुरात् चुं। श्रूराचिमान कुराचनाया अर्केर हेब नमुर पा छ दब मस न्यूस मादे मुंद देश। मि यर सम्भाग मर् हा मैंब कुबे सु व मैंटे इश । का मर हैंडे. पक्षत्र.साटस.सीस.रट.। वीजुब.हु.सोजुर.ग्री.झे.कूपास. र्टा यश्रम तश्रम् निष्म तर् कुर्म हिंदा न स्मन्न कु. वयमा क्रिं हिंद य कुम हो कि द कर म मान्ता है वश्र खेट विट. ची. चीट. वश्र श. वट. थ. वट. चार्श्र ता. विश । इंदर वर्षे मैं रश्राचार वहवा भावत् में देगार सूत्र सनाम । नार्वे ने सम्म नुम्म द्रम पर ह्राट महंद गुन दु लियानले दि व प्रिम दे रे रे या द्विस माहिस 5 द दिया मुम्मस रेतर ३. यद शंस. प्रमेर। वट. मी. झै. कूर्यास. 5८.कित. श्रमश. टेवर रहे. हैं. मिल. अक्रेंबेल. श्र्मेश. त.

ब्रेंड वर्ष देश क्षेत्रेश यह निर्देश हैं वे श्रे मर्भे य मले। सुना करें हे मले हे। इ उने स क्रें अस नवि नव्ह वि मिहेस । मुद्द रेस मदे हे स यक्ष या क्रिंश क्षेंद्र य मैं वार्त अस्त है है व्यंत कर। ब्रेंग मु दक्षेत्रका अ देना मी देका उद्गु थेंग ब्रेंग पति द होट में विट मिश्रस सर्द्र रमार य उद में सदस मुस र्वाव वर्षे द्वाया वर्षे अट क्व के के क र प्राय द्वाद नुकाल स्वास यदा मुदारे रायली देवे स्टूम सुदा गर्वेद ह्रेर'वन'द'रें हे नेंश ह्रेंद उर नते वामारा प्रमाद पहरमार्थराया मेया में देना उदार मार्थमार। देवस अपूर्भावर वार्डनार है। 🏇 बद्दुनामद सेना द्वास नुर्केर, व. कुर्वास. हो। ही होतास. रूल. रिट. प्रीष्ट यह रहूर. मीशिक क्या नहीं निर्देश हैं निर्मा व निर्देश ब अके दुनाश्चम व नाइद्रा वुन देश मेर् केंस ग्री बदः ब्रह्म माश्चर वर्तु द्वे वेष् देव वी वी देवे श्चिमा वस इसस ग्रे नगर है। धर र र यम द हु में

र्वेषा या सके दार्वा सुमाया पाइद । उदारे सामे दा के दा पाइदा में) पट संहेंद्र पश्चिम। प्रसेर द्वाय अदस होर से य संग्रह मस्पार है। म्विह है अन्दि ये हैं कर सकेद मह्म वानान्त्रा मुन्द्रसम्बद्धिक्रम्द्रवाय मुखा नम्सुः स् मूट्रा, पा पश्चेता पा प्रकार में ते हिर हुशामा चर्शकाचानानुन्द्र हुन्द्राचा श्रदशानुन हु-वर्वेट-वर् मुझ.रो अ.स्ट्रि.च.मी.श्रेश.ग्रेश.कुचेश.ल्.च.ज. यगोंद् दश स्पेंद् देश दे देश देश देश से संदेश से संदर्भ देश देवता क्षेत्र वर ब्रह्म सहर दे हिंद के वर्ष पर्दे रहीया विविद्य विद्यार्थे अद्य भव गु देश वर्षे या है है श्रमः रवतः वः स्वीशःवः द्वासः वर्षेदः हः इससः वयः ब्रेर.वक्ष.च। बट.रे.सर् हैना.त् वर्मेर.वट.मैंर.इस.टेट। ब्रें मु पत्र में प्रें पर्ये पर्येश माने र पर्ये स. पर्ये स. यदेशयाचीसंस्। देशमानित्य यावयनासायाङ्गरायन्त्र ग्री नगर। रूस श्रेंट ग्रुवे नुवारी छा का ना

वानाइन्द्री नुवादुः है विद्युत्वास्त्राच्यात्वादा सैनायाणे व्यानी सर्देर दह्या वर्भेर या हेट र सेह नलना दशा क्रमःश्चिदःश्चीदन्तुःसः त्यानान्तः देश के देश के नास्त्रमः केर रहा सक्त समेर य दहा क्षेत्र य सेर पर केर्स प्रश्न पर नद्भा क्षेत्र प्रमानक्ष्याने अद्यामा कार्या विद्या वद र्नातः सदस्य । देवे हेट र्नाया मान्ये हेट र्नायो नेते हेट र नार्टा देवे हेट र ख्या नेवे हेट र खटायेना रेदे हेट रु संस्था र्युम। मियन गाउ सीम वर्भेर। वर्भेर ल.चीश्रिश्च.कपु.सूचा.रे। टेर्चा सिट.सु.श्चन.ल.वेट.लटश. य.ची.अष्ट्र.के.च.च । च.चाना भ्रात्मा नह ने च्या ब्रूट स् में पहना पर में मोन ने क्रिंट मी में परे र परे हैं र विस् वर्षक्ष । दे वर्षे प्रमान्त्र । हिट'र्-प्रहेन्यायदे मु अस सट हे या मुखा पर से यमा होट विद तार नुसा वहस पद मार्ट न नुस हे से प्नीय वर् अंगिश्व पात्र मार्च न न मार्थ भारता हिना

चलु-श्रीट-संब-तकः नाकृष्य के श्री-देट-तक्षान्तः तलेटकाः ने ।

कुर म् नम् नम् । यह्य प्रान्द्र नक्ष्यं स्वाप्त स्वाप्त

पश्चिमानाम् निर्मानित । स्मिन्यितम् निर्मानिक । प्रमानिक निर्मानिक निरम्भिक निर्मानिक निर्मानिक निरम्भिक निर्मानिक निर्मानिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरमिक निरम्भिक निरमिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरम्भिक निरमि

मुद्रिश्च सर्हि अस देन निर्माद व। प्रसेद संस्टर इ. चोडेश प्राप्त श. म. य. य. य. थ. म. । कूरा श्रीट य. इट ख़ूट्र.रे.स.र प्रिट्र.पुट्र.य.चीय.पंडील.रेट.पश्स.च। मी. नार में ब्रीट व हें चें नुद हुन है व से सुर सार सार महिं प्राप्त है। मुद्द देश सर्वोद व के द्यम दु से द पद्दा पद्दा पद्यान क्षेत्र.तर.देची.त.। भटेब.ब.ज्. तथ में वर्भेर.वर्षे प्राट. त. निहमात्य। से संस्टायमात्य। द्वारासीय प्राप्तिन र र्वेड । बुव में ब्रीट ब्रुम व नाश्चम या। द्वी रे ड ब्रेट माशट प्रतु . तीम प्रतु देश पर हिट शहर मट्री पर . हेट हिंद. पते मुंद देश केंद्र हुँद मार्वेद हुँव हाट में समें उदा वैस य ब्रीट ब त्यम् च उसस च मेर्ड विहर चर्ना हैं चर्नेट माने के माने द मार्शेका मुंद्र देश से स से देशे न हुद यस। भूग विव मने नहेंद मासर वर्गीय मार्गा है ल् चर्षे. त.रेश. सुर . देवे .च.चेश चरा चिश्वस. चर्च. चर्लेय. च. लर त्येव प द्रेश | इं दम कुं के हैं हैं द नेश तथ

र्वेद व् नेर वनमार्टा विद् क्ष्य हुट व निष्य के हि क्रुनेश टर्गेट्। क्रुम श्रुट अधिय दर्गे स.ची श्रीट चीश म्रि. १४१। नश्रम् नीट व देश यर श्रेट सहर अत मु विचाय दय नाइव से नु व उव र नाय है। व मेर इव व्य के द विवाद दुन दूर वर्ष या कुद रे स मार्थे दे दूर य हे पर्व ही अनास। देश ही य मार्थ य देश मार्थ अमें में उद । जुद में ब्लिट मूं चले नाशुरा प्रका देव केव है क्यान श्रीट व ने में व में अप के ने में कि हैं। में रहन न्तर स्रानु अस मार्डेश न वन्ता देव मन नर्भन त्ते अरे । कुर श्रेट व मिल त् रेवे ल पर र वया श्रेमश पश्चित् प्रमास्त्र स्तान के से हिते स्वादा के से सकेन रव अ खेन व रे है। रे हे खर थ। वर्ष के पिया व माश्रम। यर कर चश्रुट च माश्रम मार्च में सहस मीला भाक्षा यर अप ही ब वस समित या हे व या या नि क्षेत्र श्रमश्चर्वत ह्येत व इस श्रेत मुक्त हुन हुन प्राप्त मुक्त है स पढ़ पद पुट हुव सेमस द्वन हैं है है है है के वे भ सेन्स

य से अश पश्चित् व । दे वे पर पर व से स्वाहा पडिये सरमामुशादे या नुव मुक्षायम् पर्या ता ले माहेश। मुद्रा सा सर् रिलिंद सकेवा होता । दिस्स स ता दसनास र दना हु 5. नेश.रवाष्ट्री. यार्जा हैरावार्ज्या केरा हिंदा मानवः वर्गों मः सेट नो वे वर्गोंस उदा नगेंद महित देशे न्द्रभीट व न्या विच च महि निहर्द्या। अव दर रूझ भहता नद् मर् ह किर् इस । मिंदिन क्षसा के नशस. लश्च तुर्मा पदी क्षेर स्वास्त्र वर्ष वर्ष वर्ष लेत् गुर्स हैस ल्य.ची.सिश्च.चूट.झूंश.चीटा देव वश्चट.श्व.सिश घट.ची. मुभार्च। धुनै र्रुष श्चिर द्वे वर व मान्। अपू मेरि स.माटान चडाः त्रुं पिट त व न्यूंगी विन न मार् विमूर है। मिर रूस पश्चेत पानवट वृत्र सर् सटस मिस हिट स परिश्व कुर् श्रेट वट के चट व व हा। लग्ने त्वा भ नेव्र हैव. बूर व तंत्रात् ह प्राप्त व । ह्रेर श्र्रिट कुर रेश संवेश क्रिंश क्रिट व नमानु नावेर क्रिन वेर चु पत्र ते ता नात्र। दे माकेश के मार्ट हैं न न पर मुनाम गुःमीट र्ट वहश्याम

द्वास्त्रराय । हे देख सवेदागा में हु । नुदादेख द्वार त्रं नेवा विकार्श रक्षर त्रं वर्ष द्रार्थ वर्षा है। लय पः नाके र मार्के र प्रदेश । घर रागर या लय खेदे मु सर्के भारते पुरुषा अद्याप अद्यासी देवस स्टास् मे इ म्नीप्ता मेरामक स्रोत प्रवृद्धि है स रे व ना अमालय रटा च स् सीमट द्वामट द्वामट वना क्स सुट नार्टे. श्चिर त्यना व द युवा मा उर्वाय य। दवा येद विश्व ग्री मिट यः वासिकारा वह मीका नगर या दिना से बना लेंह वा रचा है। यैट प से प से वस ग्रेट र में किया र र्मा श्चेंद्र-मार्द्र श्चेंद्र त्मना द सुमः च प्रनासः च । स्रा हराः यी म्रीट र श्राच सेट स्ट्राज म्रीय में ये से यह लाय ना वमें द है ले न नगर में निर्म ने निर्म ने निर्म में मुर्देश ३.८८.सेंज त ८८ थे.सूचेल स्वेश त द्वा । क्रा सूट. स. चर्ना मा३व रमी रदा कथा ही रेंद्र । वटा ही से ही विवास श्रमणाट वहा वर ही में वैन व नहेन महे। दे क्षां सकेंद्र हेव दगार वें जिस्तव केव वें वे सकेंद्र हेव अव ह्म गु.सिबाक रं-वख्रेय वाचे बाक नार् बार्ट वार्ट वार्ट वार्व वार्वेय त. निर्ने ति एक में में में हैं हैं से पक निर्मे निक है। के से हैं ए प मार्वेर् क्षेत्र स्मर्य मार्नेर मारामार्ग् । सर्वेर् हेर् रेशर तु. कुस. मी. ठीट्र जू. वेट. क्व. शंत्रश. रेवडू. विचास. तर्रक्ष.तमेष.च। श्रेषमामे क्रक्ष.च प्रचान हुन. श्चीद य मात्रव क्षेत्र द्वार व्यामात्र । मळेर् हे व द्वार व रहा सदस मुंश गु. अनाश सकूर हे र मीश मीर ना। हर ताम. नेवार प्री. मुट्रा नंबेटम । कुरा शुट्र मान्त्रेट हीय सेवाय. गुःमकु उदायामात्। मक्रेन् हेव र्थेद र्य द्याया झायस यवस यादे प्रविद मिलेनास प्रते सिनास । झाम्य मिले सं वढः दुवा मीस वक्षुद य सके सस देर् विद से विद लिया में स यबेटमा क्रमें मुद्द मुंद हुं के अदे मद्द य मार्रा देवे के वडे में वर्र कर मम में र में इसमा अया चर्र मने सहन वर्ष्यात म. सूर्वास. चट्ट. तक्ष्ट्र. व. सट. टे. वेश. वंश । दे ख़ेंच द्वेंद भ वुष्य व वुष्य व विषय व वे ब्रीट दे अर्दे दे दे

वेर् प्रवर पं हिन दश सद्दा सकेर् हेद केद ये वह वर् द्रवर व द्र हा अर्के द देव द्राप्त व मान्य मानाम प्रभ लस्तर्व भी दस। भीर सिष्टी देव मिर मद के मीस है स यश्यसः देश कुर्याश तानाश ता दिहा। वह हिंह सा शकुश. वस श्रेंच न्येंव म लुम सम । मना इ दे कुल से दे निय गैं क्षेत्रपुत्व। इर पुर्वर पुरवर वर व कुम वें मिलियां अव हीं वेद निम्य माने विदेश मिलियां वर्ष हि पर्युक्त थ. में हिंदे ही मिया चित्रेन, चित्रमा पर चीना स नशिट च रेट । कि म राज्य रे शिव रेट्य पर हिर । यर ग्रे. दे द्वा क्यांश स्था भवेव च चाडुन, ग्रेट भ जिल. यर कर वा नर्थेश है। नर्गेश ग्री यम रेर दूश नहन श्चित द्वार मीश श मुंश पर सहदर्श घट विव में दे पदे रेशमी दिर श. वंश । रेवाज. श्रुरेवाज वट. टे. चेटशाल वरेव. तथ। १ व में च सेवा वक्ष वह में हैं । में बर में प्रम र् हेल्य न न्दा अल देवे ज्ञान वे ने दश सवत निव के मित त्र देव दे तत्र पर पर पर दिए विकट में क्रिया रहा।

विद्युत्ते हें न्या द्या व्याप्त विद्युत्ते हें प्राप्त के प्याप्त विग्न हेर वस । ये बद्दानी आमदाय वह व दे दि हिंस. न्द्रण्यान्त्रा देवे देवा व प्यर प्रतिर द्रा व द्रश्र च प्रह्रिय वसा द्वे मियानियस पर्ने पर्व में मिन ग्रे विकार्यन रु.वर्ड्यायमानिर ग्रेंच्याक्षेत् नेत् दे। वस्तर्दान्त्रीयः M. לא. 2. לבש. מב בא. שבע בעות בעם יב מים. प्रवास । दे वंश हिन्दे वाह्म र वर्षा श स स वाहर दशम उटसाच नट । सामा न वार्ष मी देर प्रस्थ कर हो २४.सी इ. र. राष्ट्रीता दश शु. वशश वर चे चीर नेर हैं चीश शि. मुंस देश। चिलित श्रिट मर्चार पर रेटार हे हे चरित. ने निर केन के चेरान अष्ट्रेर त नेस वस अष्ट्रे नविश हीय र्टारानद्र क्रेर अष्ट्रर हेर्सात के वद् वट व अष्ट्रेर कर् मिर् मिर मिर दुवे सम् स् विदेश सम्मान सिट वर हिंस हर्गा के ने ही वर दी ने हुने ने ने व ब है। दाय हिंब की में मोदानदें के कुल लेंद्र। हैं ५ वर्षेते नद देश व दे त्येव केव व वे द्यीय मी तुन व वा

इ. भट्ट. संबंधाः ताता विभावा ने बाहा है । वर्षा वर्षा व भावा है । क्र वे महर द्युर दे दश बर य मिल्य पश है है दर श्चेर्भराम्याञ्चलाया हिर्दे नरार् संवेदार् ने चमानास-प्रसाह कर वस सक्रिय करी विमिर से होंदे स स्विर बेराव विश्वाचेरा दे हे अर बेर य दे पुर ठ्र प्र महेब-धर विदः बसार दूवे विस्तान बसा हे महेब मानेवास 다 전체 최고 다양 보다 첫대권 길리 최소 간다 소청. 유. क्टन्नम् क्या के प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । प्र कर प्रिंट थी। दे वस दिन मुंब वस दिन महिते प्रमूस तृ वेद् की से निले निर्मेश दश । वरे दुव कर नेद की स यक्द. लुच. यस. वर्दर. ह्. इट.वम्रीस.चे.च. कुस.चग्रेत. कुत्राक्षे निव र्वेकाने विद नु कुन्य गु गा न नाइना ने। हुका यु पद रसना ने दे नावे ना सर। स ने नास पर मेश पतु पदे पदे पेर रें। रेदे सा सुना के पहना मामर मी से पढ़ी रा सिवास प वर्त र म मी रहे. हुनास मे यदे मूरि हिर हे द ये नहिन गुद से दें। इन्सन येंद

ने ज्ञाना नेत ने विद्यानमा नरके में लामे माना में निर्मार त् दे . तीय व बट. व स. व र्रेट. त. भूव. वेस । सर. खट. बुर । श्चित्रचेत्रायः देशायस। मुत्रार त्राक्ष्याय वेतसायते क्रेन न्यत्व विश्व श्रुम य पुराय भेव । द्रमन द्रम वृद्ध वर् जन सुरं चिश्वतमा चेत्रातम सु चेश्व ग्रेट संतियः ५-मुक्रेना गुरास करायर करायर। वर्ष में हिं होर के वर्ष र में न वर मीनामास्ता दे वसाक्र्या नामूर दे हुन. वस । रेट होया में केंद्र रर्दे वे अस हेना खुनास प्रसा यह वर र। रूट श्रेम वयेष व क्षेम व क्षेम व द्वा अर्के र हे व मी अर हेना य न न न मा अस मी न अप में लय में विवास रिम बार्ड स. मिट र्रू र चिवास रास. क्षेत्रा तर. चुर्य क्ष कुर्रा देव सून सूट निम से हु मीन व नान त्स प्रं ने ने ने निया कर से में मेर पर्मा से मेर पर्मा से मेर मेर कर नमाने हिंद में इसमा प्रात्वाका दरा में दर्भा मुंदर विश्व-दा-दित्। वका-त्रुश-गुटि-श्रद्ध-श्र-श्र-श्र-वर्श्व-कः

**धैन वर्षा** र्बेन वैदः तुभः इन्देवे नाईद। देवे क्षुन-५ नार्थेय नम । हेदे चे १ न न नम देश र्थेन निद्वाद्वन्म येनास स सर्वेद्रा दे अदः क्षेत्र नास्यः नस । गुन्नसम्बर्भ ने दर्व द्वारस सम्बर्ध के न दर श्रीकित विद्याद के बट दे निवट है के समा विश्व जन दाशिकात्म अक्षा विकाय व व द परी दप्त है. समान में निर्वेश स्नि निर निर्वाम है। विर ग्री मर्केर हैं नियं है निया या या वर योग्यार या। सकेंद्र हें निष् वहम वद् माट के हैं। वद व श स्वादित वर्षेट व वित्र य दे ग्योद वित्र द्वा व वित्र के वित्र व य यमिश महैस नहां नहां र मी भारा महिना निहा महिन सर् उ द से निव में से हार। अ यह नि के के दश नासेर विच पारेषा नादव । अँच दर्वेद द रे दे अद र्बेर म दे मिन में हिन में नहीं की निया है में मिन में हैन च नबुद्र मीवनास न माश्विद्ध दश । विभाराष्ट्र पिर दिया न्त वस वस नवन मीं दे क्या मन्ति । मार नवि वर सुर

- व.चे.मी. श व. नोड्र. प्रोप्ट. नोश्चम । अट्र. व. सर्ग्य ट्रा नोडेश. मुक्रम। देवे में इ पर नुष्य । में वे में व पे व प्राप्त प्राप्त म र्टायक्स। हेट्युक्सणी वृद्दिर ले नहेर प्रशाप स्रात्राचारा नार्माशानीयासक्तराद्वारा वन्त्रभाषा है। क्रम.श्रेट.च.मेज.त् चढ़ि.ज.च१५। झेनाम.इस. बर शरम हे . हे वंसूश जामधूर देव वसी १ वसेट में खिल. 2. Loz daz daz z.z.zcaca. Da. . J. zc gu.z. परिवास तथा। कुस सुट म मिन चू सूट हैं तर् प्रचिर ज. नाइर । नशस अस हुवै केंद्रा हुन दयता सर्वेद दवा व तानार्ता है है दे दिया वन देशर वसस करा है। निश नीय न त्रिक्ष के प्राप्त हिंद्र असूर न नि वि व व प्राप्त नग्रिय भेग्राम् च हेर्ने युर द्रम वयदश अद्भ की मर्केर मान्स । अंश वर्ष ल्क्ष्ट्य हुंग वस । ल्रास हुदे ल्या वहुंद्य चामन्यासा। हिं में व मद रिमलेश यात्रमा अद्रममा प्रवाद है के न्द्रव १८.। जापर कुन नजत अकू मिल में हेरा मी व ग.

महर्पम सुनार्स भेर्। वर्षे वनव हि मुन मार में वर्ष र नव नु वृद्य वदे मर्दर । वृद्य हुन हुन म्रास्त्र वदे स्वारम। द्वीमुम ग्रीमार्द्धना यना निया यना र श्रूट य सहर प्रस्तावर च सहर प। मार्च दिन्द दिन्द शह्रे मा शिवास हेर्. रे. चरेच. वस शिव ट्रंट्स चरा । चेड्रेस. कवाया विरं। विविर तुन ये नामसाव रेनासानासुमः सर्चार हा नाल्य-य-शत्स निम स्थ हो है देह। सहस मुख गुद नु च बट यो से मार्थ सर्वेद ये चलुनास सु नासेत्या श्रम भ्र. भटव वस व भ्रट मी वर्षे लिय वर्षे हर। द्विस मार्श भ ल्या सक्त प्रमा क्षितीम भर भहरी। द्विया पार्स स्वया वि केदे हिंसा क्षेत्र बदश ग्री हेंगा बन्निया। र्ज भूर प्रतिय नवट. सोधूना नहु, बुट्ट पेकूट नेतु ह ज. वश्चित्र व दे के विश्वाद केंद्र वर्गिका। क्रिंट वर रे बे चे के सर मार। अ मेरे नवे खूंब नर वर्ष वर्ग ने ।। हें से हैं हैंद पत्रव से हेंना हेंब य। अस सद पस प्रमस्य निश्चमः वाद्य निर्मे निश्चने त्रम् निर्मे प्रमाणि

द्वार्रे य द्वे निरंश दश्च प्रेलिस्स शु निर्ध्य वे लूट वडव मित. भू नव्देश मितात् उ तिम. ष्ट्रं पत्र संतर श्रेंच. रत्र्र. मुक्त शिट पर्देश तक्षी विच रे पर्वेश विश्व वर्ष पर्श पर्देश वर्षात. केश विना नु मानुदर प्रसारन रूप मार्थेर मिट हैं है निविद्या गु.र्गुजर्वाद्रः वर्षेद्रश्राम्बा है.वर्ज्ञ व या अस हैं. परि. चिश्रिष: रेट्छं. तथा। यत्रे हैं यदि. चिश्रिष: वेश्रे है। हैटाविट सेविस स है विशय से द । वट व गाय से द य मि. मूर-मी. मू. र हरू मी. रेट. वश्ये भू द्र पंचनाम होना ना श्रामानु रामादायस प्रसामा मासुर मार्टि सारामास्रर मु द मुगम पद दर्द देर्य। ग्राम के दर्भ में निर्मुद गुरा निर्देशन विदेशन अहार में में कुर के हैर वह बट चड़ लेर् च। के बश्च कर वह वा बंद सेट मोदी मि बंद प्रवर्भ पर् ड क्ष्म भी कुन नु वेंद्र य। क्षे प्रेन परेंद्र व्यस्तान्येर मी नेत हर्मा नित्र ने में भने 

ब्रह्दान्य प्रमुखानुदर् नुर्दे व । अदे वसाहिता में ह्म ट वस न ५ दे दे दे दे से हा व विस में से प मळर य पाठेन पलेटम हा नार्येय। दे दम ह्येन द्येद त्य मान प्रस्ति में बुदेश प्रस्ति से में मुन्म सुका दस वुस पर्शा वेर प्रवास अवव रेश वस्त उर प्रायवत र्वा विय वस्त मार्भ अर् स्वीर में सामित है साथद में बदा किया है वर्ष में उ म्रीट व मळस्य परम वस सुन च न म न न न म है। प्रदास पढ़े पढ़े व पड़े कर । यह व र्च है अदन निया गुरायहुक ने सना दुसर ही वे वे केना के विद्या श्चित नर्थि गा द्वारी के दामर नालेंद्र से नेना मीस नगर दस में परा महर देव राष्ट्र वे में द में दे में पा पर व वे स लहम न्याय है है लाग मांश्रम सुना नुना य सेन व है के ये के दे में देंना वेना पानिना महिना क्षेत्र देंचे मुक्त देंद है वहन मुक्त रव हुव व्यायर मी झ ईश छेर खेर उरकारी महर्र हेब नगर से या नम्भर य निस हे लया पर खेनाम हा नाडेह दश दिन अदे त्रेम व वेन व विन्तर य का

देना नार्ट्र । है इसस दुस नारेना दुन द नानेनास है। हर में नाय प्रेश नित्। हिं ने नारेश में मित प्रा भे वेश में में त्वर वश्य केंग व र्से र रवें भी स दे कव वसर गर्नेर सहर पस से ने वदे नुया गर्सर स दर्म। नर र देश में रेवा र जिंद नारे र से मार्केट स नाट स्था लया वस्य उर वर्षसन्य रट वर्ष मुस्य मुस्य नगर । हे सुर से य. देशका जर्टा त्यूजा तथा। श्रेजा च मेरेस नाकेस नाशिया मश्चम ह्या अपाय कर यह साम मामकेश देवे हेम. त्रगुक् वृद्ध के वृद्ध रे ने ने इत्तर त्या विकास व क्ट. हे. य हे. यबू. वेट. वे. च वेट. व . व. वेवास. वस. ववट... दश सिंग नश्रेर। डेम.भूरेट तु पुरिम.सिनोम.पेमूर शर्द. मुस्येव दे हुन वस लूरे हु। अर वर तर लह श्रुच देवूर. में इ.मीट क्यामान मर्बेट में हेना नीस नगट क्या हैंकर । वद्व ग्रंब द्वा श्रेंट रेवाश हिंदे रिव की कि कर है ना है। श्रेंव द्वंद मेश देट हे दहेद मेश द्वा है पर महिनी है हैर हैद

इटसं है। विकिर सदी मेंहा भारतभारत द्वा नी हेना सामा में देना पर्वेर प्रमाह दमम नुष्य निष्य वा वा कर न निष्य है रूर मी नाम नले व द निर्दे । यह व रहे स नासे र ही नालेंद य नाट लेक दे से वि है । वि है कि वि है । से हिंद में न मक्तामर हर पहिन् न मक्ता देश हिशाम सुर में के बट रे हैंद। क्रिन च क्स ह मेंद चर्द व लेंद रेस हेंद हैंद वैटा। यायाचा दे मिना चहा होटा दार मोदा ही प्रवेत। पाता श्रे में श्रेस में हमा में स वयद व युर य या समास य हर स्रायर वर वस त्याम दमस र्यार सर से में में व रे. मुक्त की। लट श्रेव नर्द्य में उ मीट क्य मानर नार्वेट के देन मेश नगर न नहूंश दश नुदे प दे पढ़ देख दने हीं वहमायदे हैं है देव कुंद उद महिना नु नाडेनार । श्लेंच र्व्यमीश रवि. हे. भट हेना नी झे इसस पर हीना व है। पर हेट दे वह र के श हुन दूर वस द्वा हे वे घट वस से हेने त्रें है देश ने स नार्व में वट ने नाने हे हेर मी नाय प्रवेद ५ विमिन्। वर् कर्यस्य विस्ति में निर्मालित वा निर्माणेन ५ सुत्य ।

लम हैं हे ते में दे दूस के हे द में व मामक्ता दूसर हूर. प्रविश्तु प्रतिया हेसाय वृद्द में के बदार हेदा पहर निर्म व श्राम्य में निर्मास पढ़ नाश्चर वेर माय नाइन वस र्य क्षेत्र यह व्यायम् मुना दश हे दे ही दे हो सामर वेर। दे रे रे अद के रेश करीन में भेट नहर व कट वें भेट मर व.तर प्रमें व. त. पुर. दे. ज. में अ. भारव तथा पाझे प्रयूर बट किटाल के किट से हैं में या या सूर्याय विटाय हैं मू व. भष् वेश अवाश मिट हू. भक्र वश विहर शर्व ही है. मिन र में श स् । देर श्रीन र प्र में है स रेश नश्रम. लश में क्रुश प्रमूर म ने देशन ज भटन ने स्क जन पर्ने दे निस स्त्री वर् नर्ने निम नर्ने हे व रे म्रुक् नर्दे में दिल वर्षाया मिट मी मार्क बट रे . यहें दे होंट दे हीश वह मर. चर्वेचास देश। वैचास देश मुक्त के मिट उ मूट्स राजा. न्वेन्य प्राप्त निर्द्त र्शेक्ष है। हरे र्यु है रेन्य माश्रम तर् हैनाम पामें तर् हीय पात्र हे हे रे रे नित्

व.न.ज.श्चमा तपु.रेचार.वी.चव.वाश्यमामार.टे.चब्रस. स्। भूत्र्यस्यम् गुरु गुट रह हो हे द र मुल रे व्यार सिटस है। अक्ट्रेसस ग्री में के मिट मीमीस ज सूर्यास यर्गा व्यत्यक्ष मी वर र क्षेत्र पर के के वर्ष र्भ रेश शुःरे। इंदे वट रे। अरे अर् रे हें इवेंद की मदे क्षेत्र हर दर यम् यम् । देवद द्व हे वे क्षे मुन नुह हें स क ने स व्योग व्योग नुस हेर हे ने क्या स है द में रूट व्यट्स क्रेंट्र वा प्येटस नस । वसम प्यस गुरहेनास श्रद्धम् कर ने मिट ने मिट ने मिट ता मर्जूर हिट. ल्यश हेना सेर प्रश्न पर व में मुनास स मरे। व्यादस क्षेत्रसः प्राक्ष्यं मुप्तः स्वासः सं विद्यानास्य द्वा स्रुचः न्यें में मुन्तर में अन् र्रेय प्रमा अन्यस्य द्वार न्या इ.व. व.रेट.। भक्षममात्मा वेर्ड संग्रहा। चेर ही पूर. श्चित म सूर्य स.तस. सेर जूरन । भक्षम.जूट, योजूय स. त्र स्त्रिम् साल्द हुद छ उ र स्ताले व हुद दम अद से

जूनश. तथ । हिंर. तू अनुस. चेरे.मी. अपूर. रस । श्चितः द्वीतः वाद्यस्य स्थायः व्योदः सः सक्षेत्रः वस द.रचु.श्रेट. श्रें व.भू. मूच.त्रा चेंर.कूस.श्रे. मधु.वेस. मस। क्षेत्रं द्वंद कुं वेद् कुं ख द द्र छ सदी भूद देव वेना-नुष्ये नस-ने। हेस स्नन्न-न्दः सहुद् नरः सहिद न्य। न्र सर रे. श्रुर रे. श्रुर रे. सर श्रुर रे. सर श्रुर र रे. न्ट् नेट.क्व.शंशंश.टेतंडु.श्रेंज.तंडू.शेट.लुब.तंश । क्र्स. निर केंच म् चिश्रदम्। दे वस तिनास ज् हे दिन है र वह इ.ज । श्रुच-रेच्य.मु.म.यमश वट.ल्र्ट.नर.श्रु.चर्ड हो। रविशाय ने स्वार् क्षायते देने श्रीट पढ पहिस श्रुव द्रदस वस चूर और श्रिट च चट व च क च क च क जिम वश हती. मुं में रमे में हिंद केर प्रमा दे वर में के क्रम मारे पर्प नमामे नर्न हमानगर सुतानदे तार्र् । नर्ना नम सर्-तर-वि.चिक्षित्स.वस । चूर्-म.रर्-त.कु.व.वचर.सि. मित्रमास रेमो. शूर-विश्व भ हुना रे.शह्य तर क्रं तर देर यूर्यम् वर्ष्यं र्वेन्वीस हे देवे लवस है रेंद्र हिट वस मिर्नेन् गुरर्नु भेष वे के समान क्षेत्र नम सेट गुट स र्दे हुश्राचर्यात्राहे। च्रें. क्री.रच. वे. वे.च.च.च.च.च.च. वय-५-५८-२८-५-४ व्या के स मुख्यसायस । कुनानिश्चित्रक्षाः स्रानामानाः स्टर्टा नवनः हिं विदर सद्भी ५५६१ वर्गर वर्गर वर्गर के वर्गर वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग कुन भक्र्यान्ता जानशिष मेजन्यनु निहारक्त नेनान्त्री श्रुट् इस'रे। श्रेट गुट'भे मेश द्वट चें द्टा द्वा रिवेटश्राजा श्री दातरेयोशावेश शर. शु. वैयारतारी. वैदा यश्चे म् द्रु त्रिला वसा मृणु प्रवित प्रते वाता वर्षेत वा - छेर्'द'रव'र्'त्युद'र्वोर्थ'व'र्थद'यस। र'वहंद'र्स ह्येर स. चेर न रहा। वह हिंग हैं हैं हैं के रहा वार हैं वसम्बद्धारम् ने विद्यानिक य क्मसाव रे रच नु नुदाद वर्के च मेर्दे मकेस चरा। यद् ४ : र्. ४ : इ. ५ वर्ष्ट्र य में वर्ष हिंद ह मा नीवार । हैं ४ यं वरे दसन दर हिलास नुभाव कर पा वेंद्र दें हेर ! दे मा दशक्त देनित्सावरे हिनायानुस्दे अर्केन नात्सानुदे नाश्चादसा । हो क्रेंद्रमाश्चर्यानक्ष्यान्त्रसाचेराव्या दे व्य द्वी व अग्रयाद्र होंवसाया होंद के मा केस वनाव नावर हैं। देनसाम है के है सकेंद्र या मुखायदे दूसा खु हैं कें दर हि मिताश्रद सं नुहुर १८८। स्रापद् र सं मुका स स्नास वकुर्वसारवार्तु वुदावसा द्वारहे वे वात्रवाद्दा सकेंद्र देशकें वर्षे वर्षे दे से स्मार्थिय वर्षे में वर्षे वरत स्यक् अर्मे वित्रम् र देश अस्तर दर था मुका अपनि मंद्रर स्टर्। रहेकास्र मीका नगर विषास्य। नगद र्ने के ब वर्षे चुट केंश ही विसस परका दे वस के सेना से दिहार पर्दा र्रेश्व मे परदे न सर्दा स्वर में प्राप्ता म मु.च्.वश्वश्व.१८.ग्री.हुत.चयात.३४.व। हु.वचरश.वश्वश्व. बर्ग्णु प्रयापुर्वु एव द्विरासुराया सुन्। द्राया सुन्। द्राया स् व। रेष्ट्र मुनवरे केर्नु नवर्ष सम्भागश्रम प्रां ह्रा केष'र्च'स महिन्स'यस में चेर दी। दे दस हे में र गुन कूश.वे.वर.भूश.वंश वे.चू.व.वु.जू.व.कु.वू.जू.व.कु. लेस द्वर वी अळव निके ख वव निके वर्गेशनुस। मु मार्गे वे वे वे वे वे व न न मेन्स में दूरा झे.लिट.प्री.मूट्.रटा चर्मे प्रमूच रशकार्याट मेशन। ट्रेड्र. 범포소·김·비교소·김·원 다. 5. 9. 9. 여·첫시화·리화 1 회文. 러튑소 1 원,소네간, 및 영, 및 최.레다, 크륌소, 그.ME, 1 꽃. यते भे यति नामस्याया । यया हे दार् भे या। नामसः यदेव.राष्ट्र.कु.च । भट.त्रा.चस्रेंच.यष्ट्र.कृ.चश्चिम। चे.ज. MEN. प्र. प्र. ज. भ्र. प्र. प्र. मिर्डे र. प्र. म. प्रमें रद्रात्ति श्रेपति च्रिय विष्य । दे वसा इ पद्र ति । भे नी वर्षा मार व व देवास व रहेर के अहाव व सिर् शर्व.चर.३्स.मी.ची.चसर। ल्यूच.श हेचास निर्द्वा नामान्त्र पदि केर् नुवार हे सेरायर वहनाय क्रमान्तर हे सूर वाम नहेंन्स है। येन यर वह यावरे मृत्वाचर मुर पश वेद् ल के न्यंत्र पश कर म महुर में प्र न्नमः त्रे द्रे प्रायः प्रतिन्य प्रति द्रे प्राप्ति द्रे प्राप्ति । व्रे प्राप्ति । माद्र हो क्ट. वस सन्वर्धिर । त्या वे हो त्वा क्व.ज. वर्षेष.त. त्र्रं देशस.ह्या. कु. चश्र. म. वर्षेर । त्रा. त. त. पूर्-ज-रथ-तर-अमिथ-वश ले. जेश-र्वाट-तूश-वश्य-वश् 다 하는 사람 사람 나는 비를 다시 '를 다고 '엄마'는 '화' 김씨 '다' रमायर्ष में वे मुनामा यायरनार पार्य मायसूर। ने वसंच्डव में वर्रे भे नेस न्वर में व न्य नि मी इर मा मेनानके वंदे क्रम मी देन समाहर। द्वाम न् वायेब्राइवर्षेद्रयादेशेक्षक्ष क्षेत्र देवे दावे दाव न वेच ब.क्ट. चर. लूर. च. चंडा. चुंचा श्रापवीर च.ट टु. लूर व. यक्षमार्श्व महित्स। देवे हें मुश्र र प्यूर य गुर मुहेश नगान के दे. यूरे न में र हा। हे. युमा मि. के में यूमा पहें. मञ्जूर। गे उन्नोटर्गर्ससम्म नसह। रवर्र्ग्यूट न-श्रिष्ठ-दर्मी.ज. अस.श्रे.चयः त्येश्रिष्ठ- पट्टेर । ट्रेट्ट जसः रेस्बे हू भू. येर. थे व हम सहरे. बारेबे. बुंबे येम.त. रेट ।

मिन स. यम. श्. इ. फा. पूर्वा हु जा इ . विश्व वेश. प्रवेश. क्र. इ.श्रुचिश टेस.इर.श्रुर.श्रुर.चं.र.जूस क्रिय.भक्षटे.रेस.झ.क्र्स. स्रकेश वसाहेते महिट रन्म देटा प्रतस्य गु सावस्र रत्। श्रास्त्रम् म्यूर्माम्ब्रम् या स्वार्टिन द्वार्याः रेट । निरम्दराय मुक्रादरा दनो दर सेना इटस त्. स्वीर इथ रेगीय स्वामित रे. में रुख रेवे ज सेव. मिन है। विश्व हैस स्पर्न में स्पर्न में स्पर्न विना है हैं मिलेना देर पर निर निर देश में रेंदे में च रे पड़ेनास वसामकेर्दे वामकेन गुरायलेटस। देरावर्ष विशायी नुम रवट स् इट अर शि नश्चमा वर्ना तालट हर् मूट र् नर्तेश रवर्रे विद्यान सदानमा क्रमानी हो वर्षे प्रा ३ सरी खूँच नुवें ब प्रमुखा व प्रचान माना पर पर मीस ह्यूर्र इंट.जिब्बराजा वि.च.र निया पर्वेश हुन प्रोंद्र शूर्य रत्ते त. श्रम श्र स. की क्ष श्रूर्य त. त. पर परे मारे म सट

नु नक्द। अन् गुरे भे से निष्य देवह वे स्मेहें के से सहर हा हा यस। र्गोर्श्नमहूना मी हे ब. खेबर ट्रे. माबस यह रहेर द्रा न्गेंश्रसकेंनानी हेदाय प्रवाहस से विसावना। यह दे देश तात्रवासासे विसाम्ब्रुसाम्ब्रुसानु निवासाहा देश च ता मु देश देवद भू भी नियं कर् देश | देवद देशे वर्षात्मान्यम् । अत् हेराहे वहेंद्राय संग्रामान मेथ द्वराये वाकी कुद या गुद से सके द्वा सके नस । भे क्ष रचट च. चूंबावका हैं चेना ब्राट्ट के चढ्व मी चना खना चत्रिश्यः भ नु सः र् सः वनसः च स्रूरः वनस । विस्रसः मूर्वास या मुन्द्र अद्भार में प्रमुख। त्रे देवे देव दुव दुव दुव रेवेटब.इट.सेबोब.शे.वश्रुंब.वंबा। येपु.वे.चट.घटे.ल. ब.च.च.चेट.बना तिन.टच.चे.क्रम.झेंर्.रचे.च.चेन. यस सम्बा भे मु । इत य से द के म् भेद से में ने द य हों स तश्रसदश् मु नेर दश | स्थापश्चरायश | त्रेर र म. मुस विवे क्रिंग महींव। यसमा प्रस्त स सहर्या पर्दे वर्ता श्रेंच मारेर दर सम हमानी देने श्रेंद वर्षे वर्दा म् रहेर्दा वे रें वं वंदा ववव द्वव द्वव द्वव वा स्वाहा या कुट नहा हैन होंच द्वें दें हैं स द्वें केंस होंच ले यात्रा अधिक क्षा यहूर त्या मीर। विशिष्ट रय हुक हा. केव नामहित्ता व्यामाना हेव मेव मुन्ना लुक्तमा चूर् सिर टे.कुच चक्र च.रट. हुस. मुस.च.चे.व.. लेब् नशुस्य । वर्ष यंश कुरे स्वें प्रस केंस वर् की व वेश.वेश.तश हेरे.भुर.त.वे.चर.वेर। यट.सूट वच्र्र.तश. तिरा. म. भु. सर. दश. भष्ट्र. चर. तिवा दश। श्रमश. १४ वा च हे. नर् से वस कूर नगर न नाम के नस नशा नद्र न न न तिश्वात्रात्रु विद्यप्तं त्वकु त्वाद् लाटः कुल् भूवे विश्व विशायशा यहेब में ब पर मून्य । ए य पर हिंद य वहें म परे केंस लुवे.चर्म कूस.चडुवे.सुवे.ततु.कूस.केर.लुवे.चेस.चरा । र्वेर भरे त लेट केट त केट निमा करा विहाल भी रहा. मी.पी.चकर । ह्मा.इव.मू.कु.टंट.भवेथ.मू.भम.रह.मी. र्थे सक्रश्यक्तस । जुरे खेंद्र यस रहानी सर्वी या से पद्रा मालन् दमस हैं मीं रे नाईनाश न्य वह द से व र ने व ले म्बद्द्रमाद्द्रण्याद्वियावदे द्र्याक्षात्रहे द्र्वे वर दे हेर् हेव मार्स्व नहीं । दे भे लेक न्यह दे ता कु नही वर्द् के सर वर्ट नस स स्वास दस हैं वे नस न वर्ट う! 英子でいれ、うれてロエ・ガ·園からたから、またれ、まか、近 विर्यार वेद। यामियाम र नमर रे . दुश न्याय वर्षेस. 소화 | 디오 4 전화 및 현 · 급· 다취 도· 소화 다스 다. 드 | 눈와 · 다회 चना अना श होराना रे हिंग न रा रे हिंग तथा वट र मह वर के नार्ट लुस यस । महे वर नार हे लय सहय वस यन्न देश नहीं नश ने वेंद द व निव द नाव । अ पनिष्यं खेंश निम्न निम्न पर्दर वर कर में निर्दे केर च दिन वर्दम है। हिंद मुँ श्रेंन नदें नश्रुद्ध वस द व्रामी र होर ज स्मान वर्ष वर्षेत्र मेर विश्व र र्नार कुश रक्ष. स्. चेट टे. वय्र रे. त् यु. के रे. टे. वार्ष्या वश वे. टेवां व. म्रदः दशः में इ नड दुना देद दश थे भेश दनद हो हुदः र्ट्स है। स्विट्ट नद्दे स्थासना नद्दे । नद्दे त्स पर्व त. प्रमिन तर, मू मैस हिंद रे. निश्चरम परा मान्य व हैं है सर्दे लया है समान्नि वद्गा क्रेंस यर पर कर म मुक्ष के के है है। यह के में भर भु के इट.ज। रथ.तर्र.क्र्म.मेट.रंतवाश.त.चेशश.त.थ.सुर् यदे वर नु निष्क य भेद य य। वर्ष य क्षेत्र य म सक्षा सम्बर्द्धन्त्रमः तर् स्त्रम् स्त्रम् शरस मुझ में क्रिंस नार दर व देर सु हेनास मुझ देनात नरे न्या ने न्यान नु वेद न भेग ने। वेद अय नु व हेनासाग्री स्थान दे से रहेट दी वटन शहस मेस न वट. के त. भ भविष्य पर्द्र तर विचिर वश हे व. र. एड हैं व. सामा सामा में ता मि ना महे ने किए म होना नमा खेला ने प्यूर दे. पिना ज. भूत मी न भूर निर्म निर्मास निर्मास शि. क्य. कुम.

त्रुर. त. पूरा. त्रीतास श. परेश.तर. प्रमीर रू. चिशिरश। बिसान्सियावस। दर्वस्यसमा सामा हुव पर्देव पर्दे स अन्तर्दान्त्रा हेर्नायाध्यामुसाय ह्यार्ट्या हे दशक मार्राष्ट्री - रे से पर्मारा वर्षा त्रा चलेवे पर रे प्राप्त श्चि। सर् द्विद्श यादेश धर द्विया वार्षेता धर्मा द्वीया 8€. पर्टे. क्र्स. भूबे. अष्ट्रस. बेस. उत्रा ट्रेड्, तर रे ला. प्रेस. न्यट येंश सम्बर्धिन्द नि न्द्र निह निष्य में हु न न्दर निर्माध हिन्दर क्षेत्र य। नवत राम क्षेत्र निम्मा दश नव्यत्. र्नोट्स च मूंज दस द्वीस के है। ले मेश द्वट चे दे ब्वस लासिवा वश्या होटा हिटे हर्त तथा ६२५ हरा लहा लहा चोशिटक । टेस.स्रेम.चा.म.ज.प्रीट.क्वांश शे ट्रेर.बुस.स्र. 3.4. AL. 1. LE BY MEN PULLY OF U. M. A. CAN न निर्मित्रित्र पर परका राज्य हमामर मुन्। गामाम क्रम य मा निये पहे र या में हुर है मारीरश रश क्रवाश ( विश्वसः विश्वस टे. कुश्च-विव्दः वे.चर. ) स्वेट. र्वे. ज. जर् विश्वस्त्र वस । वे. चट् (वाउट वहरे. मारेश गु.जर.वे.चर ) क्य व्रिंग में वश वर मी.वे.च.पहेश. वस चंडिट वस हीता। ट्रेस प्रव.चर्च. ( चार्रुश.चंस. म्तरः ) पहुन्नश्चान्त्रमञ्जान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्र निर्क्षित्र में प्रति विवस्त निर्म ने प्रति वा निष्म वस । हुर न्यह व नियमानानि नर नेस वस । य निर मामका मान रे न नेपार है। विप्र हे में प्र किर किया है रहा शुः भटः द्वाद्रा वदः दे त्या गातः स्वसः चः नायः इट मुंचैट। ल. ६२.म.भ.म.माजूर मीम. टे.चेबेबास. है। विक्रित्वयानुस्यान्ता वैर्रेड वन्द्रा रहै.ज.स्रे त.वेट. चंत्राचाकुची.चैट.चव्ये.त्र्रा.ह्ये. ह्ये.ह. रेरे सुना रु मे रेन रगर से वे छेट परे रेखुय है। याप क्रिया व । दि सद्द रेश वेंद्र ग्री मुल विस्तर पद्देर । र्वेद् म्रम्भ रुद् देवा द्वा वित्य द्वाद प्रदे पुरा हा। अ हेर मी मीयात् इ.व ह है.स.रे शिव.रट्स.वंश चूरे.वंबट्स. कुट: नुश हिना देखें वा नर्गोर्। इर य हन मिना हैना रव नु नुदा निर्मित्र सर्हेन मार्स स मी देवा स

यह अवस श्रम् वना से दे हैं निष्य हैं भार हुई सह रूर् म वर्ष्यतास्ता क्रेर-दे ता श्रेव वर मिन हैं है स रेंद्र श्रुवः धर वीर त्रकेट तथा दश श्रुव ने भावी वे वेश । हेव. हेदानु कर्। दे नार्वसम्बद्धान्यस्य वहेदायर नुरायाय। दश विमार्कर चन्द्र-चर्चा मार्गरमा वस वा में में देर। ह्नि रटा केश रट मालिश वाय क्रांट हीर। ये पट शे'वर्गेश्चर्टामी'स्य वासे'चर्टाच्य । वह द र्वेश म्पिन क्रेंन र हैं है सन्दे दार्रि गाम में पा भेदा यस । विदानिमासुमीसाथासुमानुदार्द्धमान्वादान्दादे **व्यासु १८४ १ १ देश १८ मुलास छेर धर से हेर्स खुया मुख्या हैस** नग्राकुष। देलक्ष्माक्षेत्र। ह्याले सञ्चरा दश ट्रे. वस त्या नाद्य मंद्यात्म । गा स वदे ख्या दश । मिर्-मेश्र-देश्र-ताक्ष-प्र-प्याक्ष- स्व- क्ष्या-पश्चिटक-प-न-न न निर्देश वश्वराख्य संस्था में द्वाराय हें नी रास वक्केर्या न्याव स्वीति न्याये प्राप्ता समान्यो क्री-द्वीकामधी देश-द्दाद्दा स्ट्रीट वी व्यवधान स्ट्रीय

त्रिंद य द दिन है। भार बिन है वादर भे संसक्ष है. वा प्या के ते वा वा नियं वा वा वा व्या विका वा मुरार्थे। दे ह प्राय के प्राय के प्राय का की है र व व स्विमानदे द्वानदे स्विन्त दे। से विन्ने नदे नर्वे मेर् या ह्वे वित पार्वा में सूमान दम्मयाम नस्तापारी । र्शेन में ब्रुट्स य नवट वें केंद्र वें नवा मार ब्रुव नाम दवा मार म्राय है स है व व कर दमें हैं वा महेश माश है व वस्ता है अद से से सस से देन से होंदे पा दें से दसेनास परें। महिना कर पहना च दे स पहन पर्ट पर्द दे महित्स। ख व्यास्त्रात्रा हिंदा । देख्र के प्राट के स्रेश्वर हेर प देश श्रास्ट्रिं देवास पद भी सारव सिटस य प्रते हो। पट रवा पर भी में के पर दे। र्स स्ट्रिंग्स पर मेंस र्व प्योत्र प्रथा दे श्रीद्रश प्रश्न प्रदेश प्रश्न प्रवास प्रश्न यदै केश रव गुट सुटस व पेद वें। से सेर दें प्रते चेश रव मेर्'पर इक्क रवेर मा वनस नार मेश इस यर के देना भाषा वार्ष। वाय दे के भाषा सक उदाद्व

यासेर्केटाधेर्धायासेर्चायासेर्वा असमा शु हिंद पात्रमशास्त्र में द्व के दायी दाया नु पर में व्रमार्थे। म्या हे यदमा मी केश यह व यर से मु अदा कर में मुद् श्रमाय। दे निवर् द्वार प्रतासाम्यास विद्यार र्रे । इक् चन्द्रभेद्रभानु व सेद्र्य ४ स र्ये थानु व **अर**-तु-व-ते-मार्शेश-धुन-नुम्ब-हे। बेन-य वे-कुर-भै-दिर। द्व-याभेदायालम मुझाद्यायम भे हेंना यर मुर्व । वर्मुयाय दि प्रवेम । यदे दुर्म सुद्र इद्यास्त्रेद्रायर द्वरायर के द्वायर द्वार दें। अद द्वायदे के कर हेवाया केदाव क्षक के हेवा यर वहना यदै वयस सेर हैं। इक् यें क्स यें यगमा गुर अर द्ना यदे से से र हें न य से र द है र वसस उद्देश है र से र याय है दूर पहना वृक्ष । ह्रिंट स हेन मार्टेन यर हिन म श्रिट्यायर से त्युर म मिंदावी। हेट म हेन्सर ग्रीट देश या खेर प्रसाय राय मुद्दा स्था मिस्र मेरि सदे झ वसस उद् वर पर प्रमुर री। 54 व उट सेद परे

श्रीद्यायमा में इता प्रमुंदर है है स्टर प्रमुद्र । दे पे होने यव्यान्तेत् वर्षान्यः दरः वद्वीं दे वस्य द यदः द्वाः यदे स् स्ट्रिंग पदे से रच गु होत है वे में में सूट प मुद्र श्रेट्य भेष र्वे। देयश व दव विष दे में दव उर मी उदारी विकास मिन त्या हैन है निवश हुश श र्वा पर्टा वश्र मा वर्ग मिव पर है हैं प्रमा के अ मेर स. प. लट. हे - लेर हिंद्स। दे - पर्श - अ . लट. न्ना पर से रूर हेना पर केस रव ही रेंद देश पर हेंद्र तपुरक्तात्वेद्र प्रमा देश माश्रुमान्त्रे वट दश्य वट हुट पर हेनास प्रशास्त्र पाने प्रशास्त्र व प्रमास उद श्रीटल है। दे वहीर क्य ववस दट क्यारच का माहरा वहा श्चीतः च.र्यमध्र.वर्ट. चोश्रजात्रम, श्रद्धाः मेश्र ग्रेच्यः वर ह्वा पर वर्गीर हा। जुन निमें मानित हुन हुन हुन विभाग्यानिरार्धेरावहेरान्तर यहानुया वर्षे विमिराणुकाणुह भक्टरं ने हुरं दुवा दुन ना ना रे तारा । सट मेर्ट. मकेर्वस। मुंदे सुर व के मा कर द ज्ञा केर रे मस मुंस मुद्रमानक्षाता यार्तात् सुरामानुनात्रहेत्यामानकेशः नवे हार है। क्रेंब चर मेदा महनाया है। ममस नहार देश। ल्ट्र शु वहिंद य से द व हीर ध यहर य भेदा से मुख्य क्रमास इट चमान व दुवा मिस्र रे भेर । मि च से द व ने ने ने यदै अर्केन रेमास । ये वे पर्रे पाय पर्रे प्रमास है यन्त्रास । संस्थान प्रायोग या सम्भाव व प्रस्था पान्त्र। 뿃씨. xt. tr. 취공, 외역자 왕는 성제, 작 성제, xz. 없네! र्हेर्नाता वर्षा रक्षा हट बुची टे. के च.म. भवेरे च.म. भष्ट्रमा हिन्द्र न्तु साइम नहिम से सपुद हो हेंद्र से दे ना उर ५ पहलासके स है। स पहलास हैं नह चहारे हुर मुर प्रता क्षे. त. रेट. ग्रीट. श्राटश में स्था तर ना कु न । प्रता श विषट मार्ड मार्ड स र्व मी ही अध्य भाग्न ही य। प्राया रिटिटश . मी. श्रिश्या स्पेश्वा उर प्रदियां. ये. यं परे रट. । रेम मुस्य पहुना मुद्राप्तर मुहेस सुर र्वोस है। रेम मुक्षात्वम् कृष्य महस्यायम् दे द्रा है न्द्रा हे न्या उर नहमान हिन न कर के होता निया विकास कर के स केंस दे प्रसाद दे ता पहेंचा च मेंस च रे स पहेंचा च दापत है। मूलियम्बिनान्त्राङ्कर्भेर्भेरवस्याय्दरस्य वें न भर नगर व वसस उर सिन्न न व हे कें कें। हिन वा श्वाद वर्ष वर्षे मान्य दर्शेष । क्षेत्र वहेत के के वर्षे ही हेर् हेर भेर य महित स्य गुर वश्चव। वेस स्व इस न नश्चिम मानदेव। देशमार्देर मानेस। हेरा हुर नह 대·그렇다 다왕자·다왕·저·스타·전 ·대 그글스·다·어타 원고 | WE द्वा च रे क्रेंश सेद चर WE दहन दे बस स द्वा च लट.रेचे. चतु. चेश्चरच ग्रीश रुभ.चर श्रेटश त र्जा. रे. ब्रिय त. चर्य त. चर्य व विद्य कू नाम चारेम ह्वाम वस. शटम में स प्रदेश जवांस सं विदे कर कुवांस भ परायांश. म् अप्सुम्यापर। दहैना है बागी वा प्राप्त के देश वससाउर सिंहेर यह देनाय दत्ति से नु वसस कर पान है न पर है है र दिवार। है है र के निका भ. प्रमाश. तर कु लट. भ. पेश व. पीम. वत. अर. लट. भु. श्री के बेर्चाश है पके वी श्री श्री श्री राह पवित में सिव

शुक्र द्वांबाय देवे कु विश्वामा विश्वास्त्र र्ट जाला के वर्षा वावित में हेर हैं मा वादमा । विद्या अरे कुर. बराश पुरा रय लायेता यह कुश ग्रीश शरश मुका ता सुर प पहन हे पहाँका प लुहा विद क्षेत्र श्रमश **५**०२ वे सेसस उव मी देव दे सेसस पश्चेद वस संसम उद শ্রী ব্রু প্রু ব্রু ব্রু কর্ম। ক্রিন্থ ন্ম নাম ব্রু গ্রুম রমগ্রের সাস্থান্তর না ব্রশ্ন র ক্রান্তর বিদ্যান বিদ্য नाशुक्र य में शुप्ता भी भी भी की के ती स नहा । म्नीय प दमायानी स सुट्य। मूँ दे हे साधमस उर् र्रोटश वेश भवे ह्वांश च रेट शटश में श वंश। श्रेशश. करे. वंशका वर कदल सेंबा भी काला उंसूरे. यर शहरे. यपु. पन्नेथ जम् र प्रिंट याम र्स्ट्स. ग्री पर र सिंद मीम. मुन य भेद चर शिर ने स्व देश माश्चरश र्शा में सेमस प वे र्से ६ ५६ ५५ ५६ वे । मान्यन में मान यार्देरागुटान्न्याश्चरस्याः हे केंशाना यार्नेन्या हे पश ब्रामर्दे हे हे हि हिन पर नहींना है नावस दि हीना

मु मुर्ग जाववन कुन बर रे पर्वेत वर वसुमन। न्स्राक्तर्द्र वेद् कु व्यवस्थ हे हिंद नाट द्राना हें र नु व इसस गुरेश वर्ष वर विंद नु मुर वर्ष । रेवा व ह्य र बिट रूट द्वाय य अट हे। केंग्र हेवा धर द्वाय बेट अयः परः चीरः पर। ची चीरः मी अधिकाः यरः रचः नै स्प्रेची य। मुयार्थेश हुन इत्साने। विव स्राप्तस यस मान्द्र वास्तायादे वा वहना वर नुर्वे। नुवार्येश वेद वदना भ निम जू श भाषा तथा चिर्य प्र भ सन तहु, कुश चीट ज लट.पट्टिनी.सर.श्रु.च सरी समाय.वब.रेनी.रे.माश्रापा.वश्र । यगाय हिना गी भे मो लिय से दे माश्रुस ने सहस है। माडेना य शुर्र हैंस वैरानश्च वेश्वांचा वार्तिवाश्वावाश्चार्थश हुतु. युना स्वया रामकेश है। नार्देर हिन रम मुन्दा या यात्र । के व्यट माजेना वट ह्यें क कमश्रामा आट द्वा वर विस | देखान् निटासन्ते . मान्यनी ह्या स्वा विद्या चलेटस-दस-ह्य-क्रिक्न-दुन-दुन्न-दिनास। चर्च-चेर्स-द्युनस र्नोद्रश्मान्यस्य। हिंद्रश्रस्य द्राप्तर्भात्र निविद्यावया द्वार स्वामान्त्रात्रात्रा प्रवास वस्था वर्षे क्ष्यों भारत देता वर्षा वस्था वर् क्ष पा वर्ष हर क्रा के दर की दर वर हीर। त्वश मधव धमक ठर्'नु र्सेन र्चेन प्रेस। विम् सेन की उर्क न्दः दर्धः में वस्य उन् गाया ये रे विना दस हरामा पश्चनः सूर्य द्वेष या माया ने ता वा केश वमस उद् व्यापकर गुन्न पर्ना मेर पर नाइन था स्व पर क्रिस है हे-देर-जवाबाद कुच लाचीर-दर्गा**र-त-विशासका** इस्राचन्द्रम् वहस्र स्थाप्तर्वाम्यान्त्रम् वहवार्यः म्बेन्सारम् देव दर्नेह्सादसादनेहाने। देवीर्देशाना चारुचा,च ह्या,वे.चस्त्र्या,व इ.जेर स्थ्या,वेश.तश । स्थ्या. देश'यर'य पहुस्रायुक्ष'नावटा दे खेर पर्केस'यर हे जान्यस वे.इ.६ वे.सकु.बेस यस । स्त्रंभ, रुभाव भा नश्चम् वर्षात्राच्यानु नम् नि मी द्यान क्र यादे शुक्र श्रुट वशानावशानावटा दे त्या विकानु द्वीका पर्य। देवे देव वर्त्रोय दृष्टि है स दृष्टे द्वारस याय वर्हेंद्र स सीया

म नुष्टारम हुनास वह देव नु खट दर रेनास य प्रमीय तर देवे. भ केंद्र प. १ भ वेश वोषट । दे व भ कुल होट्ट मी मुन रेस। वर्मान्य वर्ध स्वादम वादम है। रेम स्वास ल. सू.र. ल वंश चिला नरे रे. १ ६ ६ । वं च रेमी सैंग रसा ह्मरासर श्रद हुर नेहन नम्रे । वक्रवस द्वा हेनस त दे। र्वेन मुर्सेय वही। हून हर युन न्युसा वर कुं बर जेव। पद्मेर विष श्रुम के के में स के पार शामय र्श्वेन न्यं न नर्शे न नर्शे न नर्शे न नर्शे निया से नर्शे से निया से नर्शे से निया से नर्शे से निया से नर्शे से स्। व.च=८.चैन.बैंच.इ.इ। ह्यूश.भर.श्रट.टचेंट. चर्मे.चर्मेट.चर्मे। अक्सल.ग्री.चर ट्रे.४८.मी.स.ईसल. ल.चीट. चर्च. इ.ज. दश्च चित्र चर्चेर । र्ज्ना होन चार्डेश । डूना क खना दे। र्रेन माहेर न है सु ह या। इ.इ.ज वंश विज है. नि.इ कि कि। व्यंश श्रिम स्त्रेंग. इ.इ। मुब्द् नाबद ब्रा झे क्र रंद चर शहरीताल.

है रणदर्देशके यावन्य। अद्गे पर्वनं में अने द्वें तर्शे अभ ध.सेर् क्स.ग्री.पर्ते जिस.त.ज.शैवास.स.क्रुस.दश। वे दें व व दरान्व रावह द लेना सम्युव रहें ता र्वा वहरा । श्चर विनापाय पहे र म मुंद्र प्रमा है किया महिन मा महिन क्ष्यानियः द्वार पुरायक्षा वे देश वार्क वार्टर पुरा क्षर ग्रांसाया मी त्यासु हेम्बा गु म्यो दि सामहार द्या द्वा से स 그렇는 ·뭐 中도 ·리자·비를 뭐 뭐 가 그 ·레디아 ·저·황 가 · 4위· 그렇는 · 1 भ्रे. श्रेश देवर व्. परे वे. परे वे. ते प्रे. तथा सरका. वर्षा का मास्तावस । दे सवि कर रिशंस में इस ही दरा स् रेट. इ. पहल रटा क्रिंग में अस. रेट. हेर्ज. वेश विद्या वेश मूर्यान्त्र रेश.श्र.थमायात्र प्रसामे नेता नामाया उर मर्टिट चह अर पर्देश । मर्टिट मिट मिर सि दे हे अर केर शुक्रम्याम् विम्याणीयायदे सकेन् हे वामी वर्ग मकेन् हे व हैन परे स्यास नम्बा देवे हें वाकु भेग वृद्धा सर्दे हेर् दे स्याञ्च में बाह्यस भेर माने द के मा हा यदे मा छ।

नु वर्ते व हैस सर्हेर हैर वर्ते स वर्तर वर्र भ र्रेर व वनुभानियाचेरावाद्याः वर्षकार्यो कार्रे छार् स्तुर् मुख्य दि हुं ते वि वि वे वे के मुद्दे वि वे वे वि कुरा विचारा तर सहर वहा। हुई विचारा तरा केंद्र है जा निवें या निवें प्रकार के कि ति के प्रकार के कि ति के प्रकार कि कि र्ट ने स'मे : 5 र्डेन नहां अंग ह सरे निके प्राप्त समाह सरे -क्र्यापत्र्रे.वियावया स्र्यामह्य.तरावव्रेयमा स्था सु दे पढ र वे 'ताकव सेर प्रचेत्राश च रूट। क्रिंड वे ७= ५९ देट नरद प्रें त्या पर्श्ने पदे मूँश ५९ हेरे पर क्रा मी द्राप्तद व ने ने दे हिंद में ने ने ने किया में किया मे सर्वेट है। मुनास नानुस यस हुनास वर्त्रवा करा होन इन्त्रायायाम्द्रिम् वादेशः क्रुमाद्रे। सुद्रीमा वस्त्राचे त्या नाश्र्य पर । है श्रिश ग्रे.वे.हट ह्यू पर कि मीश नाशण. दश्यम्भा ध्यवादारे यहदायक्रे मार स्ट्रिकेश दु या द्वा मु. सिमा. २४. त्र्रातेषा वि.इ.ट मेट, इ.ट. तर खूट, इषा वंश. नर निरं ने असे हेदे मिनास नम निर्मा देश । रेनर

बः र्ष क्रियमिर हेर् झूर गुः ल्यस र्नेन प्या श्रीयः यहिन्द्राम् स्थिता स्थाना स्याना स्थाना स्याना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्था क्षेत्र भी मूच चर्व नार्द्धना त्या भटा पु नश्च में अर्के दें या केत्र में यहै'नार्द्धन्स'द्रम । येद् है हे हें द र्भेट्स है त्यूवा है मुक्रमहोंन खुक्मीर्ह्मन्यायस्नायरास्ट्रा सहर् हेब हेब में चबेदे नानुमास न्दरन्त हेदे हैं नि वर्ष सुमास वना ने स हो या दशादशास्त्र सम्प्र र र र र मी स हो या। स मिले सद पहंस में दिस्य राजा मिले र पहार मिले हिर प्राप्त स्तिशासकारणारा रेवे.हे.हट.सक्ट्रेट इस.ग्री निट्या यर प्रमुख द्या अन्य रेदे हैं रेस मु हें व्यक्ष प्रदेश। न्वत्स व्रमस उर् कुर दृद करा मर्जेर हरा दृद वर्षा है। हेर (मर सम्ब रोट ने रूप के रमार्टा के मुन वास्निशायदे । संनेता पर्वारी पर्वारी स् दे वर्षा श्रेट हिदे सेट व्यामहेर्द रा प्रविभागमा दर्म श्रीश वस द्वेर ता स्ट्रिंट्र व नवत. स्ट्रिंग श्रा ही ता. व्रवा देवसावर्षस्य विषय्ष। मधीस्य मेर्या

गुरा विवास दम है। मद से हिंद चेंद ववदस वमस उद में उ रदामहेंद्रकामा पर्नेप्राया प्रैमा उदाख्या हैना है सा नगर क्रिका तथा विचारम सम्मा उर ग्री हिंदी नगान सुन याक्ररायुभाने। विकिनावि येर न्दासुना सर्वाहाया सिम। मि.शुनी ब्रान्स.प्रीमी,रेट.मुश्च सिम सिम वंश । अष्ट्रेट. इस मु-वय म्नय हेर यें युरा देर दुर्गेर मर्डेन मी नाहेर य पश्चेंस दस । गुद मुस मर्केंद्र य दस । सर्केंद्र पदे मि.च इत्राच्या चर्ष्या त्र्राच्या वर्ष्याच्या व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता वर्ष्या व्याप्ता व्याप्ता वर्षा व्याप क्ट. ब्रि. . इ. . है। या जबा नुर. देट. लीची परीज वेश्वी या. मश्र-र स्विन्। दश्र-मश्र-र नुप्र- सेर् च लेश नग्न पुर्न । मे द्विन्। गुन्दन रे हे हे त्य ग्रा हे न्दर् न प्रका प्रवाश है। हैंना प्रसाद प्रयाम दें प्रसास सहस् । त्रीय मु के न गुर्खुन हर देर मके र न तमाय से। देश हुद र्-पश्चाप्ता के मार्ट्य सर्ट्य स्थासा वात्र साम्या वात्र स्था म्बिश.श्रम.भट.भु.विट्रा जाजशासेची.रट.चक्स च.वर्ट. क्र-द्रम्थास्य मुश्रुप्यः दश । यसः मेः मञ्जूरः दशः ५ म्बर्

मुंगसन्ध्। वर्गेर स्वाध क्षेत्रका हे ल्ला निर्देशका स्वा ट्रे.बंब.कूंब.चेट.क्व.कु.चे.व.ज । शहूब.वह्र.बह्रू.व. वनीसाने। विदायागुम विदायेरायमा क्षेत्रायायन्दर रेवानु वार्त्यं म्हेंस सेर्द ववन केर स हेंद्र य होत् द्र देंद्र । यह कृर'विदेशसळ्र्र'इस'वडदारद्यं वृदावस । अदावर्षेद र्त्वेच,जर,कुच,क्षंत्रका रं,वंश,रेचेर,ञ्च,वंज्ञूट,त् वृष्ट्रज. तहनानी त्वाय वा सर् से दे के के दिया प्रतिकारी । विष्या गुर्भुस् मुन्नुक्नार्यस्य अर्हेर् पा हेर नु रहे । अर हर विक्रस्ट्रेंद्रसःवाद्यःव्यावस। अटाव्योक्युण लरं.कुर्यं.श्रेभसा दे.रस.स्रेर.च.व.श्रेर.म.प्र्.वर्तेय.प्रह् म'वर्ष'वर्र सकेर् प्रविधारी भर सकेर् हर वा ६९'ड्रेट'रे । रह'रह'मी'यस'सु'र्नोटस'रे । पंचर्स क्रें . वैची पर्व नीशिष्ठ श्रेष्ट । क्रूट म रेट समी्चे त्रायमान्याम् मिनामा से अपिरामा निर्मा ने मिनामा नुम। र्श्वेन्'नार्हेर् यंद्र मु'वसत्त्र्र्हें' य'यसूत्र मे द्र्वेश धर वर् वरे व वार मेर् पर ग्री र के वा भन्य हो। ह्वर

में इस्क्र्र वडर चेल स्वव्रिका स्वर्धिका विवाश त्या वर्षा राज्या श्रमात्री वाता सुराधका निवास वक्तर्भेषाद्वायय वर्षद्वाचे यातुर् वरीरारुख्या यूवा वरमानर से. लूट मंचर है .संस. मी. मन. रे. नबेस. हुना. नगर स्था अवः सुःगर्नेगरा नरे वेना न केंस होट मीचर स् लूट पंचर वर्गेट्स शिर्यट दश। स् लूट मीचर. श्च-माशर प्रमुश दश मुर स स्वा यर मारत। रे.क. अर. चेस.रस.रम. चेस. चेना श्रेस २.४ रस. मी. नेलूर उश्लेरी दे.ध्रीं च ज बीबाश देश । हिंदे से ट्रस हे किर ती ने क्टर श्री पश्चेश वेश । स्ति च प्रे में में श्री श व न न में हिंद म श्व. बे पश्व. त्र्म. श्वर. व्य. पायक पर्वे अहरे अला न्मुद्रास्य वर्षः वर्षः वर्षः है। यदः र्से हुद्धिः हेसः पुः उद् कुर्याक्ष.स् ॥ कूका.सूट.चाचव .स् लूट.चाचव .रेवे.ला.रजा. मु प्रथम न स्रुद्र यस नास्स्र य द्रार् ए हे दे रे य प्रमा मेर् मन्य हिट से र सेंस न्युद्ध दे प्यवद दस हिट स सें। दे वसास हैन नद्व में भ द्वर मासूर नर कर नस वस संव

रश मिर.रट्य.मी.जग्र.श्र.रथ.वग्र.संट. वि.से.रश्र. वर्षा वर्णेट. 리다. 첫. 원. 첫. 다르다. 음시 로. 학자. 너리다 와. 첫 전 사. 첫 전 यम्बारित है। ब्रामिने खेर पर वर्ष निम्मिर पर निमास मिकिमान रे मुकार्य भुन्द सार्वेद हे प्रवस्था ग्री हेंस से प्र-पश मुर्य महत्मा या पर्श्नेसाया हिमान हिन्दि नहिं मही। म दुना व.इ. ह्रव मिट लय से पर्था तर रेशव में त. स्.सं. वर स स्वरं वस । वट हुँ द मुख्य व हिंसस नित्र पर मिससाच श्रदाचरमान्साम क्साम्यूचा नसामुद्रामाके नदी विमाने न्त्र प्रदार पर प्रसामा मुला सुरा सुरा ल. मुंबे अहट स. त वर्शेस ज. पंचटश. ग्रेबे मी. कुस. वर्गे... वर वर्षिय वस । मैया मुक्त देंद दम मे देंद । अर यर मु यर प्रकेष मुभनु न्मुट में वह यह यह नह न्य श्रेर मार्र रे। सर म निवेत र सेन्य पर वैट.चस.मेल.वे.सर.व.ज्यास.बुस.व। ठहुनास.त. ल्या श्री देवदा के वका श्रीदा प्रहास ल्यू हुं का ग्रीद में के हां। मुभ में दे सु दर संद दस। वर्चे वजव स से सु मुल मन न्वलेश वर्षे मिना के किना वर्षे ने वर्षे भे है। मैन चें देवे लया का। पहला चुने ही एक चेंद्र की की या है है क्षे यस । दायन र साम्राह्म मार्थ साम्राह्म मार्थे लेश नगत सुता दे सुराद्ये अहेंद स्मान्य वा हैशायश । मुर द्रमा क्रंद द्व वद्य हम् किम ल्र्रि ह श यह । मुःस तानावि संस मिटायस। ते त त्रात्म र स ह ना हेन मिश्चरश्रादे त्या मेर देववा क्रेन वि वह र्ल्ट्र हे म वश । दे व भ्रर हे व रह म दिना है नाम नो दिस दगाय सुरा। ल.मिर सेवी उर् रचमेरे लूरे कुश राम । निर पर्येची म. लटारसायदेर हिनाया हेना हेसा नगाय सुन्। सुन हो गान मैक्षा मकेर वसा इ.स्वर गुर में विद्या सुर र उस छ। छेर यश्र भे विट र्सेट यर अग्र म् वर्ष म वर्ष म वर्ष हिट र हिनेश स् मिशिटश.चर्म। ट्र. मिट. तेर देश दुर्मा हुरे . तर् हुश नोडेट. 4村 / 南·新木·料木·虹·登に、己.4.如·多山、多ち、ゴヤ·安く、日村・ वका अर छिट हो निट चबुटक से बार्शन है। बेर बेटरा स्वाम हैन य नहिन सह मेंस'य दहा वह वे समस है. नाम वक्स है। हैनास स्मायन वर दे देवे हैना य सेद व नाद

שביקגיא יםקמיםאיביקצי ב׳ ישבן קנים ב׳ ब्रासे प्रदेश विदायों सेत् वर नादा नुसागुदा में से सेदास में हैं म् .द.कु.मुर । क्रिंर वर्जे भिष्ये दे र दर्ज वर्जे .गुरे.थे. र्देशमेर्'यस द्रानें के बेर द्रम । द्रानें र में द हैंस. वस । हिराह्म वसुयाविद् र पत्रिया सुरामिस्य। दे दशामा नस्य नर्भेर दश में येवश नमाय। दे दश है नश या. तु.र.जा.वज्या.हे । अर.क्षर द्वेबांश तका. विर. वर. रे. प्यम्भारा यान्य। मुलार्चे देशालव संस् गुःर्स्य म । र्वर वर सहर। भव श्रेशकी मुन्म दम गुन के बैना रवामार्थेच दरः। मुन्द्रिन्यान्दरः। र सदिः विश्वश्वास्त्र वर्वेदश वं वः स्ट्रेन्य सुवाहेश सद् द्रासद्र। रव रु कुद वदे सदव वर में । वर्ष में दिन के विवे नुःसहन् चर्यानगान देव के न यामामा मा। देवे स्था हा है। मिन्निश्च में नद्व। है संसन्निश्च मा रू सातु नुसावहर । द्वाहे द्वाहे भुवा नाहेदा हि नहिन् हे वह १ या वे वह अंद व १ द दूर वहुर १ स कव हिर्मा महें स्मान निवास में दार देया है. ल. सूर्याश्वः रा. प्रवृष् भू विच रे. य बुधा सि. स. ह. झे. जूर. मु खे खेर ने मा वर केर व राम मु र भेर निय मुक्त हैं या के में र वे के र वे की मारी अंधा के पार दम वें वे झा प्रट.ज.रेत्, वेश.रेश. वैवोश रेश. टेमी. वर्डुवोश.चर्ड्रटश.त. कर् याने देश शे हुन विकायमालय मुस्यीय मे हराजा वहवार्य वानु वा इसाया महासाय है। शुनास दसा न मिंद्रिम त्रम विष्ट निवेद्य संनित्त वर्ते नेवद्य नेदे वन्य वर्नेर्य प्रा श्रु यार्ने व वाद्माना द्वा वर्षे अवः श्रस्य गुरुषाय यहा रे रे र दश सहर । हा यह मारेश निकेश कर्दर । यायस निश्चमाना मर्दर दस देसा पर वस्य विभाग्यान्त्रिया त्राचा नियम नियम क्षेत्र स्था सम् प्रमान का झे.स.भीनर.रेट. परा पश्चम.लश.मुंट.रेट.परा श्चर. क्ट.वक्ट स.वर् । ट.के.चिट.चीचेद.स.ह्या.चेट.ट्र. कुश यम्पर क्रियान्स्य । मित्यार विवादर प्राया यथार्थः

[P. 호·소리 학·경마·소리 크린·경마·취·크플· र्वे अम्बादा व्यवस्थ उद् प्रणुन है। मुद्दे ह प्रविन सम्बर मानिक्रमानिक्र सामर्थाम्बर्धाः वेद्र कराहेतुः भानते वे भीमश्च-तः बुच हा तियः दैवाश्च-र श्चिच . त्र्रे त्र्रे तर हूंश म् व नार्वन स्वाध के र्रेन्ट नर नर्वन व पर् वेंद् कु नवर द वें दे खेंस कु मार वें लेद वस वदे वहेंस व। था ह्यूर्न्य मुंग मं विश्वन्य व्यून् म्याम्य य दिन स्र् ਭੇਣ ਸ਼ਤੇ ਤੁਟ੍ਰੇ ਸ਼੍ਰੇ ਹਵ੍ਥ, ਹੁ ਵ੍ਰੇ ਬੈਂਕੀਆਂ ਟੇਆ ਜ਼੍ਰੀ ਤੇ ਇਹ ਸ੍ਰੀ ਹੁਤ੍ਰੇ. मेर्याम नाबरायाल्यामार्टा देखानाबराब वहवारी भे विचाल प्रिंग, वंस रेशना उट्टेब. व्. चे. चंट्र, मुंग. चे भेर वंश. स् अन्तर्मा स्थितं देशह मध्यात्रमा महिस्मान मुस्मान्त्रेन्यसायस। स्रिसाग्रीमाटार् दे छ दट द्वारमा र्द्धर कर हों से खु नुष्ट प्रसातु है व प्रायद साम वर्ष व में दे नगत संक्रित दस्ता अवर वहनास वस। नगर शुर्भ वंश वेट.व.र्नर हूट.वर.कर.वंश । मु.श्रुर.वष्ट्र मैज. न् न्रे.लेज.रे.षष्ट्रम.पष्टा नर स्त्रे.च्या ट.च्याटपु. वि.चीश्वेत्राचद्यंत्रं तु.सिचारि.पविषाज्यंत्रभ्रष्ट्रश्वाचा । जु. यर कर वे दे द्रममा वेदा श्रेक गुर वेद गु नर कर वे स द दलना दूरक दल में कमाया यय हैस हेर दल मिं है। ये ह्येंद्रायदे मुक्षाये वसादु मुक्षा गुरासमी वह दाये दे सुना दु सुयामहिमारहेस । युः ये महोरः महिद। यो महोरः विद्। वे नार्य र रेन्न मासुम वेर् र न वर्षे हेर र हत्य। वेर् १ त शुक्राचर्सेर वंशालर (रूटा) वार्सेर चर में या में स्य नुस्य नर्भ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष सहस्र । वर्ष सम्ब म्रीट व रें पत्र भागरा च पता में रें भागर ता स्वीस परा वज्ञ वर्मी स.ह । व्यापिट माश्रिम से व्राप्ट मान कर्मा कर दें मानुका है। दें पञ्चा निरायम त्यम्का है। युन्-र सरे नार्द्धना यना मिट-नु स्रेस ग्री हेंस खें वा मार्ने न पस नग्रीराकेनमा दें रेटरे हेवे लेम र ख्रा रे में दे र्टे. युट्स.त.रेट. । में का. कुर्रे नार्डेश नंबुट्स.से. मार्श्या

तिना भन्न सेट हर कुर त्रुन त्रुच चेन चेन क्षेत्र रे सेता नर चिट मिर्स स्था स्था निया । सेट किट मिर मिस सी सा इट ब्रह्मार्क्ट में वात्यानुसाहे। इसु र्वेग दुन्ता सी क्रवशः ग्रे.प्रचात्रशः सरः श्रिटःचीशः त्रित्रः प्रशः वर्श्वरः है । रय ने विद्यास सदा व्यक्तिर माने । वे प्रत्य तस स्वीका वर्षेर सुनास वनाः वर्षेसः सर्वेद् हेर हेर वेद वर्षे त्या वर्षेद्। चिट. कुष हा विवायमा जाटमा राजु हु। न्यूर ही सैनामा खना. हुर्य में कुरमा नेरारे लाश्या पर्ये। हिरानेर देश. व्याद्य वः वृतः ग्री 'ञ्जूषाक्ष प्रमा' झेँदः त्य । मु 'वैत्रक्ष' वृतः तु ल्रेच्या १ देखाने हे यदा व व व व दिन दि । हि सिर मी विदःश्रम् अरदः द्रां पदः भर्ते र में निक्रमः पत्रेदशासु मुस्य। प्राप्त यदे वासाद नेदायाया असादा मेंसा दम्मीमानदे न दे पद्मार् निर्मे नर नम ल। अर्.न यदे यदे सु रेंब वा वर्गेर यदे खेर दे यहे माने गहा यदे म्रोनश वस ह्रव चर ना ज्ञेनास परा। ह्रमाया वा मुन्ना चॅ वे अर र हो। केंश याय कुर्गर चेंदे अर र ही।

कुल जाल, चलात् रेट लें में में में भेटे. रें ही चल जुल में रस.चर्. झे.क्र्स.विबोस.रट. क्र्स. क्षर. है.क्र्यंस.शि.परैट. व.वृ.भ.जुर्बं स.वे.। शटश.मिंश.मी.र.त्र. वृत्रस् कुर्स दिर जु.सीर दे नीशिरस न लुरे तथा टिनट कुर्स. कु नगर में दे सिनास क्षा अमी क नाहे ना नु में ने के स मान न कुता दश विद् युना हो है व वह दुना वा नारे र नम्रूर वस.ज्.य.ध्रुच.र्.नर्ट.हो। जाजश्र श्रुमापुषा जाज.यः चल मुका । भागभा अप्राचित्र । मान न्याय हेनाय। (वयद खुवाना) न्या युवय में भीया हो। (दम नुर्ने, न) रेट हुन र प्रींट्र में जान मध्या ( लर. 'अद्र'य ) **द्रा नाशुम्र मुक्षः वं ४'मामस**'यर पर्से व'द्रसः मङ्गित में उत्ता वीका में के दिया है व.स्ते.ज.चाश्रभःश्वेब.र्ट्टस.ट्रे । झ.चक्रैर.ची.चार.म्रीट.र्टे. मुर्स दंश सेर दंश । मुंश मुद्ध मिरा । (यसम. लस.) व.पर्वेचीश.प.रेट्। पूर् में सेनाव लूरे पड़. मिश्रिम्बार्य में देवे साथिश वा श्वित उपलब्धा

नहीर हे से सथस उर मी र्यार हा है पर्योर हे यहूंस। और. मांशर चंडर मु मार्र वा स्वारंश क्षा तीमांश चंडर सूर. कि की नार देर वर्षे र वर्ष । हीर कुर कुर कुर अरूर नार्थ त्य स्व । वर्ष व पे न्न या है वहा सन्दर्भ या है वहा सन्दर्भ न.क्ट.हर.रन रे वैट.न ज.सेज.नम । जू व.नमू लेज वसम्बद्धा त्रवद्स नानुषान्गार वसक्तन्याय हेव वस हिंद दर्नोब यस। देदःस्य नु दुद यः सूर्वःयदे समायः यहिव नुः नमें ५ दर्भ नम् । क्रिया मार्थित के द्वा देश नार्स्य वस । नासुदस विदःस विदः हुँ देशस.पन्नेर.रे.सैना। १०० होरे.पर्वेश वर.वि.विश सुमा हेरे य वेर सुर केर रच नु नुद नरे मार्व नु वर्दा। रव निर्वेद श वना बाहुना मी वट अवक ही त्र ज़री निर्वे श्ररात् दे स्वरायाञ्चे ते दे ते स्वरायायन्त्रायासर्वेरागुटाने तासीयार्त्रस्याःसहर । वटास्त्रम्माराम्भाहेवास्याप्य। कृष सेन हे ने इ.नेड्ने सिल ग्रीट सेना तर में नेबटा। नूरे ल्राहरी निवास निवा वर्ष्ट्र.वर.वेष । रव.वैर.इ.इ.ष.लर.वंबरश्चिभ.वर्वे. पर्वे अ.इ.इ.स.स. १८.व.च.च. १८.व.च.च. विरंत्री, स्था क्षेत्र.च. १व. चाड्रमाश्चर देश देश, देश, देश, देश, नग्र-इन्-दु-न्ब्रिय । ह्ये ने विमानदे के मागुन रन-दु-वैदायह सरेब ताक्टा टि.चबुब. क्र्यानेटाचर्नेब बन्ना सुब.टे. परे क्षेत् पर सहर पस हे पार देश के। पहन पे दिन लर नाकेश ( श्रु.य. पर्ट. य.य. रथन रट. या) **८६**श. नुमा नु नम् कर् नमा मा क्रिन् न निर्दे न निर्देश रथन, हेंट. हं . पड़ ्चमैंट. पड़ ्चमैंट. टेंट. क्य हि. सेंचा उहिंद. वसः मु ध्रुता नु न्त्रमा नुदे न्त्रम् वर्षः नगुमान्यानु कमाय येत । द्वार १ वर १ १ वर १ पर्भ। मुरे न प्राप्त वर्षे वर्षे न मुक्त म वस । यर सिट सहरे वस रेवेर विट नेस सहरे वस मिने मिंद पुरमे दर मि हेरे नाईन सन मिट दर। वर्षन त् र्रानिश्च तामनीतर र ने विदेश शि. ने शूल । देर र नर. नुस्र म नर्व दः सं द्वेद् ल्दः मद्रुमः मः कृष्मः दृदः ह्वः न'स्रूसः श्रेत्र मिट वस । व प्टायः के मिट ना माना में मु दमे द अब कर द मुंदे दमन में दूरका ना दे मद नु चेंद्र क्री दरमा भे द्रम्या सर्वे सक्त वुस सर्वे हैमा द्यम नुःसुः सुनाकेवः ये मलना नवें ब्रह्म हे सुर कर्य यहे हैसः मु के ने दे ना सुक्र न सके स है। नार्ड ना वे मुदे गाउ न्युदे र्वे ब्राट मी अपूर्व पूर्व रेट या थी मोर हैश। माहेमा दे यद्य स् प्रमाध्य के कि कि साम्य में भीय है है हर मा हैस । मिड्रमान्त्रीत्र देशे देशे देशे हिंदे त्य में स स्था पड्य प्रेस सर्वायक्षर हैं स्यार् वुदायास्य वस्र। कवार्शेर क्र्यान्दर मधुर्द्यद द्यो त्रुव या सुवायस क्र्युव वया चे वा **५१२** न गुरको नु ५१ नु ५२ ५५ म से ५ । सुर म ने ६ ५ मु र्ना यस हिने क्षत्र नु लिंद हिने नगाने निर्मास य गान पर्सेत.त.ज.क.मू.रेश टे.पर्हेर रेश । अंट्य.रच.रे.चेंट. न'ल' त्रुल'न्डन्'लन्स । देर्'गुै' र्हेर्व खुन्' हैं - भु इ. चड्डा. १ व.रट. करा तर. वेश. ग्रेट विश. मेरट. यर। श्रीदश्च श्वराया रचा नु तुष्टा चाया यर ता द्वीश वर्ष्ट्रवर्ष्ट्र-स्वाम्स्रह्रम् या चरुषायम् वेस्र च यः स्वास यः र्ट्रसः यद-पार-र । यस्य-यूर्य-यूर्-प्रयम्ब-स्री-पर्दर स्ट्र पर्तेशःवश । रवः ने चैदः व सह र वह वह दे देश । मेश्रर वट ते च वर में है समार्टा वट मेर देगा ह **ऑ**नाः इनोब वर इटा इस्तर्ना उत्राद्या वर्षा त. ही पूर्वाश १४ ८ :। वीशट व विवा की १८ ८ ट । हीय त्र वर्षा के विषय रेश के क्रिया रेट के क्रिया वारे मानारे राजा सव। र श म सूर्याम ता भुम शूट यथ्य में ही मिट र्श्यम. र्टा वनार्धरर्टा श्रर्कारास्त्राधराय भवासेसः गु.विचास रंभ वंबुटल वंदु स् र वंसल क्रे.ग्रीट.भ.पील वंस. र्वेट श । धुनारण ग्रीर नाश र्वेट दश्राव । प्रदास वमा स् य रमाय वर्णाय मुक्त हेर परे र देश मी हिंदा देना या द्वर जुं दुस मिट तस । सूर्य त् संस में श्रेट र मार्ट्य निश्चान्स। वदै नर्दर्श वेंश्चार श्रीद की द्वार नर्द्ध दा थानाइर्म्सर्वेदानेर । हुर्द् याहिर्मानाम् निम्माराम्

वब केर सुवा वस । दे ख वी गुव की भव बेर वर्ड व ध वा पहिंच में महिनायायम। द्वारमानुष्टायाय पहिंचानीय विभावश । अव्हारक में से पर दे विभावश विभन्न त श्रीर बाढ़िया देश नगार नहीं स दश रहीन से बदर। 5. सक् कर्द्रते रूप र्युट्य स वहुंचा मेर होत् व वहुंचा से क्रेंद्र हेश्र मान हुया अर देन हुंद्र म देन मान मान मुै,जब,बुब,षर् लू,चेब,वब । एउ रच.रे.वैट.च.प. मकु स्पे नेद सक केंद्र केस रमाद सुत्य। दे पले दे न भीना व्यन् पुरुष्य वर्ष भीना सुद्यायर् न प्रते नगा व मुख्यायस्य र्गोदः मक्रम् वर्षा वर्षः कत्य वर्षः यः अस्मारः वर्षः हराः मिमस मह्दे वर बेट मुर्दे वर्गा हा मार्टे तार वाद्यक मुद्दे विश्व वेश क्ष्य विश्व मानिना पद ग्रिना में का नेश वेश है वा होंब नु परं व यों स न्यों स्था व होंस हिसस से ना विना हेर। विक्वान र रमाय वर्षाम श्रीम सेर ग्रीम। वृत्स सुन नार्यट सं रें सं त्याप्ताप नमा श्रीप पहें के ने रें से मिससा से मोरीमा चेर । निरम्भ यनीमा प्रश्न अहे नश दे न्यत् केत् में केंब्र म द्यार ता द्यार के नव केंब्र विसर् भु.चार्चुचा.चुर । मुंश येश.रश प्रुश प्रिमंश.चार्चुच तर्. श्रेव.सं परिवारी यर.कुव.स्.रटा १८.व्यास.वयायत्स. श्. लेश श्रेच टे . चार्ष्या वंश १ करे. त. कु. त. कु. त. दे. त. वे. त. त. यत्रकेषार्वे स्मटाञ्चनामाणी श्रीना यात्राञ्चीयायामानीयायम । श्रुवःस्य प्रवर्षः पर प्रवर्शः हे चणुम । दे स्म प्रमा हु सुरु मिन् सर् र प्रमा वर्णे वर्षर वसस असस पर्टा पडे श्रेक गुक् सर्ग मेंद्र पश । से दम में गुक् से में पर मार्श्या वेश । वेंचा में हो लेंब स नमान वेश । पर वे त्. में र्. पर्यंश.कट. त्रांश्र्य. यप् । देवा त. पश्चा. वंश. लिय हैमा तर पहेरी हिंसी मू ज.ये. से दमीश वंश प्रायोश नावना नाव में वे चेर न में वे वव में हैं दर में म्बिन् रुअ वि द्नु व द्वर वसुर दशक्त कर हिर नाइर । दे वस में रे.च्.में र.में स. कूस मिलस रेट त्यान च.सट रे.मेस ल्. व्यस है अर २ वर्ग रवा व कर में सार वर सामी हुन सहर्मा वर्षे स्वर त्यास लेख लेच न् नास्त्र वस। वर्ष गुर मुक्त सद्य प्रद्या रता य उर् ता श्रुषा से सद्य छट स्रु दर स. श्रु. तथा कुस. मिसरा ३ मरा श्रु. ३ . देश देता है . श्रुरा मुंब र्च गुष मुंब नर व र च भु वर म संब पर । प्यद्यात्वर्ष्यायः गुरानी सक् ही याप्यस्य स्था सके यह । वह द व े वेद पुर खुर खुर सेंद्र । देर वे वह मुक्ष स् वर्ष्ट्युर-वदे-दर्वे स्थाने। सर्-ह्यामी-मुपासं-धा-द्यापसा नर्मा मन् के में में में मेर्। श्रुद्धा में द्धा में द्धा में द्धा में द्धा शुनुष्य देन्त्राय हेन्यं। यथ ये हे समा ५ हर सर्वित्र हेन् नेन्द्रित्य वृत्या केंब्र नहीत्र निवित्र हेर्दे प्रुमास दस दम् परहेमास दर। हेर्ने दे प्रुमास दस यर्ष स्टा के मिट ज लेया हैं सम्मुय यर सुना हो हैं गी. वर्ष व च स्त्रु वर सेव मुनास सु वरे व नास्त्र वस। मियामा भु क्षित्विक निर्मा मान्या निया मान्या निया मान्या निया मान्या निया मान्या निया मान्या मान्या

रे रे.ब.चे जब रेबु देर. षष्ट्रमंब चढर. बंबायह्म न.ही.. रब्रैयकारकाचीयावन। व्हें मुधीयार हामीय पना नाश्रेर खे हे सिट र हो व व व व र । हे त कु नुष हे । हा महिर विनाम ग्री हे व विरम सि मार्सियान । सिंदा हे व नर्समा क्षर्पद्रमा मिना सरायात्रे माश्रुमानी हितानी से प्राप्त से माश्रुमा ह्रेंट व विनाश में देव दिया ने तिम ने दव। हे म्द्रामा थे रुप्तास । दिया ही मुस्रां या पर्वेदसा दश द्युद दुश की सर्हेद य यह नहा । दूस देर से इर सन् न्दर्रं रदास्य ने से क्षाप्त सुनास कर कुरानस है ता वर्ष र्रा ह्रीत.वेश.वश । तयदश ग्रीव.म.सं.शर.श्र-बराम श्रीमारा पुरा। पर हैसामन जेसासमार्चेस पस। भ्र. प्रेश. वेर । एश. प्रेश. हे की मूर हर ये यह मार्चर ब्रैव क्रें वाडे ना नीस। पावेंद्र श्वेष छी । झे प्रण छ 'वे । बेर न चर्मा अ नेश चड्डच शिर टेटल बेश । इ रच में हे स्प्र. ट्रस्य थेथा. झे. प्रसिंग. ता. तथः तर . तेश वेश झे. तीट. वर . तेश । दे वस अ मेरे ट्रिट्स दस देव मेव विद्यार पर वस है देश

मन्दर्देदमःदशसानान्युदायरःनुस। देवसः मुजना सं व्रावसामा जाना संस्थान । देवसा त्रे लिल रे प्रमा स्था मा नुस है। अपना में सेट ने द्यार से नाइसद बर्द्धेन्य वद्राय वास्त्र केत्र है मुन्हाने हेना व्यवस्त्र हेंद्र र्षः पुरु पाठे गामी भे स यहना श्रु में र मर्के द देवा ्रवार्यः है। वयदः द्वाः यहा स्वर् व्यव स्टि: ५ है। स्टि: ५ है। देश हेर्न व सद्दा रे स सदद द मु न् न् न् न् न् यंभेद। प्रमार्थे रे स्वार्डीत्र र्वा वह वेदे श्रुव्य विष्यु विषये सुराय वत्ता है से वह वेद मु द्वासदर द्वार या भेद। अर सिर से द्वार विदेत दे स वर्द कर्ते दे दुर्श में से दित्य भेवा सर दे करे हुंग दरक्षेत्र त्वराय त्र प्राय प्रेर देवे वर वर्षा देश पर दार्चेर त्याद्यव वें कुदास कदायर वेंदाव प्येत । रे ख्वा सेट निवेश गुःसहना सप्तर्श्वापा विद्यादे वर्षा वर्षा वर्षा

रर्देवे सर्हेर् हेर मुझ सर्व। दे स वर्द व वर्ष द वे व्युत्म र्ट में वे में में माय उन मुंब स कर पर दें पर भेरा हिंदी मुन्दिन प्रतित्व व स्पूर्य दे त्य ह्य द्रार्म नावन मी स्पूर् मुन्म कर्पार वेंद्र पासी दे ता सेंस मिन्द्र पर नु पर म.वेंस.तस.र.केर.वेंदे.म.कर.त.त्राची चूर् वंतरस.द्रुम. उद्र'रव:रु:खुरा सुद'कोद्र'द्गाना वना'केंस'सेद'दें वेर'द्स रवस वर्ष क्या वर्णी कवार्षेदाय मेटायाना दर् यःभेदा चॅर्-गुःस-म्वर्दःसमझ-ठर्-त्र-वर्ध्सणा-वृद्ध-वस-श्र-रा.ज.शह.वैट.वंश.र्. के.शर.चंवेचे.टे.वंटश.श्र. भटे. चतर दे दिवास भीता मु वार मी अर सर से द तदे त न्तिम् सेन्यस क्रेंस न्तुन च के ता वेंदा वें कना नर्ड क्या वश्वर वर विभागर प्राया क्षा या में पश्चर पर या व क्षा मिमस निवेत देश मिट वस मिन वस मिन वस वस्ता वर्ष व व वस्य उर् देवस रूट स्था देवस पर्वर दुर दे स प्रिय पार्थ क्षामद्यानावुद्द द्वन्द्रम्मः नम् द्वर्यद्वरम् वानम्द्र। दे

म.चर्चारा.गीर.सून्रारट.वंदाता चे.ट्रे.सका.प्रुर.झ. सदै द्वन हे द उद त सुर । वन दन दम त स्वास पर् के घट ग्रेश हुए ता पर्या है . येश वि में . येश श. व. लश भर. प्राया लर. श्रेम । अश. लर. प्रमाध्यम् स्थान् निया वर निया मित्र व निर्मा निया निया म् ए वेबास से मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ हार होर हर। लय. भुश. ग्री. ची. चलेश. चश । भुश ग्रूट. चर्च हिंट. लेश. श्चिमायमाय दे हेरा या मुयाचे त्र सुवा स्वामाया त्रुवा सुव स. वासवानावर वास्त्रे वार्मा वास्त्र ग्रीट सर.रे.वैर.वर्.स्यास.सर.रे.म्रीर.रसा झ.चे.म.स. व्रेन्गुं परे क्वेर्णुक प्रवृत्यर मेश्राने। व्युक्ते द्रा चर् स्वयंश् नेश.वंश र.म्. कुटू में सेण.चर् स.वेश. ब्रिस-क्रुं १-५ म्बर्स प्रमात हेदे ब्रिस ल्या द्रमातृत य-श्वी.ज.त्र. बुरा.वश्ची.वश्चा विट.घ.चे.शस.वर्याट. वसामाञ्चा स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थापता स्थापत यश्या हे.वस.पंग्रेट.चंट्र.टं.चर.टचे.चळच वश.टेंटे.चरा. विक्रानिमार्थ देरावनायाणुकाळद। विक्राणुमालमा नी भुक्ष वेसम सु वहन ने महेम क्या भी ने रेंट र मित्र । र.शरु मि.भर मित्र कुरा नम् तथा देशस. 다성. 월. 취소. 소설 û. 취대. 역사 원. 성다. 필전고 . [ ] 1 구나다. चर.चेश.वंश र शर् होट.रे.क्. हंश.ररंत तंश.र द्वे. यं हिं त्व गु द्गु भ दिस् भी हेट व से द्वे विसस तक्तरावस ह्यावस छ हेस हर। ने म मि हा हेर हुन। वस मिया त्रा मि अर्थेट पट रेमा उर अर्थ रशायरेमा रेश तथा भी क्षेर . जुब बसा स. हुब जुरा भी खेर . हुब भीय कर . है. सन्त्रना नमः लेखः नार्थेयः वस्ता देः प्रमादे सुर वि हर। विमेशि दुर् नवेवशिधः निः कु भश्राह्मशा है व्रम् यस व्मार्थिय विषय र्मार रे प्रदे रे से पर्व प्रकार पर्वेट.पर् . चिड्डेबेश.ज.श्चीश.च.चेश.टे.चेशश.च.सुर. श्वेर. र्येटक । शुन्दियः चः चार्चिचक । चर्ष वे स्थान होना हा । इ.स्। अद्यानम् व.चेश्वराना श्रम् क्रियो द्या र नम्बर हे कर्तित के सम्भास प्रति के रेट वर्गा मार्गीय करे। में

वनसासु द्वारा द्वारा दे सकर चेर दश नास्त्राच वन्य पर । दे के दिना स्पेर देश । इ.स्.म. वे कर वेर ने निया प्रशा रे.चै.रे.एतका हरा वस्त्रात हैर रहारा रकार्य प्रवेर क्यार राजहे बुराक्षेटारा मुराक्षेटा मिराना मा यद्र राज्या न् नाहेनाश क्या । मिर्नाने 'अ'के 'ग्रेन होन हो साई र चेर · माम्बर्गायाका के तर्ना हुस अस हर नस । देखिना क्षेत्र-देन्भवाका हेर नामित्रमा नुष्य हे दूर रहेर हैना न लेर प्रते खना नेत वा अस्ति प्रता में हैं हैं से मार्ट वृद्दानुसम्भेर्षमात्र। न्यभाक्षामिनुसम्बद्धान्त्रमिनु स्डिनामा शु.वैट,वमा त्रं व.मीव.ह्य.व्. विंट, तमा सुट. व। नुषाचं ईस्वाक्यान्यम् रवानेरामार्डमानुर। दे के.च.दे में तमारे वैदाय सेर वेश तथा के.च.रंभश. गुःक्र्सः म्झूनसः पदे ह्याटा सेट्सः विच नुः ह्याटा यस। न्यातः मुर् हे हे हे हे से या वा रे ता प्रत्या प्रस्ता

नुसावित्रिंद्रान्देवावर्षेया हैसा ने दान्तार वे तार्सवा व चैनाश। चेरक्षार्गरायासुरमानाम् । सुनासः सर्वः भ्रेनाभः ना नुः विष्टः वस । द्वः शरः द्वेवः धवे नुसः व । वर्ष व में व में प्रमास मार्डमा अ वरे। अद्र के वाम दव यान्विना गुट क्रेंस। क्षेट निक्र ना गुट स न्निन हेर हिट र्-रेट-भे-भे-मे-ल्लिंग न्याय-में रे हे न्ट-**मे-पार्वन** त्युर्यस्य हर्त् से वणक वणक वणक वर्षे केर पर्व में या सुना नेराय भेव ने । हे ना व म नेना स नुस मस। हें रेट में भी में भारत है पर्ना में केर । वर्ष त्र रवता में हे हे चुद्द व सर्वेद वस। सर्वेद द्वमा स्रा विद्वा कर नियम मिर्मित कर मि पर मी मर्जेर हेन पा भी हेन निस नस पत्नास मदे सर् र्। र्याया भी हैं है क प्रमान वस हुं सामें या पहेन वस मान यर्टरश्रतम । यद्व-त्र्तियानुर्यत्र-म् वश्राले मानुष्य बेर स्वार्ट्य में देश र मानु माने माने साय में स्.य.सर्व. हेंद्र। सेवा. चुव.रण.त.मिय.रे.वसैर. व.ये। अवेदार्ग्वयाम्बद्धर्द्धार्द्धार्द्धार्म् मार्सेर्। ६.वर्र.ल.चार्चर वर्ग.च्.चे.च.ल.च.च्र. मेल स् सेवा मर्वः व १ इस वस । ट स् विश्वम मे वासर - र्मिस-प। अट. र.ज्. चाश्रम.मी. चाश्रर. हीस-प चर.वस मुद्रमा देव द्वाद्रम प द्वोय प या। म हमा स्म. व्रमान-द्रा हु श्रमाम-विन्यायातान्त्र-वृत्। मि क्रमाक्ष्य केंद्राक्षेत्व। सुविक्रंस डेर्डिन वास्त्र नेर। क्षे.शर.पश्च.त्.वर्ग्राट्स.मैच.श्चार.श्चर.श्चेच तस । ज. 마.음. 눈의 교 원. 역사 역 원다. म् वसामा हा। वर्षे लाविर मी मक् विर भाषा मानद्र नमा हाया देव अथानुका सका देवे स्वया हो देन क्र- वर्षेत् तीमा नावि वर्षर क्षे. ट. देश हे द्यार हे त. भिद् नेर दश सिंद । देर प्रमाय मार्च मा पद य दे दें हिंद य.पा । यद्वार होट होट ने किंद को होस वहा भारत होट वस र्जूर.च.ड्रर । क.श्रुचा चुँच.चंश्र श्रुंश चुँश विर. श. वर्षेश वश वर्षे व क्र वेर वर । विक् मा व रे वर्षे र् इट.श्.स.पर्रेश.वश.म.भगूट.वस.पूर.प.च्या। वाश्वेभ. वेर मात्री द्वमणी हे हेते सुमान स्विन्दर देश पर् मासर्द् अर दस् । द्यार्ग्सर्ग्रियास 신입다. 등. 분석·LEL 최일4. 2. 라마, 회, 교2 4 1 न्गर में प्रता नवे बर ने कि तान रह में में में में में नवन नगर सिट कुट स नहिमाने स हिर य मु हु मुने निमान्या में विद्यान वर् स्वर्ता वर्षा भर म न इस दा महाम मर वर्ष स्थम शे ह्रेश। मैं म स्थ प्रश पर्वेष तर् . में शे. नास द निरमा दमर भग खेरी हैं जन नाम दने यदे प्रतिमार्स। व्यार्था निमेश्वीर B. विष्टे. इ. नर्यट. चर्टर स. च्राय. अम्. त. चे. में. वार्य वाय. वाय. वयश्रत्मात्री म्यूना नेश वश है रे नेशमा सर्व वंद्रवे त लूट.च.भहूट.चरा ट्रे-म.म.च.वंश.चव.च्यं प्रवितालभ। पद्व.त.श्रु. च्रेर । क्रि.चेच्रेचेश देश तथ भार्तर च पहिंद.

इंश। शूरं,रेत्र्य थ प्रतिमानव्यय,नामा शूरा मिना. त्रसः क्र्रं वश्चरमः वर्षः त्र्रं क्रुसः लियः नुः यमनः यस। दे द नर्डक्'यारे दर्दरार्वेसाद्रा बेराक्स | देन्यामात्रसाद्वरा यस विदासमान कर गुरी स विवासमार है के हर। पर्द्व पानासुम प्रसान्सि रे प्रसार्ध्य व्यान्स्य स्था निर दशाम्ब्रस्य सुर्धेश दश । द्र देना मेल मी द्रार्थ पर । हर मी मूंश मूर्र प्रमा दे ब नाय स पर्य में गीय व र र ष्य च क्षुय चे वे चगव होर स ग्री स हिच चवे से मान्त वें मक्रे नमा हो द्वा वनामा है ही । पर्के पामे देश थर क्षेत्र वश श्रुद्र धरा। स्वतः हं दवाय दवर वृत् वृत् युःख्याई द्वीय प्रयम् मार्के यस सर्वे है। विदार वार्के निर्देशायस्य हेर् रहार्द्राक्ष्र्रायास्य अन्ते । निर्देशका 24. da 1 5.5. d2.3 3x. ca. x. d2d. a. 34. 2ca. a. विष्टेर देर एम निम्दा हेर् वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष नसारे हैं हिर प्रवेश हर। पर्वा नवे केश वस ही उद्भव

व-वर-विश्व-वश्व मिर्दर-वाश्चेश-४श-रवाम-मे हे हे बेर-वह मित्रप्राचार्यः मिक्षमाः भेषाः मीः द्रमेषः समः गुष्टः मुष्टः भेर । देः मार प्रनेता है स यहा । र है व रे कि वेट व रे कि वह पहर्राया व्यापद्वत् यामाश्चर्य पर्देरा वेदासह पर्दार गुन पर्रम्युद्धार्विष्ठिमा बेरादेश श्री है नाश्चमा प्रविष द्यामिन्यर सिंट कामेर देर। क्षे हैं ने मुख्य में दिरेर Ad. Zen. on. Hal. Br. an. Ac. J. net. Legel . Sed. . . गरःसः नः नस्यः नशुस्यः दुष्टः वेदि द्यवः स्तीः स्रोष्टः स्रोष्टः वनाः देः यस मिं र देद वस प्रामा कु व र्सर प्रस दर वस है। चे र हिरस हे.के.स वैट.वंश । तर्वा.कटश.मेश.वंशस वट्योस.रत. रे.रेचेटरे.चास्ता शटक्ट.तर.ट.पंट्र.वस.चेट.च.कंट. विद्युर द्वाद केर वस । नार्स द्वा त वाद की सामन च निश्र । विश्व र प्रचामण मिस श्रुच द्वे पुर देश । द्वे द्वार ने हिं । व विव वस केट गुट द्वे व र व वस्तर

न नन्नारा। दे नशाला श्रम् सामान्या हर नुदानसा वरि द्वो द्वा मुक्त द्वर के द्वा पर हिन्स य केर देवांका क्रम प्रमा हार ने हिंद हैर है हैर । दे ल खेल देवस शु. देनी श्रिट वढ घट हिन दे देनी श्रिट ह द्रम्भाने पर दानाश्चम समामेन द्रिम प्रमा ८ १८ दे मी ह्रा विहान में तर्देश में हिर वस । दे पर्वा यस मुल दर हे दे र्केट वर्ष वस । द्राय में हे हे दी वस गु मि र्सेट विस वस टरा से नित्त है। दस मिल हा. क्ष्मा कर्मा माना प्रमाद क्षेत्र पा सेन्। देव गुर दस विंद्रिक्तिसम्बन्धानु दे देर देश केट प्रश्ना मुज्या पे रेश. थे. चेट. चे.च.टट. में अ. बचा चे.चंडू रेचे श्रिट चड़ेश. विद्रास वेंद्र के द्वा श्वेंद्र नाश्च माद्र प्रश्ने मार्थित है । द्मे श्चेंट दट रच चुट मविद अट मट दु नुस सी दे दस ज्ञात इंचरा प्रत्रा मुक्ता मुक्ता मुक्ता मक्र रच रे विद्रे । मान्य व्याप बिश्व प्रशा दिन्य सिंद से वृद्ध। वर्डम स्व 'वद्भ' में लिय वर्भ सार वे हिंद

नर मून्यापस । र व नन नर्षे भ श्राप्त व स्थानिस नरा सेंदस वर्षेकरो को हैर प्रवासकर वर्ष वर्षे देर नस | मुस दुर प्राच कर ने चर नामस दुस है **४ ५-५ वुस ४ हें स**. ध. ५८ च ५५ च ५ च १५ मा नी सा २ प्रकृत्रं स्वापार स्वाप्ता स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स गु.जि.भूना बु.चर्थ्य मोडेनाश त्यायी तिर.०१। नेश स्वरंश. म्रित्य क्षामित्र मान्या वर्षेक्ष नु स्रितः वन्त्रस स्रायहेद्र । त.वंग्रे.तूर् हुँर. नरु.मूंश.नी.विट.भर्मे बिनश. नर्थिगे. वंश. यन्त्रस्य। त्यर्ष्ट्रयरः नीम्यरायश्रानह्रव। दक्रेः यस यद खुवाञ्चद व केव में मुखाय दा। देते श्लेंब स बिट, क्रैंट मीभ, ये. च.च.केश. क्रेश. प्रींचा , पं शायश भू. थे. चहु. द्वो वर म्रोन्य वस्त्रात्वा वाया क्षेत्र व द्रान्तु कुर की वाया मासुम वक्तु २ २ २ देव। के मे मे व या मार्ट केव पर्देव। दे-मार्डेश केदानु मेश रया के यह दा मालुट केदार्च के स पर्वेग देशसाया वर्षेश रेस । मानव त्रासर ह्ये वैधास. य वे नह्रम पर वर्ष देवे में प अन्य में देन में र वलक्षयान्द्रे व तर्वेष चेराह वर्षेषा छेरा वेष। सम्ब त्रा निक्य निविधायम। जना क्षा क्षा नहास यस दे खें के क्षेत्र में गुत्र के हेद दें वे प्याने र वर्ता है। देवे अर में न सेन्स संस्कृत पर में भी न हर दरे न पर्वा वेर क्षार्श्वित पहेंद्र दर भेग हुटे ह पन्द वन रे पर्वता रूपारे व व मर् श्रु गु ममस व मानव श्रुव कु यम् वि स्था कर वर पर पर निवास निवास । वर्र 55 त. १व. कुश.चै. ८४, ८८ूरे. त. में र कुंच. त. प्रमंश श्रे. जुरे तर. रम् हैस (रविश्वनिष्ट) ये श्रमाण सूनीमान भ्र. पश्च नोडे म. जम वस जूनी त नोडेनी रेट पश्च नाश्चिम रेट. । मीय. (प्रथम.त.) ल.चेश.मेज.भक्ष. ज.झे.भ उहे.चै. ट्र.ज.प्री.भुस. (च.जभाव) चुंस रच थ्रेज हिंग्रेशी श्रम म (मासमाम) भी नेस ही गुरु। वहीर (हम्न्यूर्य ) थे भेष पूर्व रहा - रम भे ( क्रियंता) क्रियंत्रियंता प्रतित्वा है। उद्भुत्की वेद देन के के देन के अर में हैं के में मुख्य हैं हैं। वे हुंद्र ( सद्गार ) रे हिंद्या सुन हिंगि ( महा य ) कुंश-रव-श्रद्धा प्रचा-मर्ने-द्रची-श्लेव-पश्चिमा-इस्रशः इंट्रब.व.च। जभारे में मुन्न मेंट दे तेर नन वी. श्रमः देटः रचा प्रीयः हूंश यः ख्रय वश श्रदः अटः अटः मूँ सं शु नन्त्राया सर् सूर् र मा मुद्र प्रमा दे ता स्मा मा मेर यर मान्या निरम्बर मार वस वर वमा ने सु मुर स्वन व्यक्तिमा द्वीर प्रति मानुष प्रभा द्वार क्वी ना उद्य वर् . खे. मेव . जाना . चूंब . वंशा . देवेश . शे. शे. शे. जा . वर्ट . चूंश. निमानका क्रमानिम्रक्षान् न्यावर्षे त्.मि.न न. वर्षितास.इ.ज. मै.चोरेट. वर.चेस.ह । वश्रम.त.स.सी.सेचा. विवस । वर्ष व वर्ष म्रु मित्र वर्ष हिन के वे निर्देश नार लिब देश चरा ती. शंकालिब जेर नवा । रेने हें हैं जे भेग हैं वय सेवी त बोट बारेटी ठीचूर अर्ट ही हो वश बट उड़े कूर. र्ट्सिट्र त्वायामुक्स म्हा देवे अत्याचार हुरा रे में वसक. १८. चे । अत्ये चिट-वंब देवेब अर्थ रू. मे.च. चक. मार्डेश पर्वेच राष्ट्र पर्वे हि.सन कर । नावर संघा छ हिए देन्त्रत्। प्रविरंशाचरायदे दर्दादं वर्षा द्वा कुषु-ब्रेम-ब्रु धु-सिवी-रेट-देवि-मिव- वंशका-वर-वे क्टा-क्या न्व'कुर वसस वन्'न सन् की'कि । या सेस की किर महिन्। र्मी मान्यमा निया । श्रेष क्र मी मार पर महिनास वस. म्न. धमम. १८.ज. म्रीयाया म्यूची वाचार्या । प्रचिता स्वा । येशा वेशा क्षेत्रालयायाया क्षेत्रमायवदार्या वामाहरा होहा भिष्य ग्रं ही नश् भाष्य ग्रं भेर ता वर्षा श्रम पर भ्रात्रहर्भाश्वरम्। द्रार्भामसम्बद्धमः वर्षेभः वर्षे त्रम्म प्रविधानमा प्रमुद्दाया सुर्या । यग्र सुर्या प्रमा निति दुर जभ मिनानि पर् निविद्य निश्च वस प्रविश्व ही. रमा मिर्क साम मिर्म सुत्र। इतु है पर महिर। इतु क्षात्रं के महिसामाध्यापम् । से पर्देरमार्यः त स्. स्.व.लूर. इर.वंश.नीव्ट.ट्रे.चंवेरी वी.मुझ. ग्री रव है। मार्स नर भें वर राम्य सर ये विहर देर यस । स रना नहेस ग्रीस नसर स हर पर द पर स नर नेता थि। यो होता मुक्त ने सूच ने वा ने दा हो।

भेषास्य मान्तरे साथाना ५ न्या नियम विषय विषय वि.सट. ने देवता रव. ने मानशायाव ने ने हैंना हर्द्धियावयुद्धानाद्धा म्यु सेराधे प्रेसावयुद्धानाद्धा मिर-ला-ज्या-ज्या-रा श्रावम-र हे-रवट-स्वा दे देशस में नारशानव विद्याय है। श्रमान दि स्रिक्ष गुरा में नाशर हिट पबेटश। ह्रेंन नीस गुरादना र म द्रदः। धेर'न'प:रट-विद्रम। मुझःश्रेम'ग्रेस विषाः वट क्षे.वर्षः श । है.वेश्व. मुशः मिशः अवासः श्वटसः वर्षेट्छ । ट्रे.इंशरा.ग्री. भ. मची. तोवंश. तोबं. तांवेश. मी. शेर. भ. व्या. महमान नेमाय स्रा देवे समिव चे वे मुहमाव । इ र्ने मुग व व व हैन हा भन न र हो नव हा व के किन श्ची या विवास रहा देश नामें रेने नह विदानाना देश. म हेर हेर में रच नासम। देश नाम भे नेस मुल महर्। देश क्रें मन वह दी। देश मु मेश मेश रव देश विमस। देश-मु-सेर | देश-सुन्यश्नाद च सेट्स च । देश-महमार हे नुपामर्का। दे या महमा गु पु पति या

श्रवास पासद व प्या नार्वे चे खट मळम पादि केवर श्च.म। देश.मे.पर्वेत व पहूर व रवर सैवा क्रिममा देवे मान्यवाना होता होता होता होता वर्ष व्यव होता वै सेर्पक् सु प्रेव की। दे हर व सदय रख वेर की कुन मिमस व र्स्स मारी नाग्य वे स कर । यन्तर मारी नार्स त्वा ,रेट. मैंव. मैंर ग्री. चारे भारचा , वु मिल. नुस् क्र्स नर्से वस. यस नगर करे। क्रम हेन्स क्रम ह. उड़ेन नालेन. ग्रेव:रद्याचीश र्वेशरव ग्रेश वियन्तर । श्रेव द्वेर शुक् वर्षेक हिर नाबुद प्रमृत नेत् । अम्माभेक मेन नु भट र इश में चर र ते हों हो है है श विष्यदे नुसास्। लिम रविश्वाणी मिलार्च है नामालाल ने नासमार्थ हरा नेश. तश्रमानुपार्श्वन के अंदि हेर्द्र अधार सम्बद्धा वा अट द्वा द्वी गुक्र वर्द गुं कियामस्य गुरु से स्व मार्मिक चर प्रेने वर्ष विवादार कु. वर्षभश्चास्त्रीः क्ष्मा. चर्चास. कुत. जा चुक्त व व मा से व विदाय साम है न व अह में व व हव मुक्त मुक्त दिस वस्त्रके पर प्रोटिस वस प्रा प्रो श्रीद रूप विम नुभ स

ल म्रू, नद्र, म्रू, कि.ज.ची मुर सेंट. श्रेभा पश्चिर, वस स. अर. मरेट. है। मी. चंद्र व. पंची स. मुट. जीश तास. रेत्रे. मुक्त रेश र्ट् मु.चर रे. त्.वे.चर क्य श्रम्म रे वर्ट ख्रेंच. न्यं नु कुस पर्या नहीं नहीं प्रमाण मानेस नु न वहीं गामान चु. म.च.राष्ट्रे.र.सिमा १ .स. पारेश पविष्ट पव ,चट ,चर ,मानश. र्नुट्रम् वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः पशुः मारेक स्थाप्त विकासका । स्थापन्त्र स्थापः प्राप्त । स्थापन्त्र स्थापः स्थापन्त्र । निश्चरम् । र् ज्ञेर में झे मट नी भागर वर्जे शश चूरे.ज.वर.बू गम.चर जिर.चर्चर । हु भू सूँग भर खिन. वसाग्राटाखायास ग्रामकेनाथायहेद दशार्चेर ग्री सेमस उर् जातव ह्याम सर जूट वाडुना वाशिट्श वेश तुर, रे. हिंद 254.31 - 52.0.3.4.2c.84.52.0.42.0.424. निश्चम में प्रवादश से वर्षे भ है। वर्षे र स्वार में बुट ना नायुना अने कि है है से से से रेस कि के नायुना करता है. नते हेंब र नाबेड अन् इवानक समाब्या की वं अवः त् वर्षेत्र वर्षेत्र अ.वर्ग्य । अट.त् वट रहव अञ्च रे

श्रेमस पहुद्। क्षु ये मद ये वार्म म क महिद्। विश्वयः यदै मिद्रमान्मवदा इ.चेद छव दें द्राद्र वें र रेक् केक् पत्रदार्थे वार्सिम्सायदे सामदार्थे । यह दे । विय मुडिन्स । सर्ने हिंदै इट देव मि द्रमेंट्स य स नेस यर । सेंदे.हस श्र. पर्यायस । सेंद्राया संगय य स्वश्रामी क्षितायश्चर हो निर्माश होता १ महिमा सुस श्रद्ध में ड्रेट वर क्रूब ल्या ही व रटा है से सिट्य ग्रेट हिनाश ग्रे क्षेर विनास य वस्तर छन हेना य केंद्र य थेर नरा वेन य देन माय निम् य मेर बेर पर श्. श् वर तद्र र्ह्म न मरित्य । विर क्व रामम निवर र्ह्रिम मा हु हेर निर्मा हिम्स हिट हु हिम्स हुर हिम्स हुन यानुका गुट टेर् या भे होता या भेद बेर या या संग्रस हैंस व्येन ही न वश्वर वर्षित र्दर र माम दश कर वर्ष शर गु.स.चर.क्य प्र.गु.स.बेस त्य.चेस. रच.ग्रे.स.स्व.र्. त्रुव. चत्र. स्त्रुव. चर्या. चर्या. छिर. र ट. मी. वेचाम. अयम सी. वर्वशयम्बेना वुसं दस्य माट त्रमा मी मुद्द र देव दूट श्वर दस

अमरा श्र. जुर तर् . चरिमात्वा . भूचा . टे. झुट क्रूरा श्री चार । रेंद्र-मिन-रे.नहेर-न.ज पहना चर् रुभ-न नोर्ट । रे.सैंच. वनसामर् द्रमानु स्मानोर नाग्रिक्स नुस्र ह्मा समामा שליאר. לשלי.אריַבַ, בַּפַּאַיאר בַ, בַּפּּ 35 DA TT 184 AL TA ALC TA B 31 1 594 श शिव रहास, वस । ति. मृत्या तर्ते भारती श्रेम पा सूर्य स.च. ज.चर्रा २, द्रीश. विच. बंध । वर्ष र वर्ष र में प्रस्तित स्वीर स्वीत स्वीर स्वीत स्वीर स्वीत स्वीर स्वीत स्वीर स्वीत स्वीर स्वीर स्वीत स्वीर स्व ह्मा केर में सेय पर नगर है र के म वन्य सी हिस न कुरा भी में भर् निमल मेर वहा श्रदान नीमल। देव. निरम दना भ्र.नश्ची न दरा । निषर मिर मिर अपूर न ह र्वे हे ह्म महिम मौस्र से रे मह्मद य भेद दें।। ã₩. पर्वेट: च्रे ज्राक्तिम: श्रु.पर्यः मटार्चे .श्रुट: व.स्पटा लर्यस्य ताला लेक पर्टी वाल प्रमुख पाला काले के। लाला पडें सामा भवाते । यह में वा प्रवास में में में र्मकुलिं में स्वाहतिक के स्वाहतिक के स्वाहतिक के स्वाहतिक प्रदर्भ पश्चिम जना पिर कुर, स् इंशक क्रि. पर्वेगक क्षेत्र.

विनश्च प्रतिन्त स्त्री। ह्निश्च ह्नी ॥ ॥ विनश्च प्रतिन्त स्त्री । ॥ विनश्च प्रतिन्त स्त्री । विनश्च प्रतिन्त स्त्री । विनश्च स्त्री स्

कुमाना त्रात्त स्त्रीत विद्या स्त्रीत स्त्रात्त स्त्रीत स्त्रात स्त्र स्त्रात स्त्र स्त

